हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 09 मार्च 2025 | वर्ष : 03 | अंक :66 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

कर्नाटक का बजट देश के लिए मॉडल, ब्रांड बेंगलुरु को मिलेगा बढ़ावा: शिवकुमार

एजेंसी

पटना: कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को राज्य के बजट को देश के लिए एक मॉडल बताते हुए कहा कि इसमें बेंगलुरु की यातायात समस्याओं के समाधान के लिए कई परियोजनाओं का प्रावधान किया गया है।बेंगलुरु विकास के प्रभारी मंत्री शिवकुमार ने कहा कि शहर में 700-800 किलोमीटर नई सड़कें जोड़ी जा रही हैं। शिवकुमार ने कहा, ह्यह बजट देश के लिए एक आदर्श है। अन्य राज्य भी इस पर ध्यान देंगे। यह ब्रांड बेंगलुरु के लिए एक अच्छा बजट है। बजट शहर की 1.40 करोड़ आबादी के हित में है। इसमें एक सुरंग सड़क परियोजना भी है।पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यातायात की समस्याओं को दूर करने के लिए फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। इसके अलावा, डबल-डेकर फ्लाईओवर बनाए जाएंगे और नगर निगम और ह्यबैंगलोर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडह्न (बीएमआरसीएल) से 50-50 प्रतिशत योगदान के साथ नई मेट्रो परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।

International Women`s Day: नीतीश कुमार ने महिला दिवस पर खास अंदाज में बधाई;कहा-

यह दिन नारी शक्ति को समर्पित है इस दिन का खास महत्व होता है

नीतीश कुमार ने कहा है कि किसी भी राज्य या देश के विकास में महिलाओं का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। महिलाओं के सशक्तीकरण तथा उनकी सुरक्षा, शिक्षा एवं सामाजिक तथा आर्थिक विकास हेतु राज्य सरकार निरंतर प्रयत्नशील है।

एजेंसी

पटना: 8 मार्च को विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन नारी शक्ति को समर्पित है। हमारे देश भारत में भी इस दिन का खास महत्व होता है। महिलाओं के सम्मान में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस मौके पर बिहार के साथ देश भर की महिलाओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि देश और प्रदेश के विकास में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर सीएम ने अपनी भावना व्यक्त की है। उन्होंने लिखा है कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रदेश एवं देश की महिलाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं। किसी भी राज्य या देश के विकास में महिलाओं का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। महिलाओं के सशक्तीकरण तथा उनकी सुरक्षा, शिक्षा एवं सामाजिक तथा आर्थिक विकास हेतु राज्य सरकार निरंतर प्रयत्नशील है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि महिलाओं के उत्थान के प्रति सदैव प्रयत्नशील रहें ताकि उनका सामाजिक एवं आर्थिक

विकास हो सके और उन्हें एक सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके।नीतीश कुमार के पोस्ट पर प्रतिक्रियाएं भी आई हैं। एक व्यक्ति ने लिखा है कि आदरणीय नीतीश कुमार जी से आग्रह पूर्वक निवेदन है कि महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय अतिथि शिक्षक को की स्थिति पर विचार करते हुए बिहार की माता बहनों का समायोजन नियमितीकरण हेतु विचार करें ताकि बिहार के बहनों को मौका मिल सके। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने भी महिला दिवस के मौके पर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि नारी शौर्य है, साहस है, शक्ति है। नारी देवी है, दुर्गा है, ईश्वर की भक्ति है।सभी माताओं-बहनों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं। प्रकृति व शक्तिस्वरूपा मातृशक्ति के त्याग, समर्पण और सेवा के बल पर सम्पूर्ण समाज सर्वांगीण तरक्की कर रहा है। आइए, लिंग भेद से मुक्त होकर हम सभी नारी शक्ति के सम्मान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए संकल्पित हों।

नीतीश कुमार ने महिलाओं के लिए सबसे अधिक काम किया है। महिला उत्थान और महिला सशक्तिकरण के काम को लेकर देश भर में उनका अनुकरण किया जाता है। प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुमार कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए जो काम किया है उसे पार्टी घर घर तक पहुंचाएगी।नीतीश कुमार ने कहा कि हम लोगों ने महिलाओं को आगे लाने के लिए बहुत काम किया लेकिन पहले जो नेता थे वे कुछ नहीं किए।

पहले जो थे वे कुछ किए हैं, महिला दिवस के सम्मेलन में नीतीश कुमार ने लालू यादव को फिर लपेटा

एजेंसी

पटना: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर पटना स्थित जनता दल यूनाइटेड(जेडीयू) के प्रदेश कार्यालय में नारी शक्ति सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। इस मौके पर महिला दिवस की बधाई देते हुए नीतीश कुमार ने पूर्व सीएम और राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने महिलाओं को आगे लाने के लिए बहुत काम किया लेकिन पहले जो नेता थे वे कुछ नहीं किए। मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि बिहार एक मात्र ऐसा राज्य है जिसने महिला दिवस के लक्ष्यों को पूरा किया है।नीतीश कुमार ने मंत्री विजय कुमार चौधरी समेत अपने अन्य सहयोगियों के साथ दीप जलाकर सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कई महिलाओं को अने हाथों से सम्मानित भी किया। अपने संबोधन में नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी सरकार ने महिलाओं को आगे लाने के लिए काम किया। नीतीश कुमार ने कहा कि इस मौके पर नारी शक्ति का वंदन और अभिनंदन करते हैं। आप लोगों बुलाया इसके लिए धन्यवाद। बहुत अच्छा लगा। खुशी की बात है कि भारी संख्या में महिलाएं सब जगह आगे बढ़ रही हैं। आप तो जानते ही हैं कि हम शुरू से ही महिलाओं को आगे बढ़ाए हैं। पहले जो नेता थे उन्होंने कुछ नहीं किया। नाम लिए बगैर उन्होंने लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधा।इस मौके पर कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि बिहार एक मात्र ऐसा राज्य है जहां महिला दिवस के लक्ष्यों को पूरा किया गया है।

बाबा साहब के विचारों और उनकी सोच का अपमान कर रही है भाजपा : श्यामलाल पाल

एजेंसी

अमेठी । समाजवादी पार्टी (सपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत डबल इंजन की सरकार को संविधान विरोधी बताते हुए कहा कि यह बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर के विचारों और उनकी सोच का अपमान कर रही है। अमेठी के घटकौर में समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान भाजपा को संविधान विरोधी करार दिया।उन्होंने कहा कि भाजपा देश में सामंतशाही व्यवस्था लागू करना चाहती है और उसे संविधान में भरोसा नहीं है। पाल ने कहा कि जिस संविधान को बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने बनाया है, वो संविधान खतरे में है और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और राज्य की सरकार बाबा साहब के विचारों और उनकी सोच का अपमान कर रही है।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संविधान बचाने की मुहिम छेड़ दी ।

11-12 मार्च को मॉरीशस जाएंगे पीएम मोदी, राष्ट्रीय दिवस समारोह में होंगे शामिल, 2015 के बाद हो रहा पहला दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 मार्च से मॉरीशस की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आएंगे और द्वीपीय राष्ट्र के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की मॉरीशस की निर्धारित राजकीय यात्रा पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि प्रधानमंत्री 11 और 12 मार्च 2025 को मॉरीशस की यात्रा करेंगे। 2015 के बाद से प्रधानमंत्री की यह पहली मॉरीशस यात्रा है। विक्रम मिस्री ने कहा कि मॉरीशस के साथ हमारे संबंध, निश्चित रूप से, साझा इतिहास, संस्कृति और बहुत मजबूत और मजबूत लोगों के बीच संबंधों पर आधारित हैं जो

कई शताब्दियों पहले से चले आ रहे हैं; मॉरीशस हिंद महासागर में हमारे प्रमुख भागीदारों में से एक है। 2015 में मॉरीशस में ही प्रधानमंत्री ने मिशन सागर- क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास को स्पष्ट किया था। उन्होंने बताया कि इस यात्रा की एक खास बात यह है कि पीएम मोदी मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस पर मुख्य अतिथि होंगे। राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी समारोह में भाग लेगी। भारतीय नौसेना का एक जहाज भी वहां मौजूद रहेगा। इसके अलावा, भारतीय वायु सेना की आकाश गंगा स्काईडाइविंग टीम भी समारोह में भाग लेगी।पश्चिमी हिंद महासागर में स्थित मॉरीशस के साथ भारत के घनिष्ठ एवं दीर्घकालिक संबंध हैं। विशेष संबंधों का एक प्रमुख कारण यह तथ्य है कि मॉरीशस की 12 लाख की आबादी में लगभग 70 प्रतिशत भारतीय मूल के लोग हैं। भारत 2005 से मॉरीशस के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है।

विधानसभाओं और संसद में नियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए उचित नहीं : बिरला

एजेंसी

दिल्ली: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सहमति और असहमति को लोकतंत्र की ताकत बताते हुए शनिवार को कहा कि विधानसभाओं और संसद में नियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए उचित नहीं है।बिरला ने यहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के शुरूआती कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सहमति और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन विधानसभाओं और संसद में

सुनियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए ठीक नहीं, जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विधायी संस्थानों को चर्चा और संवाद का केंद्र बनना होगा।बिरला ने कहा कि भारत का संविधान केवल कानूनों का संकलन नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक मार्गदर्शक है। पिछले 75 वर्षों में संविधान के मार्गदर्शन में हमने कई परिवर्तन देखे हैं।उन्होंने कहा कि संसद और विधानसभाओं में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस होनी चाहिए, व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और जानबूझकर पैदा किए गए गतिरोध लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हैं।लोकसभा अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि यह संविधान क्लब पक्ष-विपक्ष के बीच सार्थक विमर्श और सहमति का मंच बनेगा।

राबड़ी देवी पर भड़के सीएम नीतीश तो तेजस्वी ने किया पलटवार, बोले- यह उनकी दयनीय मानसिक स्थिति को दशार्ता है

एजेंसी

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने एक दिन पहले अपनी मां और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को सीएम और जेडी(यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार द्वारा संबोधित किए जाने के तरीके पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विधान परिषद के अंदर राजद की महिला सदस्यों के साथ गरमागरम बहस के दौरान मुख्यमंत्री ने विपक्ष की नेता राबड़ी देवी की ओर इशारा करते हुए हिंदी में कहा था कि "उनके पति ने उन्हें तब सीएम बनाया जब वे मुश्किल दौर से गुजर रहे

थे।राबड़ी देवी पहली बार 1997 में मुख्यमंत्री बनी थीं, जब उनके पति और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को चारा घोटाले में सीबीआई की चार्जशीट के बाद पद छोड़ना पड़ा था। कुमार द्वारा इसके हसबैंड शब्द का इस्तेमाल अपमानजनक माना गया और जबकि उनकी पार्टी के सदस्यों ने सदन के अंदर इसका विरोध किया, तेजस्वी यादव ने बाद में संवाददाताओं से कहा, "यह मुख्यमंत्री की दयनीय मानसिक स्थिति को दशार्ता है जो स्पष्ट रूप से राज्य चलाने के लिए उपयुक्त नहीं हैंपूर्व उपमुख्यमंत्री और अब राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता यादव ने अपने पूर्व बॉस को याद दिलाया कि "राबड़ी देवी उनसे उम्र में बड़ी हैं। वह अविभाजित बिहार की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। यहां तक ??कि उनके बीच के रिश्ते के लिहाज से भी वह वरिष्ठ हैं। यह इशारा कुमार द्वारा लालू प्रसाद को अक्सर बड़ा भाई कहने की ओर था,

वसुंधरा राजे ने सियासत में बनाया ऊंचा मुकाम, 2 बार बनीं राजस्थान की मुख्यमंत्री

एजेंसी

राजस्थान: राजनीतिक गलियारों में महारानी के नाम से जानी जाने वाली वसुंधरा राजे आज यानी की 08 मार्च को अपना 72वां जन्मदिन मना रही हैं। वसुंधरा राजे ने मध्यप्रदेश से अपना सियासी सफर शुरू किया था। वह राजस्थान की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं और राजस्थान की सत्ता पर राज किया। वसुंधरा राजे का सियासी सफर काफी लंबा रहा। वह ग्वालियर के महाराजा विजयाराजे सिंधिया-शिंदे और जिवाजीराव सिंधिया-शिंदे की बेटी हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर वसुंधरा राजे के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...मुंबई में 08 मार्च 1956 को वसुंधरा राजे का जन्म हुआ था। उनका साल 1972 में धौलपुर के राजघराने के हेमंत सिंह से शादी की थी। लेकिन शादी के सिर्फ 1 साल बाद ही दोनों ने अलग होने का फैसला कर दिया था। पति से अलग होकर वसुंधरा राजे अपने बेटे दुष्यंत के साथ अपने मायके ग्वालियर में रहने लगीं। वहीं उनकी मां विजया राजे बीजेपी से जुड़ी थी। ऐसे में उन्होंने भी अपनी मां की तरह बीजेपी पार्टी में शामिल होने का फैसला लिया।

महिलाओं को 2500 रुपये मिलने वाली योजना के लिए शुरू होने वाला है रजिस्ट्रेशन,

इन दस्तावेजों की होगी जरूरत

एजेंसी

दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर 8 मार्च को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिलाओं के लिए महिला समृद्धि योजना का शुभारंभ किया है। मुख्यमंत्री द्वारा योजना को मंजूरी दिए जाने का ऐलान करने के बाद इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरूआत होगी। इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होने के बाद वैरिफिकेशन होगा और महिलाओं के खाते में 2500 रुपये आने लगेंगे। अब तक इस योजना के रजिस्ट्रेशन की शुरूआत कब से होगी इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। योजना को लेकर कुछ अन्य जानकारी भी शेयर की गई है। योजना में आवेदन करने के लिए पात्र महिलाओं के लिए शर्तें भी तय की गई है। महिलाओं के पास कुछ खास दस्तावेज भी होने चाहिए जिससे उनकी पात्रता मान्य होगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिला दिवस के मौके पर इस योजना को मंजूरी दी है। महिला दिवस पर

इसके ड्राफ्ट को मंजूरी भी मिल सकती है। इस योजना का रजिस्ट्रेशन भी शुरू होगा।इस योजना का लाभ लेने के लिए अगर रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है तो जल्दी रजिस्ट्रेशन करवाएं। दिल्ली सरकार ने इस योजना के लिए कोई नया ऐप या पोर्टल लॉन्च नहीं किया है। बता दें कि इस योजना के लॉन्च होने के बाद महिला लाभार्थियों के खाते में पैसे 45 दिनों के बाद आएंगे। अब तक इस योजना के रजिस्ट्रेशन की शुरूआत कब से होगी इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। योजना को लेकर कुछ अन्य जानकारी भी शेयर की गई है। योजना में आवेदन करने के लिए पात्र महिलाओं के लिए शर्तें भी तय की गई है। महिलाओं के पास कुछ खास दस्तावेज भी होने चाहिए जिससे उनकी पात्रता मान्य होगी।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि शहर की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने की जरूरत है और महिलाओं की शिक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि प्रगतिशील और समावेशी समाज के निर्माण के लिए दोनों ही महत्वपूर्ण हैं।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शालीमार बाग में स्थित फोर्टिस अस्पताल द्वारा आयोजित समानता वॉकथॉन को संबोधित करते हुए रेखा ने ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना समग्र सामाजिक विकास की कुंजी है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला जज ने महिलाओं को किया सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
डॉ विजय कुमार पाण्डेय

सीवान 8 मार्च 25 * अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला जज ने महिलाओं को किया सम्मानित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोतीश कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तरफ से मेडिसिन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए डॉक्टर रीता सिंहा को तथा विधि व्यवसाय के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा देने के लिए संगीता सिंह अधिवक्ता को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महिलाओं को उत्प्रेरित करते हुए माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने महिलाओं के महत्व को बताते हुए बताया की सृष्टि के जननी से लेकर लालन-पालन करते हुए दुनिया को चलाने और सुसज्जित करने में महिलाओं की अहम भूमिका होती है। महिलाये घर से लेकर संसार

को चलाने और संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। महिलाओं का विभिन्न रूपों में घर में पहचान होती है किसी की बेटी होती, तो वही महिला किसी की बहन होती है, किसी की भतीजी होती है तो किसी की पत्नी होती है, किसी की मां होती है तो किसी की दादी और नानी होती है, यानी एक महिला विभिन्न पदों से घरों में सम्मानित होती है तो दूसरी तरफ चाहे वह डॉक्टर के रूप में हो या अधिवक्ता के रूप में हो, खिलाड़ी के रूप में हो, समाजसेवी के रूप में हो चाहे विभिन्न क्षेत्र में अपनी अलग-अलग पहचान बनती है इसलिए महिलाओं का सम्मान करना हमारा कर्तव्य बनता है। महिलाओं को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सुनील कुमार सिंह ने कहा कि आज जितने भी लोग जीवन में कामयाब होते हैं उसमें महिलाओं की अहम भूमिका होती है। महिलाओं का सम्मान करना हमारा परम् कर्तव्य है इसी लिए तो भारतीय दर्शन में मातृ शक्ति को विशेष रूप से उल्लेखीत किया गया है।

अखिल भारतीय साहित्य मंथन शोध संस्थान नई दिल्ली द्वारा डॉ. शाजिया परवीन को सावित्री बाई फुले शिक्षा रत्न से सम्मानित किया गया

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर : - - अखिल भारतीय साहित्य मंथन शोध संस्थान नई दिल्ली ने डॉ. शाजिया परवीन, अतिथि प्राध्यापक मनोविज्ञान विभाग, डॉ. एल. के. भी. डी. कॉलेज ताजपुर को सावित्री बाई फुले शिक्षा रत्न से सम्मानित किया है। यह सम्मान उनके शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पण के लिए दिया गया है इन्होने अपने करियर में मनोविज्ञान के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता से छात्रों को प्रेरित और शिक्षित किया है। उनकी शिक्षा और अनुसंधान में गहरी रुचि ने उन्हें इस क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बना दिया है सावित्री बाई फुले शिक्षा रत्न सम्मान के साथ, अखिल भारतीय साहित्य मंथन शोध संस्थान नई दिल्ली उनके शिक्षण, समाज, साहित्य सृजन, काला संस्कृति, संवर्धन संबंधी राष्ट्र नवनिर्माण कार्यों में अहम् भूमिका में योगदान को मान्यता दे रहा है। यह सम्मान उनके काम को और प्रेरित करेगा और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में और भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित

करेगा। डॉ शाजिया परवीन शाहपुर बघौनी के निवासी हैं जो अशकार अहमद के पत्नी और हाजी अंजार अहमद के बहु है' सम्मान प्राप्त करने पर प्रधानाचार्य डॉ. प्रभात रंजन कर्ण एवं महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने उन्हें बधाई और शुभकामनायें दिया है '
महिलाएं समाज की नींव होती हैं, जो परिवार से लेकर कार्यस्थल और सामाजिक बदलाव तक हर स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भारतीय इतिहास महिलाओं की उपलब्धियों से भरा पड़ा है। वे समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के कल्याण के लिए काम करती रही हैं और सामाजिक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं। भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले से लेकर मदर टेरेसा तक, महिलाओं ने बड़े पैमाने पर समाज में बदलाव के बडे. उदाहरण स्थापित किए हैं सावित्री बाई फुले सर्वोत्तम उदाहरणों में से एक हैं। महाराष्ट्र के सतारा में जन्मी सावित्री बाई ने महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया। उन्होंने विधवाओं के उत्थान के लिए भी अथक प्रयास किए। एक जमाने में जब महिलाओं को घर की चारदीवारी में कैद रखा जाता था, सावित्रीबाई फुले ने समाज के रूढ़िवादी मान्यताओं को चुनौती देते हुए नारी सशक्तिकरण का बिगुल बजाया। महज नौ वर्ष की उम्र में विवाह बंधन में बंधी सावित्रीबाई ने अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर समाज सुधार के लिए कई बड़े काम किए। उन्होंने सिर्फ औरतों के लिए ही नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए भी आवाज उठाई जिन्हें समाज में कमतर समझा जाता था।

सिविल कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित

सुलह एवं समझौता के आधार पर 1580 मामलों का किया गया निष्पादन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

-दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन करते जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह स्थानीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोतीश कुमार सिंह व अन्य सीवान 8 मार्च 25 डॉ विजय कुमार पाण्डेय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली व राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार सीवान के द्वारा सिविल कोर्ट परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह स्थानीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोतीश कुमार सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलित कर शनिवार को किया गया। मौके पर उपस्थित पक्षकारों को सुलह एवं समझौता के आधार पर मामलों का निष्पादन करने को कहा गया। वही जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सुनील कुमार सिंह ने कहा की सुलह एवं समझौता के आधार पर मामलों का निशुल्क निष्पादन कराकर अनावश्यक मुकदमे बाजी से बचें। मौके पर पंचम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमाशंकर, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संजीव कुमार पांडेय, परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश मनोज कुमार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनीष कुमार पांडेय ,राकेश कुमार पांडेय ,अमित कुमार पांडेय , जिला पदाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता, प्रथम श्रेणी न्यायिक पदाधिकारी विकास कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक पदाधिकारी कमलेश कुमार सिंह, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष शंभू दत्त शुक्ला, अधिवक्ता बलवंत कुमार, समेत सभी न्यायिक प्राधिकारी उपस्थित थे।

48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर के संदीक्षा परिवार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक कमांडेंट श्री हरेंद्र सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी ने की। कार्यक्रम में श्री संतोष कुमार निमोरिया, उप कमांडेंट, अन्य अधीनस्थ अधिकारीगण एवं महिला कार्मिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही इस विशेष अवसर पर महिलाओं की उपलब्धियों और उनके योगदान को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर इस दिन को यादगार बनाया गया। इसके साथ ही संदीक्षा सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें उत्साहपूर्वक नृत्य एवं अन्य मनोरंजक कार्यक्रम शामिल थे।अपने संबोधन में कार्यवाहक कमांडेंट हरेंद्र सिंह ने कहा कि महिलाओं की भूमिका समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और समानता की दिशा में सशस्त्र सीमा बल द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारीगण एवं कार्मिकों ने महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण की शपथ ली तथा उनके योगदान को सराहते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खिदमत ट्रस्ट ने इफ्तार कीट वितरण किया

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी :खिदमत ट्रस्ट ऑफ इंडिया (रजिस्टर्ड) बिरार सीतामढ़ी की ओर से रमजान के पहले अशरे में चालीस(40)असहाय परिवारों को रमजान इफ़्तार किट वितरण खिदमत ट्रस्ट ऑफ इंडिया के कैम्पस मे किया गया किट बैग में लग भग दस जरूरत की सामग्री और नकद रुपया भी दिया गया इफ़्तार किट वितरण वाला काम ट्रस्ट की तरफ से पिछले पांच वर्षों से किया जाता हैं निश्चित रूप से इस प्रकार कि संस्थाओं की आवश्यकता है हमारे समाज को जो गांव पड़ोस के मजबूर असहाय लोगों की मदद कर सके खिदमत ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष टोफेल अहमद हकीमी ने लोगों से अपील करते हैं कहा कि संस्था का हर तरीके से साथ दीजिए ताकि खिदमत ट्रस्ट ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ पहुंचा सके ।

जिया-उर-रहमान कासमी ने किया दावत इफ्तार का आयोजन

मुहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी :मदरसा हमीदिया दारूल बनात हुसैना सीतामढ़ी के प्रधान मौलवी व ऑल बिहार मदरसा टीचर्स एसोसिएशन के उप सचिव सीतामढ़ी के आवास महसुल सीतामढ़ी में दावत इफ्तार का आयोजन किया, जिसमें मदरसा रहमानिया मेहसुल के अध्यक्ष मोतिउर्रहमान रहमान कुरेशी, मास्टर नस्त्र हाशिम, अब्दुल्ला, समीउल्लाह, मुजीबुर रहमान, बादशाह शेख, निहाल अहमद, मास्टर रहमान सादिक, रहमान फैसल और दिलशाद अहमद आदि शामिल होवे

जनता दरबार में पहुंचे पांच फरियादी, दो का हुआ निष्पादन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना परिसर में शनिवार को सप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता अंचलाधिकारी धर्मेंद्र पंडित ने किया। पूछे जाने पर सीओ ने बताया कि आज जनता दरबार में नया और पुराना मामले को लेकर कुल पांच फरियादी पहुंचे हुए थे जिसमें से दो मामले का निष्पादन किया गया। उन्होंने बताया कि जिन लोगों का आज निष्पादन हुआ उनमें सुधीर कुमार ठाकुर, अरुण ठाकुर, अभिषेक कुमार ठाकुर, राम बाबू ठाकुर का नाम शामिल है। मौके पर सीओ धर्मेंद्र पंडित के अलावा थाना अध्यक्ष निरंजन कुमार, अंचल कर्मी मंटून कुमार, विकास मित्र रंजित कुमार आदि मौजूद थे

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम समारोह आयोजित

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: राष्ट्रीय सेवा योजना, महिला एवं बाल निगम तथा प्रथम संस्था के संयुक्त तत्वावधान में राम सेवक सिंह महिला कॉलेज, के प्रांगण में "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डॉ. रेणु ठाकुर ने की। कार्यक्रम के पहले दिन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता पर अपनी रचनात्मकता प्रस्तुत की। वहीं, दूसरे दिन आत्मरक्षा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें मुनेन्द्र कुमार, तायक्वोंडो अकादमी, सीतामढ़ी द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण गुर सिखाए गए। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं

को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना था। एनएसएस के प्रोग्राम पदाधिकारी प्रो. आरती पाण्डेय ने बताया महिला दिवस केवल महिलाओं के अधिकारों और उपलब्धियों का जश्न मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह उनके कर्तव्यों और समाज व देश के प्रति जिम्मेदारियों को समझने का भी समय है। उन्होंने बताया देशहित में महिलाएं जिस भी क्षेत्र में काम कर रही हैं, उसमें पूरी ईमानदारी और मेहनत से योगदान दें। परिवार में नैतिक मूल्यों और संस्कारों को बढ़ावा दें। स्वयं शिक्षित बनें और दूसरों को भी शिक्षा के प्रति जागरूक करें। बेटा-बेटी में समानता का व्यवहार करें और लैंगिक भेदभाव को खत्म करने में योगदान दें। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को सकारात्मक रूप में आगे बढ़ाएं बच्चों और युवाओं को नैतिक मूल्यों की शिक्षा दें। डीपीएम एजाजूल अंसारी ने बताया महिलाएँ समाज की रीढ़ होती हैं, और जब वे अपने कर्तव्यों को समझकर आगे बढ़ती हैं, तो न केवल उनका खुद का विकास होता है, बल्कि पूरा देश मजबूत और आत्मनिर्भर बनता है। इस कार्यक्रम के तहत छात्राओं और महिलाओं को आत्मरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे वे आत्मरक्षा के विभिन्न तकनीकों को सीख सकें। कार्यक्रम में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य अतिथियों ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए और उन्हें शिक्षा एवं स्वावलंबन के महत्व को समझाया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था।

महिला दिवस के अवसर पर मंडल रेल में महिलाओं की शानदार भागीदारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

समस्तीपुर, 08 मार्च 2025: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज समस्तीपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कई महत्वपूर्ण कार्यों का संचालन महिला कर्मियों द्वारा किया गया। इस विशेष अवसर पर महिलाओं की भूमिका को प्रोत्साहित करने और उनकी कार्यक्षमता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से समस्तीपुर स्टेशन सहित कई अन्य स्टेशनों पर महिला कर्मियों ने विभिन्न जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।
इस क्रम में आज समस्तीपुर स्टेशन से प्रस्थान करने वाली गाड़ी संख्या 13226 का परिचालन महिला लोको पायलट कंचन कुमारी तथा सहायक लोको पायलट अर्चना रानी एवं महिला गार्ड द्वारा किया गया, जिससे यह यात्रा महिला सशक्तिकरण का एक प्रतीक बनी। इस ट्रेन में टिकट जांच का कार्य भी एक महिला टीटीई सरिता कुमारी द्वारा किया

गया, जो रेलवे में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दशार्ता है।
इसके अतिरिक्त, मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर महिला टिकट जांच कर्मियों ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए यात्रियों के टिकटों की जांच की। वहीं, रिजर्वेशन काउंटर और सामान्य टिकट काउंटर तथा पूछताछ काउंटर पर भी महिलाओं ने कार्य किया, जिससे इस विशेष दिन पर रेलवे की सेवाओं में महिलाओं की उल्लेखनीय भूमिका को और अधिक सशक्त किया गया।महिला सुरक्षा के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को सशक्त करते हुए, रेल सुरक्षा बल (फ्ढत्र्) की महिला पुलिस कर्मियों ने समस्तीपुर स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और महिला यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
रेलवे में महिलाओं की इस उत्कृष्ट भागीदारी को सराहते हुए मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव ने कहा कि "यह न केवल महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पूरी दक्षता और समर्पण के साथ कार्य कर सकती हैं। रेलवे प्रशासन भविष्य में भी महिलाओं को और अधिक अवसर प्रदान करने और उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है"।
इसी क्रम में दिनांक 09.03.2025 को महिलाओं के लिए एक फिल्म शो का आयोजन किया जाएगा।
इसके साथ ही दिनांक 12.03.2025 को ललित कला केंद्र, समस्तीपुर में एक सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। इस सेमिनार में मंडल में कार्यरत सभी महिलायें सम्मिलित होंगी।

बिजली चोरी करने के मामले में एफआईआर दर्ज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बिजली विभाग की टीम ने नगर निगम (सारी) वार्ड संख्या 14 में गलत तरीका से बिजली चोरी कर रहे एक उपभोक्ता पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। जेई अविनाश कुमार सिंह ने दर्ज प्राथमिकी में कहा है कि बिजली चोरी करने मामले में छापेमारी दल का गठन किया गया था। जिसमें मेरे अतिरिक्त पिंटू कुमार, शाहिद हुसैन व मानव बल कृष्ण कुमार साह के साथ जब सारी मोहल्ला स्थित गीता देवी के घरेलू परिसर में पहुँचे तो देखा कि अवैध तरीका से विधुत ऊर्जा की चोरी किया जा रहा था, जिससे नॉर्थ बिहार कम्पनी को 10 हजार 257 रुपए का राजस्व की क्षति हुआ है। इधर मथुरापुर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने नगर भवन,

मधुबनी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी : – जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने नगर भवन, मधुबनी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया ।अपने संबोधन में सामाजिक कुरीतियों की चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बाल विवाह, भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा जैसी कुप्रथा ने समाज में महिलाओं के स्थान को कमजोर किया है ।उन्होंने कहा कि हालांकि इसके विरोध में कई सामाजिक सुधार * आंदोलन हुए और सरकार की ओर से इसके लिए न सिर्फ कानून बनाए गए बल्कि लगातार जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है,परन्तु इन सामाजिक कुरीतियों को जड़ से समाप्त करने के लिए सभी की सहभागिता अत्यंत जरूरी है। महिला दिवस के आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा इसका मकसद लोगों को जागरूक करना और जेंडर समानता के प्रति संवेदनशील बनाना है। उन्होंने कहा कि एक दिन ऐसा आएगा जब लैंगिक समानता का लक्ष्य पूरा हो जाएगा और फिर किसी भी प्रकार के महिला महोत्सव मनाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि ऐसा देखा जाता है लिंग परीक्षण करवाने में पुरुषों के साथ-साथ परिवार की महिलाएं भी शामिल होती हैं। यदि गर्भिणी माता इसका विरोध करें तो निश्चय ही लिंग परीक्षण पर रोक लगाई जा सकती है। इससे भ्रूण हत्या को रोका जा सकता है। आज बेटे की ललक के कारण बेटियों को कमतर आंका जाता है। दहेज प्रथा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आज लड़कियां दहेज प्रथा के विरोध में विवाह करने से इंकार कर रही हैं। हम पाते हैं कि पहले बिना दहेज की शादी करने पर लोग लड़के के बारे में तरह-तरह की बातें करने लगते थे कि ऐसी कौन सी बात है, जो लड़के को दहेज नहीं मिल सका। परंतु, आज स्थितियां बदल रही हैं। बेटियों के जन्म के साथ ही उनकी शादी की चिंता छोड़ कर उनकी पढ़ाई लिखाई और व्यक्तित्व के विकास पर जोर देना चाहिए ।उन्होंने कहा कि समाज में उत्पन्न स्वतःस्फुर्त चेतना के दम पर एक दिन महिलाओं के हितों की रक्षा की बात करने वाले दिवस मनाए जाने की जरुरत ही नहीं पड़ेगी ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा महिला हितों की रक्षा को लेकर जिले के सभी थानों में बनाए गए महिला हेल्प डेस्क, डायल 112, पुलिस बल में महिला पुलिस की भूमिका आदि पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। उन्होंने महिला महोत्सव की उपादेयता पर समझ विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके पूर्व पुलिस उपाधीक्षक रश्मि ने सरकार की महिला सशक्तिकरण योजनाओं पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि आज हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है ।महिला महोत्सव के अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। सेवानिधि फाउंडेशन मधुबनी की निधि राज,शिवगंगा बालिका उच्च विद्यालय मधुबनी की श्रुति कुमारी, महिला विकास मंच मधुबनी की दीप शिखा, सखी बहन मैथिली महिला संगठन की किया मिश्रा को सम्मानित किया गया वहीं तीन महिलाओं को विशिष्ट पुरस्कार भी दिया गया। शिवगंगा की बच्चियों को नायिका पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिन्होंने स्कूल ड्रॉप आउट के क्षेत्र में काम किया है ।इसके अतिरिक्त सभी सीडीपीओ को पोषण ट्रैक में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए भी सम्मानित किया गया। सभी परियोजना अंतर्गत दो प्रवेक्षिका, दो सेविकाओं तथा दो सहायिका को भी पुरस्कृत किया गया। जिलाधिकारी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत पौधारोपण अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया गया।

होली, रमजान माह ,एवं ईद पर्व को लेकर शांतिपूर्ण एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण मनाने एवं इस अवसर पर विधि व्यवस्था के संधारण को लेकर शांति समिति की बैठक

प्रखण्ड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी में होली, रमजान माह,एवं ईद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण मनाने एवं इस अवसर पर विधि व्यवस्था के संधारण को लेकर हेतु जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई आयोजित

मधुबनीः 08मार्च आगामी होली, रमजान माह एवं ईद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक समाहरणालय सभा कक्ष में आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि होली, रमजान एवं ईद जैसे पर्व सामाजिक समरसता और एकता के प्रतीक हैं, अतः इन्हें शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन इस अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण को लेकर पूरी तरह से सजग है। जिले के सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तेजतर्रार दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। सभी प्रखंडों के वरीय अधिकारी अपने अपने प्रखंड का नियमित रूप से भ्रमण कर विधि व्यवस्था का जायजा लेंगे। उन्होंने कहा कि वे स्वयं पुलिस अधीक्षक के साथ भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर रखेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है तथा किसी भी प्रकार के अफवाह फैलाने वाली झूठी एवं भ्रामक खबरों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि तेजगति से बाइक चलाने वाले बाइकर्स पर भी नकेल कसी जाएगी ।उन्होंने कहा कि डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध है ।इसके दुष्प्रभाव को लेकर सामाजिक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने हेतु उपस्थित शांति समिति के सदस्यों से अपील भी किया ।उन्होंने शांति समिति के सदस्यों द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों के लिए उनका धन्यवाद भी दिया और कहा कि प्रशासन सभी त्योहारों को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह सतर्क एवं तत्पर है।

पुलिस अधीक्षक ने बैठक में जानकारी दी कि होली एवं अन्य आगामी पर्वों को लेकर प्रशासन पूरी तरह गंभीर है। सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किए जाएंगे।। असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जा रही है और शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लगभग 3000 लोगों पर धारा 107 के तहत करवाई की जा रही है,साथ ही सीसीए 3 तहत भी कुछ लोगों पर करवाई की गई है। उन्होंने कहा कि डीजे पर जीरो टॉलरेंस की नीति रहेगी और उल्लंघनकर्ता पर कड़ी करवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शराब एवं अन्य नशा खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया जाएगा। इसके पूर्व शांति समिति के सभी सदस्यों ने बारी बारी से अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे। सभी ने एक स्वर में कहा मधुबनी जिले की गंगा जमुनी तहजीब की प्रशंसा करते हुए कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी होली,ईद आदि पर्व शांति एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा। सभी सदस्यों ने जिले में विभिन्न पर्व त्योहारों के अवसर पर जिला प्रशासन की तत्परता एवं सजगता को लेकर प्रशंसा करते हुए धन्यवाद भी दिया।

उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार,प्रभारी डीडीसी नीरज कुमार, डिप्टी मेयर नगर निगम,मधुबनी मो० अमानुल्लाह,नगर आयुक्त अनिल चौधरी,एडीएम आपदा संतोष कुमार,डीपीआरओ परिमल कुमार,सभी एसडीपीओ, राजीव कुमार,एसडीओ, डिप्टी मेयर अमानुल्लाह खान , अन्य पदाधिकारी गण सभी शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

सारण पुलिस की नई पहलः थाना प्रभारी सहित वरीय अधिकारियों द्वारा नजदीकी सरकारी स्कूलों में भ्रमण,

संवेदीकरण और संभावित अपराधों से बचने के लिए वार्ता कार्यक्रम

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देश पर डल्लङ्क्ष्द ङ्क्ष४१ ढङ्क्ष्ी प्रोग्राम के तहत दिनांक-08.03.25 को गांधी स्मारक उच्च विद्यालय, कोपा के बच्चों के बीच जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान बिहार पुलिस के द्वारा महिलाओं को लेकर चलाए जा रहे अभियान से उन्हें अवगत कराया। महिलाओं के लिए प्रत्येक थाना में महिला हेल्पडेस्क, डायल 112 के द्वारा महिलाओं के यात्रा के दौरान नियमित अंतराल पर सुरक्षा का जायजा जैसे महत्वपूर्ण अभियान के बारे में समझाया गया कि कैसे वो लोग इसका इस्तेमाल करेंगे। इस दौरान महिलाओं के साथ घटित होने वाली घटनायें जैसे घरेलू हिंसा, दहेज माँग, मानसिक प्रताड़ना, शारीरिक प्रताड़ना, छेड़-छाड़ इत्यादि के संबंध में सहायता हेतू नारी सशक्तिकरण को समर्पित, सारण पुलिस की खास पहल आवाज दो कार्यक्रम के बारे में भी उपस्थित छात्र एवं छात्राओं को बताया गया है। कुछ दिन पूर्व पुलिस अधीक्षक महोदय सारण के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से अभिभावकों को महिला सुरक्षा के संबंध में दिए संदेशों से रूबरू कराया गया। सभी छात्रों के द्वारा आस पास के लोगों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया गया। इस दौरान उनका मनोबल बनाए रखने के लिए क्विज आयोजन कर उनकी ड्रीम शेपिंग करा कर उन्हे पुरस्कृत भी किया गया ।सभी को उनके भविष्य के लिए अशेष शुभकामनाएं। जन विश्वास, संकल्प हमारा...

एक दिवसीय दौरे पर सारण पहुंचे प्रशांत किशोर, जनसभा में बोले - लालू-नीतीश ने जनता को 'जात' में और मोदी ने 'भात' में उलझा कर रख दिया है,

अपने बच्चों के बेहतर के लिए जन सुराज को मौका दीजिए

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

छपरा,सारणः जन सुराज उदघोष यात्रा के तहत पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर एक दिवसीय दौरे पर सारण पहुंचे जहां भारी संख्या में लोगों ने उनका स्वागत किया और मढ़ौरा में जनसभा को संबोधित भी किया। उन्होंने बिहार की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर हमला बोलते हुए कहा कि लालू और नीतीश ने 35 वर्षों से जनता को जात-पात में उलझाकर रखा है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 किलो अनाज देकर वोट बटोर रहे हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि जब तक बिहार के लोग अपने असली मुद्दों–शिक्षा और रोजगार पर ध्यान नहीं देंगे, तब तक हालात नहीं बदलेंगे। उन्होंने कहा कि जिसे भी वोट दें, लेकिन यह सोचकर दें कि आपके बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

ढङ का पीएम मोदी पर तंज, बोले - आपने गुजरात के विकास की कहानी सुनकर मोदी जी को वोट दिया है, इसलिए आपके बच्चे गुजरात जाकर मजदूरी कर रहे है और वहां विकास हो रहा है

प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार की जनता ने गुजरात के विकास की कहानी सुनकर मोदी जी को वोट दे दिया, लेकिन नतीजा यह हुआ कि उनके बच्चे अब गुजरात में मजदूरी कर रहे हैं और वहां विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि जिसके नाम पर वोट दिया वहां वह सभी काम हो रहें, अपने बच्चों के भविष्य केलिए अपने कभी सोचा ही नहीं तो फिर आपका भविष्य कैसे सुधरेगा।

पीके ने कहा मढ़ौरा की चीनी मिल बंद पड़ी हुई है, लेकिन जाति के नाम पर सालों से विधायक जीत रहे हैं

पीके ने मढ़ौरा की चीनी मिल का भी जिक्र करते हुए कहा कि यह सालों से बंद है, लेकिन विधायक लगातार जीतते आ रहे हैं क्योंकि लोग सिर्फ जाति के नाम पर वोट डालते हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे वोट डालने से पहले अपने बच्चों के भविष्य के बारे में सोचें।

राजद शिक्षक प्रकोष्ठ मधुबनी के द्वारएक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर दी होली की बधाई दी.

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

राजद शिक्षक प्रकोष्ठ मधुबनी के द्वारा जिला अध्यक्ष शंभु प्रसाद यादव के अध्यक्षता एवं संगठन प्रभारी सह प्रदेश अध्यक्ष कुमर राय, जिला अध्यक्ष सह पूर्व विधायक रामाशीष यादव, युवा नेता आरिफ जिलानी अम्बर, राजकुमार यादव, राजेंद्र जहां लोगों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर दी होली की बधाई दी.

राजद शिक्षक प्रकोष्ठ मधुबनी के द्वारा जिला अध्यक्ष शंभु प्रसाद यादव के अध्यक्षता एवं संगठन प्रभारी सह प्रदेश अध्यक्ष कुमर राय, जिला अध्यक्ष सह पूर्व विधायक रामाशीष यादव, युवा नेता आरिफ जिलानी अम्बर, राजकुमार यादव, राजेंद्र यादव , आसिफ अहमद जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय, नगर अध्यक्ष पप्पू कुमार यादव,सहित कई गणमान्य लोगों के उपस्थिति में जिला कार्यालय कीर्तन भवन रोड मधुबनी के प्रांगण में होली मिलन समारोह का आयोजन में किया गया, जहां लोगों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी.

इस मौके शंभु प्रसाद यादव ने कहा कि होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है, इस दौरान स्थानीय लोग के साथ साथ जिला के सभी प्रखंडों से लोग शामिल हुए है. जहां लोगों ने एक-दूसरे को अबीर गुलाल लगाया है. होली पर्व शांति और प्यार का प्रतीक है. इसी कामना के साथ लोग इस तरह का आयोजन करते हैं.

प्रदेश अध्यक्ष कुमर राय ने कहा कि होली के मौके पर हम लोगों को बधाई भी देते हैं और साथ ही यह उम्मीद करते हैं कि एक-दूसरे के साथ शांतिपूर्ण वातावरण में होली पर्व को मनाएंगे. खासकर होलिका दहन के दिन हर तरह के जलन, ईष्या को जलाकर लोग नए साल के सम्मत की शुरूआत करते हैं. जो लोग भी आज के कार्यक्रम में शामिल हुए हैं. उन्हें हम धन्यवाद देते है.इस मौके पर राजद के संजय कुमार यादव, लालू यादव,अजितनाथ यादव, सुमन यादव, पंकज यादव, संजय यादव,वीरेंद्र यादव, जय कुमार, प्रो.इस्तियाक अहमद, सुबेश्वर यादव, अशोक कुमार, ओम यादव, नागेंद्र कुमार, धर्मेंद्र कुमार, वीरेंद्र प्रसाद यादव ,मिश्रीलाल यादव,सहित कई लोग उपस्थित थे.

सारण जिला वैश्य महासभा छपरा सारण ट्रस्ट रजि? का होली मिलन समारोह सह सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सारण जिला वैश्य महासभा छपरा सारण ट्रस्ट रजि? का होली मिलन समारोह सह सम्मान समारोह का आयोजन नूतन पैलेस में आयोजित हुआ। जिसमें वैश्य समाज के 56 उपजातियों का समावेश हुआ। होली मिलन समारोह का उद्घाटन शत्रुघ्न प्रसाद गुप्त, गंगोत्री प्रसाद, श्याम बिहारी अग्रवाल, राजेश फैशन, धर्मेन्द्र साह, प्रदीप कुमार गुप्ता, वरूण प्रकाश, अमित कुमार गुप्ता, मनोज कुमार गुप्ता, भगवती प्रसाद जगाती ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।

शत्रुघ्न प्रसाद गुप्त ने कहा होली का यह त्योहार हमें जीवन में रंगों की महत्ता को समझाता है। जैसे रंग हमारे जीवन को रंगीन बनाते हैं, वैसे ही हमारे रिश्ते और प्यार भी हमारे जीवन को सुंदर बनाते हैं।

श्याम बिहारी अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा होली का यह त्योहार हमें अपने रिश्तों को मजबूत करने का अवसर देता है। यह हमें अपने दोस्तों, परिवार और समाज के साथ जुड़ने का मौका देता है। हमें अपने रिश्तों को निभाने के लिए समय देना चाहिए और उन्हें मजबूत बनाने के लिए काम करना चाहिए।

राजेश फैशन ने कहा हम सब मिलकर इस होली के त्योहार को मनाएं और अपने रिश्तों को और मजबूत बनाएं। हम सब एक दूसरे के साथ प्यार, स्नेह और सहयोग के साथ रहें। हम सब अपने जीवन में रंगों की महत्ता को समझें और अपने जीवन को रंगीन बनाएं।

धर्मेन्द्र साह ने कहा हम सब इस त्योहार को खुशियों और उत्साह के साथ मनाएं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शत्रुघ्न प्रसाद गुप्त ने किया ।कार्यक्रम का संचालन श्याम बिहारी अग्रवाल ने किया। स्वागत प्रदीप कुमार गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन राजेश फैशन ने किया। बनारस से आएँ कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुती दीं। राधा-कृष्ण की रास तथा देवो के देव महादेव ने मसाने की होली तथा अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को झुमने पर मजबूर कर दिया।

होली मिलन समारोह में वैश्य समाज के प्रबुद्ध डॉ सीएन गुप्ता विधायक, लक्ष्मी नारायण गुप्ता मेयर, चान्दनी प्रकाश, राखी गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्त, योगेन्द्र प्रसाद, शत्रुघ्न प्रसाद गुप्त, गंगोत्री प्रसाद, धर्मनाथ पिन्टु, अरुण कुमार ब्याहुत, राजा राम प्रसाद, कैलाश पति प्रसाद, भगवती प्रसाद जगाती, धर्मनाथ प्रसाद, धर्मेन्द्र साह, प्रदीप कुमार गुप्ता, श्याम बिहारी अग्रवाल, राजेश फैशन, मनोज कुमार गुप्ता, अमित कुमार सीए, प्रभु जी अग्रहरी, राजू ब्याहुत, राजेश कुमार, वरूण प्रकाश, ओमप्रकाश स्वर्णकार, गणेश गोकुल, संतोष कुमार डीओ, संतोष कुमार ब्याहुत, चन्दन कुमार सोनी, सुमित कुमार गुप्ता, कृष्ण प्रसाद शर्मा आदि को सम्मानित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला पदाधिकारी के द्वारा 20 लाभुकों के बीच मत्स्य विपणन किट का वितरण किया गया

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

छपराः मछली बेचने के दौरान स्वच्छता का ख्याल रखते हुए सरकार द्वारा यह योजना चलाई जा रही है जिसमें अति पिछड़ा एवं अनुसूचित जाति के लोग, जो मछली बेचने का काम करते हैं, उन्हें ही यह लाभ दिया जाएगा।

मत्स्य विपणन किट का वितरण इसुआपुर , पानापुर, बनियापुर, तरैया से चयनित लाभुकों के बीच किया गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी कहा कि सरकार के द्वारा चलाई गई यह योजना स्वच्छ एवं स्वास्थ्यवर्धक मछलियों को उपभोक्ताओं के बीच पहुंचाने में कारगर सिद्ध होगा। जिले में मछली का उत्पादन जितनी तेजी से हो रहा है उसके लिए बाजार का होना आवश्यक है। सरकार इसके लिए लगातार प्रयत्नशील है क इस अवसर पर श्री सुमन कुमार, ऊप मत्स्य निदेशक,श्री प्रदीप कुमार जिला मत्स्य पदाधिकारी, श्री नरेंद्र कुमार, श्रीमती अमृता रंजन, श्रीमती आस्था मिश्रा, श्रीमती चंचला ,श्री अख्तर हुसैन, श्री राजू कुमार,मत्स्य विकास पदाधिकारी, मत्स्य जीवी सहयोग समिति के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन प्रेक्षा गृह, सारण में किया गया

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

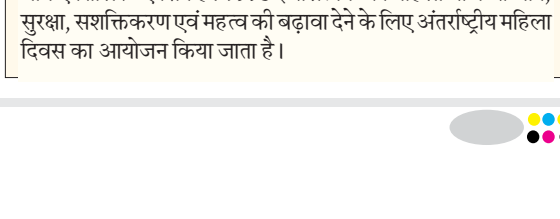

छपरा : 08.03.2025 को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत अंतराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन प्रेक्षा गृह, सारण में किया गया। शकील हैदर, वरिष्ठ संवाददाता, छपरा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त श्री यतेंद्र कुमार पाल एवं मुख्य अतिथि स्वाति मिश्रा, अतिथि तैयबा अफरोज, सुलेखा देवी एवं इंद्राशनी देवी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर स्वाति मिश्रा एवं तैयबा अफरोज पायलट के द्वारा उपस्थित महिलाओं को संबोधित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला स्तर के सभी महिला पदाधिकारी रश्मि कुमारी, रउ्ठ, जेबा अर्शी, प्रभारी पदाधिकारी जिला सामान्य शाखा, शोभा कुमारी, जिला नियोजन पदाधिकारी, विभा भारती, कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, डॉ. नेहा कुमारी, डॉ. सरिता कुमारी, चिकित्सा पदाधिकारी एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारियो को सॉल तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया,जिसमें महिला पर्यवेक्षिका एवं आंगनबाड़ी सेविका सहायिका विद्यालय की शिक्षिकाएं उपस्थित थी। जिन्हें टलूट किट प्रदान किया गया ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रोग्राम पदाधिकारी श्रीमती अनुपमा कुमारी ने कहा कि इस वर्ष का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का थीम एक्सीलेरेट एक्शन है। 1975 ई से प्रत्येक वर्ष महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं महत्व की बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'महिला सम्मान' कार्यक्रम आयोजित

किसी भी सफलता के पीछे एक नारी की ताकत : डॉ. दिलीप जायसवाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- नारी घर की रौनक है और दुनिया की रोशनी : डॉ. दिलीप जायसवाल
- आधी आबादी में समाज सृजन करने की शक्ति : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने दिया भरोसा, संगठन और सरकार में आधी आबादी की सहभागिता होगी
- आज जिस तरह महिलाओं को आगे लाने का काम किया जा रहा है, वह ऐतिहासिक : सम्राट चौधरी
- महिलाओं का सम्मान और उसका उत्थान हमारी प्राथमिकता : विजय सिन्हा

पटना, 8 मार्च। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस वाक्य पर कभी प्रश्नचिन्ह नहीं लगाया जा सकता है कि किसी भी व्यक्ति की सफलता के पीछे एक नारी की ताकत होती है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई और शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि 1975 से हम सभी प्रत्येक आठ मार्च को महिला दिवस मनाते हैं। आज का दिन नारी के अंदर विश्वास, खुशी और अपने सपनों को साकार करने का उत्सव मनाने का दिन है।

भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि नारी नारायणी भी है तो रणचंडी भी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आधी आबादी की सहभागिता की चिंता समाज को करना आवश्यक है। जब भी महिलाओं को मौका मिला, दुनियाभर में ही नहीं, इससे आगे भी परचम लहराने का काम किया। सही अर्थों में उन्हें रोक पाने की शक्ति किसी में नहीं है। महिलाएं अगर भविष्य गढ़ती हैं तो हर चुनौती को स्वीकार भी करती हैं। राजनीति में हम सभी की यह जिम्मेदारी है कि आधी आबादी की सहभागिता बढ़े।

उन्होंने उपस्थित महिलाओं को भरोसा देते हुए कहा कि सरकार और संगठन में आधी आबादी की सहभागिता बढ़ाई जाएगी। इसकी शुरूआत तो कहीं न कहीं से करनी होगी। उन्होंने रोगी कल्याण समिति और 20 सूत्री समिति में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने की बात कही।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को आरक्षण देकर राजनीति में हिस्सेदारी की शुरूआत कर दी है, तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कार्यपालिका में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ा दी है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि आज गौरव का दिन है। पूरे दुनिया में आज अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जा रहा है। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार महिलाएं आगे की ओर बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह महिलाओं को आगे लाने का काम किया जा रहा है, वह ऐतिहासिक है।

उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आज कई लोग कहते हैं हमारा सपना है, हमारे पिताजी का सपना था, मेरे पति का सपना था, लेकिन उस सपने को साकार यदि किसी ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर किया, तो वह नरेंद्र मोदी की सरकार है।

उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी महिलाएं ही उठाती रही हैं। बिहार की धरती को मातृशक्ति की धरती बताते हुए कहा कि जब तक आधी आबादी जागेगी नहीं, तब तक पूरा अधिकार नहीं मिलेगा। महिलाओं का सम्मान और उसका उत्थान हमारी प्राथमिकता है और यही भाजपा को अन्य दलों से अलग करता है।

उन्होंने कहा कि चाहे नारी शक्ति वंदन अधिनियम हो या ड्रोन दीदी योजना हो, उज्जवला योजना हो, सभी का लक्ष्य महिला सशक्तिकरण है। आज महिलाओं को फिर से उस संचार में हम अग्रणी बनाना चाहते हैं, जो इस देश को विश्वगुरु बनाएगा।

महिला मोर्चा की अध्यक्ष सह सांसद धर्मशीला गुप्ता ने मंच संचालन किया। इस मौके पर मंत्री मंगल पांडेय और नीतीश मिश्रा ने भी लोगों को संबोधित किया।

बॉबी के निवास स्थान पर अफ़्तार पार्टी का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शहर के धर्मपुर स्थित जदयू नेता तारिक रहमान उर्फ बॉबी के निवास स्थान पर दावत - ए - अफतार पार्टी का आयोजन किया गया। दावत - ए - अफ्तार पार्टी में जिले के जाने पहचाने पत्रकारों ने शिरकत की। इधर पूछे जाने पर जदयू नेता तारिक रहमान उर्फ बॉबी ने बताया कि इस समय माहे बरकत का महीना चल रहा है। इसी को लेकर अफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। शिरकत करने वाले लोगों ने अफतार पार्टी के बाद देश में अमन व शांति के लिए दुआ की। अफ्तार पार्टी के मौके पर जदयू नेता तारिक रहमान उर्फ बॉबी के अलावा, शारिक रहमान लवली, अतिकुर रहमान, फैसल अहमद, बनारसी ठाकुर, आदिल रहमान खां, पत्रकारों में एस एम जमील, तनवीर आलम तनहा, ओम प्रकाश चुनचुन, एम नईमुद्दीन आजाद, बिस्मिल आरिफी, मो सरफराज फाजिलपुरी, जहांगीर आलम, मो जमशेद, हसीब अहमद, कैसर खां, शाहील सफीक, मो चांद बाबू आदि मौजूद थे।

रामदयाल चौक से एनएच को जोड़ने वाला रोड जर्जर, कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है,

सड़क निर्माण कराने की मांग : उप चेयर मैन ने की

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। ताजपुर नगर परिषद क्षेत्र के एसएच 49 ताजपुर - समस्तीपुर पथ स्थित वार्ड संख्या 17 रामदयाल चौक से एनएच 28 मुसरीघरारी - मुजफ्फरपुर पथ के मोतीपुर सब्जी मंडी के पास जोड़ने वाली जर्जर सड़क के निर्माण को लेकर उप चेयरमैन पूनम देवी ने ग्रामीण कार्य विभाग सह प्रभारी मंत्री अशोक चौधरी को लिखित आवेदन देकर शीघ्र ही सड़क निर्माण कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि समस्तीपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत रामदयाल चौक से एनएच 28 मोतीपुर को जोड़ने वाली सड़क पर रामदयाल चौक समेत कई स्थानों पर बड़ा बड़ा गड्ढा बना हुआ है। इसके कारण राहगीरों को आने जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। ताजपुर बाजार क्षेत्र में बड़े वाहन का प्रवेश वर्जित होने के कारण तमाम मालवाहक वाहन उक्त रास्ते से होकर एनएच 28 पर पहुंचती है। रामदयाल चौक पर बने हुए बड़े गड्ढे के कारण किसी भी समय बड़ी हादसा होने की आशंका बनी रहती है। इस जर्जर सड़क से सटे उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय मोतीपुर पूर्वी अवस्थित है। सड़क पर बड़े स्कूली बड़े गड्ढे होने के कारण छात्र - छात्राओं समेत आमलोगों को सड़क पर पैदल चलना मुश्किल है। बताते चले कि एनएच 28 किनारे मोतीपुर सब्जी मंडी होने के कारण किसान को अपने उत्पाद को सब्जी मंडी तक ले जाने के लिए उक्त जर्जर सड़क से गुजरना पड़ता है। ताजपुर प्रखंडके भेरोखरा, रजवा, रहीमाबाद, अधारपुर समेत निकटवर्ती प्रखंड पूसा एवं समस्तीपुर के कई गांव के सब्जी उत्पादक किसान सब्जी मंडी जाने के लिए उक्त मार्ग का उपयोग करते हैं। साथ ही फतेहपुर, मोरवा, चक मधौल आदि गांव के सैकड़ों लोग बाजार आने के लिए इस मार्ग का उपयोग करते हैं। इस दौरान कई बार बाइक पर लदे हुए सब्जी के साथ बाइक एवं साइकिल सवार दुर्घटना का शिकार होकर चोटिल हो चुका है जिसके कारण स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं विभाग के उदासीनता के कारण सड़क की स्थिति जर्जर बनी हुई है। इतना ही नहीं कपूरी ग्राम में रैक प्वाइंट होने से हाई ट्रैफिक के कारण उक्त मार्ग से बड़े - बड़े मालवाहक ट्रक गुजरते हैं जिससे सड़क की स्थिति जर्जर हो गई है।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शनिवार को श्रीमती शांभवी चौधरी सांसद समस्तीपुर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक समाहरणालय कक्ष में जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति के नेतृत्व में बैठक संपन्न हुआ। उक्त बैठक में सांसद द्वारा सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने, सड़क पर यातायात संबंधी चिन्ह को लगाने हेतु संबंधित एजेंसी अथवा विभाग के पदाधिकारी को दिशा निर्देश दिया गया। यातायात नियमों का अनुपालन हेतु सघन जांच अभियान करने, शिक्षा विभाग के माध्यम से स्कूली बच्चों को जागरूक करने का भी निर्देश दिया गया। वर्तमान में समस्तीपुर जिला अंतर्गत 380 हिट एंड रन के मामले में मुआवजा भुगतान हेतु कुल 257 आवेदन सामान्य बीमा परिषद, मुंबई को जिला पदाधिकारी के स्तर से भेजा जा चुका है। उक्त बैठक का संचालन जिला परिवहन पदाधिकारी - सदस्य - सचिव जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा किया गया। संबंधित बैठक में जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी सहित अपर जिला परिवहन पदाधिकारी सभी मोटरयान निरीक्षक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक एवं मोटर वाहन संघ के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम, छात्राओं ने पेश की झांकियां

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर ब्लॉक वारिसनगर स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय रोहुआ पश्चिमी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम हुआ। इस साल का थीम कार्रवाई में तेजी लाना रहा। विद्यालय के प्रधानाध्यापक देवेंद्र पासवान ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। शिक्षिका जानवी सिंह और दिक्षा कुमारी ने मंच संचालन किया। शिक्षकों ने अपने विचार साझा किए। छात्राओं ने रंगीन झांकियां पेश की। नेहा कुमारी, स्नेहा कुमारी, माही कुमारी और स्वेता कुमारी ने रानी लक्ष्मीबाई, डॉक्टर, टीचर, वकील और पायलट की झांकियां प्रस्तुत की। मौके पर शिक्षक हेमंत कुमार गुप्ता, जितेंद्र कुमार ठाकुर, रंजीत कुमार, निशांत कुमार, अनिल कुमार समेत कई शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

चिराग पासवान ने बीएल एग्रो के स्थापना दिवस पर बीएल कामधेनु डेयरी प्लांट का उद्घाटन किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज बरेली में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बीएल एग्रो के स्थापना दिवस पर बीएल कामधेनु डेयरी प्लांट का उद्घाटन किया। डेयरी प्रोसेसिंग को मजबूत करना, किसानों की आय बढ़ाना, खाद्य अपव्यय कम करने और उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी

आपसी रंजीश में बदमाशों ने युवक को गोली मारकर कर दी हत्या, जांच में जुटी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शहर के नगर थाना क्षेत्र के मगरदही केंद्रीय विद्यालय के पास शुक्रवार की देर संध्या लगभग 7 बजे बाइक सवार अपराधी ने आपसी विवाद को लेकर एक युवक को मारी गोली,जिसे आनन फानन में सदर अस्पताल लाया जा रहा था कि रस्ते में युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक युवक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जितवारपुर निजामत निवासी अशोक राय के पुत्र आयुष कुमार उर्फ छोटू के रूप में की गई है। इधर घटना की जानकारी मिलने पर नगर व मुफस्सिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और तहकीकात में जुट गई है।

देर संध्या लगभग 7 बजे बाइक सवार अपराधी ने आपसी विवाद को लेकर एक युवक को मारी गोली,जिसे आनन फानन में सदर अस्पताल लाया जा रहा था कि रस्ते में युवक ने दम तोड़ दिया

आर एल महतो बीएड कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सह सम्मान समारोह का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय के आर एल महतो इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें महाविद्यालय में कार्यरत मातृशक्तियों को शॉल, माला व लेखनी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस समारोह को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, क्षमतावर्धन, सुरक्षित वातावरण एवं रोजगार समुचित मात्रा में उपलब्ध कराना चाहिए। दहेज प्रथा, बल विवाह, यौन उत्पीड़न, कन्या भ्रूण हत्या आदि सामाजिक बुराई है। संकल्प लेकर इसे समाप्त करना होगा। वहीं डीएलएड विभागाध्यक्ष मो इमामुद्दीन ने कहा कि शिक्षा में स्त्रियों के बहुमूल्य प्रतिभाओं का विकास का अवसर उचित ढंग से मिलना चाहिए। किसी समाज या राष्ट्र को सुदृढ और उन्नत बनाने का

यही एक आधार है। व्याख्याता रूपम कुमारी ने कहा कि समाज में प्रत्येक स्त्री को शिक्षा के समान अवसर सुलभ होना चाहिए। जिससे वे अपनी प्रतिभा का विकास कर सके। स्त्रियों में अशिक्षा के कारण अनेक कुरीतियां जन्म ले रही है। इस अवसर पर महाविद्यालय के बीएड एवं डीएलएड के प्रशिक्षु शिक्षकों के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कवित्तोचारण में खुशी कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, रूपा कुमारी, भाषण में अपर्णा कुमारी, खुशी कुमारी, हिमांशु कुमार, क्विज में पल्लवी कुमारी, नाज प्रवीण, कोमल कुमारी एवं चित्रांकन में लक्ष्मी कुमारी, कनक लता व पल्लवी कुमारी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन सभी को मेडल व लेखनी के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सर्वेश सुमन के द्वारा किया गया। मौके पर नीलम कुमारी, प्राची अग्रवाल, पल्लव पारस, रूपक कौशल, अजय शर्मा, पंकज गुप्ता, संतोष सुमन, रश्मि रोजी, श्वेता कर्ण, किरण चौधरी, सिंटू देवी, सकुन्ती देवी, अनिता देवी, ममता देवी के अलावा प्रशिक्षु अध्यापकगण उपस्थित थे।

मैथिली साहित्य के यशस्वी कवि-साहित्यकार पं. चंद्रनाथ मिश्र अमर ने अपनी साहित्यिक कृतियों के माध्यम से क्षेत्रीय संस्कृति, सभ्यता, इतिहास, समकालीनता आदि को संजो कर रखा है

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

दरभंगा : मैथिली साहित्य के यशस्वी कवि-साहित्यकार पं. चंद्रनाथ मिश्र अमर ने अपनी साहित्यिक कृतियों के माध्यम से क्षेत्रीय संस्कृति, सभ्यता, इतिहास, समकालीनता आदि को संजो कर रखा है।साहित्य जिस सर्वसाधारण के इतिहास को अपने अंतःकरण में रखता है वह पं. अमर की रचनाओं में प्रत्यक्ष है। यह बात पूर्व प्रधानाचार्य, समाजशास्त्री एवं मैथिली के साहित्यसेवी प्रो. (डॉ.) विश्वनाथ झा ने कही। वे गुरुवार को स्थानीय सीएम कालेज के सभागार में मैथिली विभाग की ओर से आयोजित पं. चंद्रनाथ मिश्र अमर जन्मशताब्दी व्याख्यान के प्रथम आयोजन में मुख्यवक्ता पद से बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पं. अमर मूलतः कवि थे, लेकिन उन्होंने कथा, उपन्यास, नाटक आदि विभिन्न विधाओं में सफलतापूर्वक अपनी लेखनी चलाई। उनकी रचनाओं में काव्य तत्त्व नदी के जल के समान प्रवाहित होती रही हैं। डॉ. झा ने कहा कि पं. अमर की सांस-सांस में मिथिला और मैथिली विद्यमान रही है। उनके शब्द प्रयोग की प्रशंसा करते हुए डॉ. झा ने कहा की सभी को अगर एकत्र कर लिया जाए तो एक बहुमूल्य शब्दकोश तैयार किया जा सकता है। उनकी सत्यनिष्ठा, दृढ़ता, प्रत्युत्पन्नमतित्व, हास्यप्रियता आदि की विस्तार से चर्चा करते हुए डॉ. झा ने पं. अमर की कई रचनाएं भी सुनाईं जिनमें समाज और व्यवस्था पर तीखा व्यंग्य किया गया है।

मौके पर विशिष्ट वक्ता के रूप में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित डॉ. योगानंद झा ने कहा कि पं. अमर सरीखे साहित्यकारों के अवदान से ही मैथिली भाषा-साहित्य आज शीर्षस्थ है। उन्होंने कहा कि पं. अमर की रचनावली और उनके जीवन को देखने से पता चलता है की दोनों में ही सामानता है। जिन तथ्यों को उन्होंने साहित्य में रखा उसे जीवन में भी उतारा। डॉ. झा ने पं. अमर की सत्य, निष्ठा, अभिनय के साथ ही नवरत्न गोष्ठी, विद्यापति गोष्ठी आदि संस्थाओं के संस्थापन, व्यंग्य स्तंभ लेखन के साथ ही उनकी विभिन्न रचनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य डॉ. मुस्ताक अहमद ने कहा कि छात्रों के बौद्धिक एवं सर्वांगीण विकास की कड़ी में यह आयोजन महत्वपूर्ण है। दरभंगा का परिक्षेत्र भाषाओं को पल्लवित-पुष्पित करने का केंद्र अतीत से ही रहा है। सच पूछा जाए तो भारत मात्र खनिज संपदाओं हेतु ही नहीं भाषिक दृष्टिकोण से भी सोने की चिड़िया के रूप में ख्यात रहा है। क्षेत्रीय भाषाओं में स्थानीय माटी-पानी की आवाज होती है। किसी भी क्षेत्र के इतिहास को जानना-समझना हो, वहां की सांस्कृतिक और आर्थिक स्थितियों से अवगत होना हो तो निश्चित रूप से साहित्य का अध्ययन किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर चिंता जाहिर की की स्थानीय स्तर पर क्षेत्रीय भाषाओं से जनजुड़ाव का प्रतिशत काफी कम है। यही स्थिति राष्ट्रीय स्तर पर भी है, जबकि विश्व के विभिन्न देशों में यह काफी आगे है। पं. चंद्रनाथ मिश्र अमर जन्मशताब्दी व्याख्यान के आयोजन से इस दिशा में भी चिंतन और प्रयासों को अवसर प्राप्त होगा। यही पं. अमर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विभागाध्यक्ष डॉ. रागिनी रंजन ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि पं. अमर ने अपने नाम को सार्थक किया। वे आज भी हमारे बीच अपनी रचनाओं के माध्यम से विद्यमान हैं। उन्होंने मुख्य एवं विशिष्ट वक्ताओं के वक्तव्य का सार संक्षेप भी प्रस्तुत किया। प्राप्ति कुमारी, मानसी कुमारी एवं रोशन कुमार के मंगलाचरण से आरंभ कार्यक्रम में डॉ. सुरेंद्र भारद्वाज ने आयोजिकी रखते हुए पं. अमर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. अमलेन्दु शेखर पाठक ने कहा कि पं. अमर का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा है ।

बालू से लदी ट्रक अनियंत्रित होकर पेड़ पर गिरी बड़ा हादसा टला

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र से गुजरने वाली दरभंगा - समस्तीपुर मुख्य सड़क के डॉक्टर शालिग्राम मिश्र इंटर कॉलेज ध्रुवगामा के समीप अनियंत्रित होकर बालू से लड़े ट्रक पेड़ पर गिरी। हालांकि ट्रक का चालक व उपचालक दोनों को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि लखीसराय से बालू लेकर दरभंगा की ओर जा रही ट्रक पेड़ पर गिरी। सूचना पर पहुंची कल्याणपुर थाना की पुलिस ने अग्रतर कार्रवाई शुरू कर दी है।

तीरा पंचायत भवन पर राशन कार्ड से वंचित लोगों के लिए कैंप

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के तीरा जटमलपुर पंचायत भवन पर अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार के निर्देश पर शनिवार को राशन कार्ड से वंचित लोगों के लिए कैंप लगाई गई।इसको लेकर आरटीपीएस के कार्यपालक सहायक विनय कुमार ठाकुर ने पंचायत के विभिन्न वार्डों से आये एक दर्जन राशन कार्ड से वंचित लोगों का आवेदन लिया।सहयोग में पंचायत के कार्यपालक सहायक अमित कुमार आपूर्ति विभाग के नरेश कुमार मौजूद थे।पंचायत राज की मुखिया अर्चना कुमारी मुखिया प्रतिनिधि आशीष पटेल मौजूद

नेपाली रुपया के साथ 04 अभियुक्त को ललमनियां थाना क्षेत्र से किया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

संध्या में गुप्त सूचना के आधार पर मधुबनी जिला के ललमनियां थाना पुलिस एवं रइ 18वी0 वाहिनी लौकहा के संयुक्त छापामारी के दौरान एक दुकान से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली दवाई, 04 मोबाईल, 02 मोटरसाईकिल, 1,16,535 भारतीय एवं 25,285 नेपाली रुपया के साथ 04 अभियुक्त को ललमनियां थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पताःझ

1. पप्पु यादव, पे0झअजीत यादव, साकिनझघोरमोहना, थानाझललमनियां, जिलाझमधुबनी।
2. अशोक विराजी, पे0झरामसेवक विराजी, साकिनझकलापट्टी बरही, थानाझफुलपरास, जिलाझमधुबनी।
3. दिवाकर प्रसाद यादव, पे0झनरेंद्र कुमार, साकिनझबौरहा, थानाझलौकहा, जिलाझमधुबनी।
4. ऋषिकेश यादव, पे0झअशेसर यादव, साकिनझसखुवान करकही, सिरहा, नेपाल।

बरामदगीःझ

1. प्रतिबंधित दवाईःझ 69 सिरप, 489 टैबलेट, 25 इंजेक्शन।
2. मोटरसाईकिलझ02
3. मोबाईलझ04
4. भारतीय रुपयाझ1,16,535 रुपया
5. नेपाली रुपया झ25,285 रुपया

डीडीसी एवं सांसद ने प्रेमा देवी के कार्यों की खूब तारीफ की,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

- प्रेमा देवी को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

समस्तीपुर। शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय पूसा के विद्यापति सभागार में समस्तीपुर के सांसद श्रीमती शांभवी चौधरी एवं समस्तीपुर के उप विकास आयुक्त संदीप कुमार शेखर के द्वारा संयुक्त रूप से रोसड़ा प्रखंड के आदर्श ग्राम पंचायत राज मोतीपुर पंचायत के मुखिया श्रीमती प्रेमा देवी को पंचायत में किए गये विभिन्न क्षेत्रों में कार्य को लेकर प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रोसड़ा प्रखंड के आदर्श ग्राम पंचायत राज मोतीपुर के समस्त पंचायत वासियों का सम्मान है। इधर मुखिया प्रेमा देवी को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र मिलने पर मोतीपुर पंचायत में खूब चर्चा हो रही है।

दरभंगा:बिहार बजट के खिलाफ माले का राज्यव्यापी प्रतिवाद मार्च

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- भाकपा माले की ओर से बिहार बजट के खिलाफ प्रतिवाद मार्च निकाला गया और बजट की प्रतियां जलाई गई।साथ ही बिहार में ओपीएस लागू करने,सभीसंविदा,मानदेय, आउटसोर्सिंग' स्कीम कर्मियों के मानदेय में 53% वृद्धि करने व असंगठित मजदूरों को समग्र सामाजिक सुरक्षा देने की मांग उठाई गई।

राजव्यापी प्रतिवाद के तहत आज दरभंगा के कपूर्री चौक से नगर सचिव विनोद कुमार,कामेश्वर पासवान,साधना शर्मा,रंजन सिंह एवं धनराज साह के नेतृत्व में प्रतिवाद मार्च निकला जो बेंता चौक होते हुए पुनःकपूर्री चौक पर पहुंच कर सरकार के बजट का पुरजोर बिरोध करते हुए बजट के प्रति को जलाया गया।

मौके पर प्रतिवाद सभा को सम्बोधित करते हुए भाकपा (माले) पोलित ब्यूरो सदस्य सह खेग्रामस के राष्ट्रीय महासचिव धीरेन्द्र झा ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा पेश 2025 बजट अपने हक-अधिकार के लिए लड़ने वाले खासकर मानदेय में वृद्धि व सेवा नियमितिकरण, सरकारी कर्मियों को ओपीएस लागू करने,आशा-रसोइया,जीविका, ठीका मानदेय-आउटसोसिंग में कार्यरत कर्मियों सहित असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले कामगारों,निर्माण मजदूर,फुटपाथ दुकानदारों,माइक्रो फाइनेंस से जुड़ी महिलाओं की कर्ज माफी आदि जैसे प्रश्नों पर यह बजट मौन है।

आवासीय विद्यालय किशनगंज एवं दरभंगा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 13 तक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बिहार राज्य अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय किशनगंज एवं दरभंगा जिनकी आवसन क्षमता 560 छात्र - छात्राओं की है में नामांकन प्रारंभ है। आवेदन की अंतिम तिथि 13 मार्च 2025 निर्धारित है। ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है अथवा जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय समस्तीपुर से संपर्क स्थापित कर ऑफलाइन फार्म प्राप्त किया जा सकता है। उपरोक्त दोनों विद्यालयों में कक्षा 9 वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु आवेदन लिए जा रहे हैं। विदित हो कि प्रत्येक जिले में 560 बेड के अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय बनाये जाने हैं। समस्तीपुर जिला अंतर्गत भी इसके लिए भूमि चिन्हित कर लिया गया है। शीघ्र ही प्रस्ताव विभाग को भेजा जाएगा।

जीविका दीदियों के लिए खुला अधिकार केंद्र

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वारिसनगर प्रखंड कार्यालय परिसर मे जीविका दीदीयों के लिए दीदी अधिकार केंद्र का खोला गया।इसका विधिवत उदघाटन बीडीओ अजमल परवेज, प्रखंड परियोजना प्रबंधक जीविका सुशील कुमार मिश्र, बिंध्य कुमार झा, सैयद मो हसनैन, राकेश पासवान ने संयुक्त रूप से फिता काटकर किया। लोगो को संबोधित करते हुए बीपीएम सुशील कुमार मिश्र के द्वारा बताया गया की यह भवन महिला के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएगी। दीदीयो को परिवार एंव समाज से पीड़ित शोषित महिलाओं को कानूनी सहायता दिलाने में सहयोग करेगी। साथ ही दीदीयों को मुख्य धारा से जोड़ने का काम करेगी। मौके पर राकेश पासवान, स्वेता रंजन राय, नुतन कुमारी, मो इम्तयाज अहमद, अंजली कुमारी, कन्हैया चौधरी आदि

दरभंगा:डीएम ने बीईओ के रिक्त पदों पर की पर्यवेक्षकीय नियुक्ति

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- जिलाधिकारी राजीव रौशन ने जिलान्तर्गत प्रखंड शिक्षा अधिकारियों के रिक्त पदों पर प्रखंड में पदस्थापित पर्यवेक्षकीय स्तर के अधिकारी को प्रतिनियुक्त किया है।प्रतिनियुक्त अधिकारी अपने कार्यों के अतिरिक्त प्रखंड शिक्षा अधिकारी का कार्यभार भी संभालेंगे।जिलाधिकारी ने अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग,बिहार,पटना द्वारा जारी निर्देश के आलोक में जिला में प्रखंड शिक्षा अधिकारी के रिक्त पदों पर नियमित अथवा वैकल्पिक व्यवस्था होने तक ऐसी व्यवस्था की है।

उन्होंने बहादुरपुर प्रखंड में प्रखंड सांख्यिकी अधिकारी विकास कुमार को बहादुरपुर प्रखंड का बीइओ,बहेड़ी प्रखंड के प्रखंड पंचायती राज अधिकारी उपेंद्र राम को,बिरौल में प्रखंड सहकारिता अधिकारी कुंदन कुमार को प्रखंड शिक्षा अधिकारी प्रतिनियुक्त किया है।दरभंगा सदर प्रखंड के प्रखंड सहकारिता अधिकारी पवन कुमार सिंह को,दरभंगा नगर में प्रखंड पंचायत राज अधिकारी दरभंगा सदर का बीईओ प्रतिनियुक्त किया है।

डीएम ने घनश्यामपुर में बीपीआरओ सचिन कुमार,हायाघाट में प्रखंड आपूर्ति अधिकारी संत कुमार को,केवटी में प्रखंड कल्याण अधिकारी करीमा फिरदौस को बीईओ प्रतिनियुक्त किया है।इसी तरह कीरतपुर में बीपीआरओ राम बिहारी देवेंद्र झा,कुशेश्वरस्थान पूर्वी में प्रखंड आपूर्ति अधिकारी मो. कमालुद्दीन,मनीगाछी में बीपीआरओ अशोक कुमार,सिंहवाड़ा में प्रखंड सांख्यिकी अधिकारी विनोद कुमार एवं तारडीह में प्रखंड सहकारिता अधिकारी शैलेन्द्र कुमार यादव को प्रखंड शिक्षा अधिकारी प्रतिनियुक्त किया है।दरभंगा नगर में दरभंगा सदर प्रखंड के बीपीआरओ करुणा कश्यप को बीईओ प्रतिनियुक्त किया है।

14 बोतल विदेशी शराब व टैम्पु जप्त, कारोबारी फरार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र के गोही गांव के पचखुट्टी टोला स्थित अरविंद ठाकुर के बथान के सामने से पुलिस ने शुक्रवार की रात विदेशी शराब व एक टैम्पु को जप्त कर थाना लाया। थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने बताया की पीटीसी नीतीश कुमार 112 पर ड्यूटी कर रहा था। उसी क्रम में पुलिस वाहन को देखकर टैम्पु खड़ी कर उसमें सवार लोग भाग गये। इधर मौके पर पंहुची पुलिस टीम ने वाहन की तालाशी ली तो उसमें फटा कार्टन में रखे 180 एमएल का 14 बोतल विदेशी शराब बरामद किया गया।वही शराब व टैम्पु को जप्त कर थाना लाया गया। थानाध्यक्ष ने बताया की वाहन मालिक व शराब कारोबारी का पता लगाया जा रहा है। इधर लगातार शराब लदा वाहन अलग अलग जगहो से पुलिस कई दिनों से बरामद कर रही है। इस कारण शराब कारोबारी में हड़कंप मचा हुआ है। होली को लेकर पुलिस द्वारा लगातार विशेष अभियान व छापेमारी कर रही है।

थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने बताया की पीटीसी नीतीश कुमार 112 पर ड्यूटी कर रहा था। उसी क्रम में पुलिस वाहन को देखकर टैम्पु खड़ी कर उसमें सवार लोग भाग गये। इधर मौके पर पंहुची पुलिस टीम ने वाहन की तालाशी ली तो उसमें फटा कार्टन में रखे 180 एमएल का 14 बोतल विदेशी शराब बरामद किया गया।

कांग्रेस कमिटी की बैठक सम्पन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शनिवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र की बैठक आहूत की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मो अबू तमीम ने किया। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के प्रभारी जगदीश प्रसाद एवं नरेश भारद्वाज ने भी भाग लिया। बैठक में संगठन को धारदार बनाने पर चर्चा की गई और निर्णय लिया गया कि गांव में बूथ तक जहां कहीं भी कमी महसूस हो उसे मजबूती प्रदान करने के लिए सभी गांव में मौजूद कांग्रेसियों से मिलकर अधिक से अधिक नौजवानों एवं महिलाओं को संगठन में भागीदार बनाने का काम करेंगे। बैठक जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष देवेंद्र नारायण झा, राम उदगार महतो, महासचिव मुकेश कुमार चौधरी, सतीश चंद्र चौधरी, लाल नारायण ठाकुर, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष देविता कुमारी गुप्ता, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रितेश कुमार चौधरी, एससी विभाग के जिला अध्यक्ष कामेश्वर पासवान, सुरेश कुमार महतो, सत्येंद्र चौधरी, शंभु चौधरी, अनिल कुमार चौधरी, वीरेंद्र कुमार झा, विश्वनाथ सिंह हजारी, नंदन कुमार चौधरी, राजेश कुमार दास, मो गजाली, उमेंद्र प्रसाद ठाकुर, राम जीवन चौधरी, समी अहमद, अरुण राम, मो असगर अंसारी, राम नारायण महतो, उमेश प्रसाद राम, इरफान अंसारी, मो तमन्ने आदि मौजूद थे।

महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष शोभा सिंहा पासवान की अध्यक्षता में महिला सम्मान कार्यक्रम आयोजित की गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रकाशनार्थ/प्रसारणार्थदिनांक 08 मार्च, 2025लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 1 व्हीलर रोड स्थित बिहार प्रदेश कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश महिला प्रकोष्ठ द्वारा महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष शोभा सिंहा पासवान की अध्यक्षता में महिला सम्मान कार्यक्रम आयोजित की गई । उक्त अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की सभी जिलों की जिलाध्यक्ष पार्टी के प्रदेश सचिव महासचिव प्रदेश उपाध्यक्ष समेत तमाम वरिष्ठ महिला पदाधिकारी शामिल हुई ।इस अवसर पर सभी जिलाध्यक्षों को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शोभा सिंहा पासवान द्वारा अंग वस्त्र और पगड़ी पहना कर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम को पार्टी के प्रधान महासचिव संजय पासवान प्रदेश उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट अनुशासन समिति के अध्यक्ष नरेश प्रसाद सिन्हा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सलीम साहिल महिला प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदु कश्यप पंचायती राज प्रकोष्ठ की अध्यक्ष इंदिरा सिंह और प्रदेश महासचिव विनीता सिंह ने संबोधित किया। इस अवसर पर पत्रकारिता के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य के लिए सभी महिला पत्रकारों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बिहार के कोने-कोने से आए हुए सभी महिला नेत्रियों ने समाज के विकास में अपनी भागीदारी से विकसित राष्ट्र के निर्माण करने का संकल्प लिया ।इस अवसर पर राजेश भट्ट ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश में पुरातन काल से यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता की अवधारणा है।हर कालखंड में समाज के विकास में महिलाओं की अहम भूमिका रही है आधी आबादी की प्रतिनिधित्व कर रही महिलाओं ने आज हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं महिलाओं से ही एक स्वस्थ परिवार समाज और राष्ट्र का निर्माण संभव है। आज देश की सीमा की रक्षा का दायित्व हो या विज्ञान के क्षेत्र में नए अनुसंधान चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर चिकित्सा की बात करें या राजनीति के क्षेत्र में देश की बागडोर संभालने की हर क्षेत्र में महिलाएं अग्रणी भूमिका में अपने दायित्व का निर्वहन कर रही है ऐसे तमाम महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं देता हूं। इस अवसर पर मुख्य रूप से पार्टी की महिला नेत्रियों में लक्ष्मी पासवान सोनम कुमारी वीणा सिंह अंशु प्रियंका मिश्रा राजहंस पिंकी पासवान हेमलता पासवान रीना ठाकुर निशी सिंह कार्यालय प्रभारी ओमप्रकाश भारती समेत सैकड़ो महिला प्रकोष्ठ की कार्यकर्ता उपस्थित थी ।

होली मिलन समारोह में शामिल हुए भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल , पारम्परिक फगुआ गीत की धूम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक (सारण) मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के गोपालवाड़ी गांव में शनिवार को पारम्परिक होली मिलन समारोह आयोजित किया गया।होली मिलन समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर महाराजगंज भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल उपस्थित हुए। होली महोत्सव कार्यक्रम में सदियों से गाये जा रहे पारम्परिक होली गीत को गाया गया। होली में मुख्य रूप से बाबा हरिहर नाथ सोनपुर में होली खेलें, बंगला में उड़े ला अबीर हो लाला बंगला में उड़े ला अबीर हो राम बंगला में उड़े ला अबीर, सहित कई पारम्परिक होली गीत को गाया गया। होली महोत्सव कार्यक्रम में सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि होली महोत्सव उत्सव से सराबोर खुशियों का पर्व है। जो आपसी भाईचारा को कायम करता है। होली महोत्सव में सदियों से पारम्परिक होली गीत को गाया जाता है।मुझे यहां आकर बहुत खुशी हुआ कि आज भी होली महोत्सव कार्यक्रम के तहत इस परम्परा को गांव में चलाया जा रहा है। होली मिलन कार्यक्रम में मुख्य रूप से राकेश महंथ,टीएन सिह, राजेश्वर सिंह, सरपंच बिनोद प्रसाद, विनय सिंह,ललन सिंह,कमलेश सिंह, उदय सिंह,कमलदेव सिंह, दूधनाथ सिंह, पृथ्वीराज सिंह, राहुल सिंह, नागेन्द्र सिंह, भाजपा जिला प्रवक्ता त्रिभुवन तिवारी, भाजपा नेता गौतम ओझा, उदय सिंह,नंदन बाबा, तेज नारायण सिंह, भाजपा नेता राकेश सिंह महंत, रवि रंजन सिंह मंटू,सुरेंद्र सिंह, कृष्ण सिंह व्यास, जटा शम्भू सिंह, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विकेश कुमार सिंह, युवा मंडल अध्यक्ष नन्दन ओझा, अतुल पांडेय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बोधगया महाविहार के मुक्ति के समर्थन में धरना एवं उपवास

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी।बोधगया महाविहार मुक्ति मोर्चा, सीतामढ़ी के तत्वाधान में बौद्ध विचार को मानने वाले विभिन्न संवैचारिक संगठनों के द्वारा आंबेडकर स्थल, डुमरा पर एकदिवसीय धरना एवम उपवास मोर्चा संयोजक नागेंद्र कुमार पासवान की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।उपवास पर बुद्धिस्ट इंटरनेशनल नेटवर्क, भारतीय मूलनिवासी सांस्कृतिक मंच, सम्राट अशोक क्लब, भारत मुक्ति मोर्चा, भीम आर्मी, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अति पिछड़ा अधिकार मंच, भारतीय नागवंशी संघ के प्रो शशिभूषण प्रसाद सिंह, योगेंद्र पासवान, दिनेश यादव, विक्की पटेल, जीवनाथ राम, ब्रह्मदेव साफी, लक्ष्मण प्रसाद के द्वारा बोधगया महाविहार को दूसरे धर्मों के ब्राह्मण एवं पण्डो एवं महंतों से मुक्ति के लिए करीब एक महीनों से देशभर के बौद्धिष्टों द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन के समर्थन में उपवास किया । इस अवसर धरना को संबोधित करते हुए संयोजक नागेंद्र कुमार पासवान ने कहा कि, दुनिया के विभिन्न धर्मों ईसाई, इस्लाम, हिंदू,सिक्ख, पारसी इत्यादि के धर्मस्थलों पर उन्हीं धर्मों के लोगों का एकाधिकार है। लेकिन धम्म भूमि बोधगया महाविहार पर गैर बौद्ध ब्राह्मणों एवम् पंडा को एकाधिकार है। उन्होंने बोधगया टेंपल एक्ट 1949 में संशोधन कर बोधगया महाविहार के प्रबंध कमिटी से ब्राह्मणों एवम् पंडा को हटाकर बौद्ध भिक्षुओं के संगठन को सौंपने की मांग सरकार से की।जिला प्रशासन के निर्देश पर उपवास पर बैठे लोगों को भूमि उप समाहर्ता, सीतामढ़ी सदर ने जूस पिलाकर उपवास समाप्त कराया।धरना के अंत में जिलाधिकारी सीतामढ़ी को महामहिम राष्ट्रपति महोदय के नाम बोधगया महाविहार को दूसरे धर्मों के लोगों से मुक्त करने, महाबोधि टेंपल एक्ट 1949 में संशोधन करने तथा बोधगया महाविहार को बौद्ध भिक्षुओं के संगठन को समर्पित करने का ज्ञापन सौंपा गया। धरना में संजय माही,रामरतन पासवान रामजुलम सिंह कुशवाहा, अशोक कुमार मदन राम, विकास पासवान, कुणाल किशोर, राजू पासवान, धनंजय सहनी, संदीप मंडल, फेकन साह, भरत चौधरी, कैलाश साफि,देवेंद्र प्रसाद यादव ,चंदन मांझी, नरेश सिंह ,रामनरेश राय, सहदेव राम, लक्ष्मी पासवान, अंकित सुमन ,रामेश्वर सिंह, राम प्रकाश सिंह ,रामकृपाल सिंह, रावड़ी बैठा गर्भभु पासवान कमल किशोर राम, जिनिश राम बौद्ध, रामदास पासवान , सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

एम आर महिला महाविद्यालय में नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज दिनांक 08-03-2025 को एम आर महिला महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं दधीचि देहदान समिति,दरभंगा के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत द्वीप प्रज्वलन द्वारा की गई।स्वागत उद्बबोधन अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. रूपकला सिन्हा द्वारा दिया गया।आपने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस शिविर में छात्राओं से कहा कि हम आबादी का आधा हिस्सा हैं और हर क्षेत्र में महिलाएं स्वयं को साबित कर रहीं हैं।

नेत्र जाँच शिविर का उद्घाटन वरीय नेत्र विशेषज्ञ डॉ. आशीष शेखर द्वारा किया गया,आपने कहा कि आज हम जो भी सफेद रोशनी मोबाइल फोन,एलईडी,एलसीडी एवं इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स इस्तेमाल करते हैं वह हमारी आंखों को ड्राई बनाती हैं,आपने यह भी कहा कि एक व्यक्ति जब नेत्रदान करता है तो उसे छह व्यक्तियों को लाभ मिल सकता है।

दधीचि देहदान समिति की ओर से अध्यक्ष श्री मनमोहन सरावगी ने दधीचि देहदान समिति के इतिहास पर प्रकाश डाला और नेत्र दान पर बल दिया।टाइटन आई प्लस की ओर से श्री पंकज दारूका ने महिलाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और सभी को स्क्रीन टाइम कम करने की सलाह दी।

अपने अध्यक्षीय उद्बोषण में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. श्याम चंद्र गुप्त ने सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामना दी और कहा कि पंचायत स्तर से लेकर विधान सभा तक महिला अपना परचम लहरा रही है लेकिन उनकी संख्या अभी भी बहुत कम है 'साथ ही आपने शिविर की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. शगुफ्ता खानम द्वारा किया गया।धन्यवाद ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की शिक्षिका डॉ. चित्रा झा द्वारा किया गया।

इस शिविर के सौजन्यकर्ता टाइटन आई प्लस रहें।नेत्र जाँच शिविर में महाविद्यालय के सभी शिक्षक,छात्राएं और कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और पंजीयन करा कर अपनी नेत्र जांच निःशुल्क करवाई और अपनी नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का समाधान पाया।

इस नेत्र जाँच शिविर में महाविद्यालय की छात्राओं,शिक्षकों और कर्मचारियों का निःशुल्क नेत्र जाँच किया गया।टाइटन आई प्लस के प्रशिक्षित विशेषज्ञ चेतनानंद एवं अनिल कुमार ने नेत्रों की जांच की एवं जिन्हें भी पावर की समस्या थी उन्हें उचित पावर बताकर शीघ्र अति शीघ्र अपने सुविधा अनुसार चश्मा बनवाने की सलाह दी।

राधाकृष्ण गोयनका कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी। शहर के श्री राधाकृष्ण गोयनका कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में प्राध्यापिका डॉ रानी कुमारी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केक काटकर मनाया गया। जिसमें सभी प्राध्यापिका, महिला कर्मचारी एवं छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान प्रेरणादायक भाषण और विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। महिलाओं की उपलब्धियों और उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया।इसके साथ ही छात्राओं ने भी अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से महिलाओं के प्रति सम्मान और उनके महत्व को दशार्या।प्रभारी प्राचार्य मो सनाउल्लाह ने महिला दिवस के अवसर पर सभी महिला शिक्षकों एवं कर्मचारी को बधाई दी और शानदार कार्यक्रम के धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल महिलाओं के महत्व को उजागर करते हैं बल्कि छात्राओं के आत्मविश्वास और प्रेरणा को भी बढ़ाते हैं। मौके पर प्राध्यापिका डॉ आशा कुमारी,डॉ ज्योति सुल्तानिया,डॉ दीप्ति,डॉ पूजा,डॉ अमृता,शालिनी सिंह,गुड्डी कुमारी,रागिनी कुमारी,चंदा देवी समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे।

सीतामढ़ी में भीषण सड़क हादसा चार की मौत

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:सीतामढ़ी के बरियारपुर फोरलेन पर तेज रफ्तार ट्रक और ऑटो की आमने-सामने टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई है जिसमें एक महिला व एक बच्चे भी शामिल हैं मौके पर डीएसपी सीतामढी सदर समेत कई मौका पर पहुंच कर हालत का जायजा लि रहे हैं आवाम की भरी भीड़ है सड़क चालों करने के लिए किरान की मदद से गाड़ी का मलबा हटाया जरहा है

इस्लाम धर्म के पांच स्तंभों में से एक है रोजा,जो देता है नवजीवन:एजाज खान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी।रमजान पवित्र महीना है,रोजा इस्लाम धर्म के पांच स्तंभों में से एक है,रोजा का अर्थ दिन भर भूखे प्यासे मात्र नहीं रहना है,अपितु प्रत्येक उस चीज को अपने ऊपर से रोक लेना है,जो बुराई की ओर ले जाती है,जैसे जुआ नहीं खेलना,चोरी नहीं करना,झूठ नहीं बोलना आदि।अच्छी बातें करना,कुरआन शरीफ पढ़ना,पांच वक्त नमाजें पढ़ना इसके अंतिम दिनों में खुदा के कुछ बंदे एतकाफ भी करते हैं।एतकाफ का मतलब होता है दुनिया से अलग होकर केवल मस्जिद में रहना और खुदा की इबादत करना।जब ईद का चांद निकल आए,तो मस्जिद से बाहर आना।ऐसा करने से मनुष्य में पवित्रता आती है और वास्तव में पूर्ण रूप से वर्ष में एक बार किया यह अभ्यास उसको नवजीवन प्रदान करता है।और जगत के लोभ लालसा से ऊपर उठ जाता है।तीस दिन के रोजे के साथ 10 दिन का एतकाफ मनुष्य को बहुत सारी बुराइयों से बचाता है।रमजान का चांद देखने के बाद रोजे के साथ तरावीह की नमाज शुरू हो जाती है। रमजान के पूरे माह को तीन बराबर भागों में बांटा जाता है,पहला भाग रहमत दूसरा भाग बरकत और तीसरा भाग मगफिरत, जिसके पांच रात को अत्यधिक इबादत पर बल दिया गया है चूंकि यह हजार रातों से बेहतर है।

जदयू के बेलसंड प्रखण्ड अध्यक्ष ने अपने पद से दिया इस्तीफा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी। बेलसंड के जदयू के प्रखंड अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे संबंधित इस्तीफा पत्र जदयू जिलाध्यक्ष को भेजा गया है। प्रखंड अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने जिलाध्यक्ष को लिखे पत्र में बताया कि वह व्यक्तिगत कारणों से प्रखंड अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना चाह रहे हैं। इस्तीफा सौंपने के साथ ही बेलसंड प्रखंड जदयू अध्यक्ष का पद रिक्त हो गया है। सूत्रों के अनुसार इस्तीफा के पीछे के कारण की सच्चाई यह है कि उनके साथ पार्टी के प्रमुख नेताओं के साथ पटरी नहीं बैठ पा रही थी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम समारोह आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी: राष्ट्रीय सेवा योजना, महिला एवं बाल निगम तथा प्रथम संस्था के संयुक्त तत्वावधान में राम सेवक सिंह महिला कॉलेज, के प्रांगण में "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डॉ. रेणु ठाकुर ने की।

कार्यक्रम के पहले दिन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता पर अपनी रचनात्मकता प्रस्तुत की। वहीं, दूसरे दिन आत्मरक्षा

प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें मुनेन्द्र कुमार, तायक्वोंडो अकादमी, सीतामढ़ी द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण गुर सिखाए गए। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना था। एनएसएस के प्रोग्राम पदाधिकारी प्रो. आरती पाण्डेय ने बताया महिला दिवस केवल महिलाओं के अधिकारों और उपलब्धियों का जश्न मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह उनके कर्तव्यों और समाज व देश के प्रति जिम्मेदारियों को समझने का भी समय है। उन्होंने बताया देशहित में महिलाएं जिस भी क्षेत्र में काम कर रही हैं, उसमें पूरी ईमानदारी और मेहनत से योगदान दें। परिवार में नैतिक मूल्यों और संस्कारों को बढ़ावा दें। स्वयं शिक्षित बनें और दूसरों को भी शिक्षा के प्रति जागरूक करें। बेटा-बेटी में समानता का व्यवहार करें और लैंगिक भेदभाव को खत्म करने में योगदान दें। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को सकारात्मक रूप में आगे बढ़ाएं बच्चों और युवाओं को नैतिक मूल्यों की शिक्षा दें। डीपीएम एजाजूल अंसारी ने बताया महिलाएँ समाज की रीढ़ होती हैं, और जब वे अपने कर्तव्यों को समझकर आगे बढ़ती हैं, तो न केवल उनका खुद का विकास होता है, बल्कि पूरा देश मजबूत और आत्मनिर्भर बनता है। इस कार्यक्रम के तहत छात्राओं और महिलाओं को आत्मरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे वे आत्मरक्षा के विभिन्न तकनीकों को सीख सकें। कार्यक्रम में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य अतिथियों ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए और उन्हें शिक्षा एवं स्वावलंबन के महत्व को समझाया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन

उत्कृष्ट कार्य करनेवाली महिलाओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

दरभंगा :---- 08 मार्च, 2025 :- प्रेक्षागृह दरभंगा में कला संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार तथा महिला बाल विकास निगम के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस जिलाधिकारी राजीव रौशन की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी, विकास आयुक्त चित्रगुप्त कुमार अपर समाहर्ता जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार,उपनिदेशक जनसंपर्क सत्येंद्र प्रसाद, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस डॉ. चांदनी सिंह, कला एवं संस्कृति पदाधिकारी चंदन कुमार, संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन किये।

जिलाधिकारी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाइयां दिया।

जिलाधिकारी ने कहा की महिला दिवस मना कर हम इस बात के लिए संकल्प लेते हैं कि हम एक समाज की रचना करेंगे, एक राज्य और , राष्ट्र की रचना करेंगे कि जहां पर महिलाओं और पुरुषों का बराबर का हक होगा,बराबर का सम्मान होगा और उन्हें हम दृष्टिकोण से बराबर समझेंगे।

उन्होंने कहा कि जीवन के दौर में चाहे महिला हो या पुरुष हो कहीं भी वो एक दूसरे के पुरक हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को समाज में सम्मान देने एवं बराबर की अधिकार देने की जरूरत है।

जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता में महिला सशक्तिकरण शामिल है। बिहार सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण व उनके उन्नति के लिए तथा उनकी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने के लिए कई कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राजनैतिक क्षेत्र में भी पंचायती राज संस्थाओं में बिहार की महिला को आरक्षण प्रदान किया गया है।

उन्होंने कहा कि हमारे राज्य के सरकारी क्षेत्र के नौकरियों में भी महिलाओं को आरक्षण दिया गया है,जो एक दुर दर्शी कदम है, जिसका लाभ समाज में महिलाओं को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मुख्य रूप से इस प्रण एवं संकल्प को दोहराने का समय है, जहाँ हम यह संकल्प लें कि समाज में हम महिलाओं की हर क्षेत्र में बराबरी की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे और एक ऐसा समाज बनाएगें, जिसमें महिलाओं को सम्मान व भागीदारी मिले। जहाँ किसी भी प्रकार से उनपर कोई अत्याचार या अन्याय न हो। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डॉक्टर स्मृति स्पर्श महिला रोग विशेषज्ञ एवं फर्टिलिटी एक्सपर्ट ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले महिलाओं को अपने कार्यक्रमों से सम्मानित की।

*अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर करीना कुमारी कला उत्सव 2023 में लोक गायन में राज्य स्तर पर प्रथम रही एवं राष्ट्र स्तर पर चयनित हुई को लेकर सम्मानित किया गया।*कुमारी दीक्षा को 2024 में नाट्य क्षेत्र को लेकर सम्मानित किया गया।

अर्चना सिंह सामाजिक कार्यकर्ता, शिवगंगा देवी,रागिनी कुमारी,इंदिरा कुमारी एवं अर्पणा कुमारी सामाजिक कार्यकर्ता इन्होंने जिले में नारी सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है,को लेकर सम्मानित किया गया।ः

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, सिवान के द्वारा आयोजित होली मिलन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
दिनांकः 09 मार्च 2025 (रविवार)
समयः प्रातः 11:30 बजेस्थानः भाजपा जिला कार्यालय, चाप ढाला, सिवानइस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सिवान के लाल, बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री, हम सभी के अभिभावक माननीय श्री मंगल पांडेय जी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

मधुबनी इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज मधुबनी नए भवन का मिली ट्रस्ट के

आसिफ अहमद एवं ट्रस्टी प्रबंध निदेशक तौसीफ अहमद के द्वारा उद्घाटन किया गया

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी मधुबनी इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज मधुबनी जो मिली ट्रस्ट के अधीन संचालित है उसके नए भवन का आज मिली ट्रस्ट के आसिफ अहमद एवं ट्रस्टी प्रबंध निदेशक तौसीफ अहमद के द्वारा उद्घाटन किया गया '

इस अवसर पर मिली ट्रस्ट के चैरमैन सह राज्यसभा सांसद डॉक्टर फैयाज अहमद मधुबनी मेडिकल कॉलेज के कार्यकारी निदेशक असीम जफर गजल, अनीता ज्योति चिल्ली की पदाधिकारी नीरज कुमार एवं महाविद्यालय के शिक्षक तथा छात्र-छात्राएं मौजूद थे '

संस्था में ए.एन.एम जी. एन. एम. तथा बी.एस.सी नर्सिंग की पढ़ाई होती है ' इस संस्था से निकले छात्रों को समय के अनुसार नौकरी मिल जाती है अधिकांश छात्र छात्राओं को मधुबनी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल एवं अन्य सीमावर्ती जिला के अस्पतालों में कैंपस सिलेक्शन हो जाता है मिली ट्रस्ट के अधीन अनेकों शिक्षण संस्थान संचालित है मधुबनी जिला के शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास में मिली ट्रस्ट का बहुत बड़ा योगदान है इसने भवन के उद्घाटन के उपरांत महाविद्यालय के उपयुक्त पाठ कर्म में और अधिक नामांकन हेतु सीट प्राप्त हो सकता है जिससे यहां के छात्र-छात्राओं को इसका भरपूर लाभ मिल सकता है '

डॉ. लोहिया कपूरी विशेश्वर दास महाविद्यालय ताजपुर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ाजपुर / समस्तीपुर : - - डॉ. लोहिया कपूरी विशेश्वर दास महाविद्यालय ताजपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. प्रभात रंजन कर्ण की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम में महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण पर चर्चा की गई और उनकी उपलब्धियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाचार्य, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ मनोज कुमार सिंह , आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक रजत सुभ्र दास एवं सभी शिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर हुई ।इसके बाद, महाविद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें नृत्य, गायन और नाटक शामिल है' प्रधानाचार्य डॉक्टर प्रभात रंजन कर्ण ने कहा, "महिला दिवस के अवसर पर, हम महिलाओं के योगदान और उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए एकत्रित हुए हैं। हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम महिलाओं को अपने अधिकारों और सशक्तिकरण के बारे में जागरूक करेगा ।कार्यक्रम के अंत में, महिलाओं को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया और उन्हें पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम को डॉ. जगदीश प्रसाद वैसंत्री, डॉ.अखिलेश कुमार एवं डॉ मुकुंद कुमार ने संबोधित किया, मंच संचालन डॉ हुस्न आरा, डॉ. कामिनी भारती ने संयुक्त रूप से किया' सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सुरभि, प्रेयसी, संजू, आरती, तन्नू, सुप्रिया, राखी, नौसीन आदि ने भाग लिया 'मौके पर सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं सैकड़ो छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे '

होली पर्व को लेकर थाना में हुई शांति समिति की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

● बैठक में भाग लेते हुए थानाध्यक्ष, सीओ सहित जनप्रतिनिधि

स्थानीय थाना परिसर में शनिवार को होली त्योहार को लेकर सीओ दिव्य प्रकाश व थानाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में एक बैठक आहुत की गयी. बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित गणमान्य व्यक्तियों ने शांति समिति की बैठक में भाग लिए.बैठक में थानाध्यक्ष ने बताया कि होलिका दहन से लेकर होली के दिन तक डीजे बजाने पर पूर्णरुप से प्रतिबंध रहेगा. इस बात की अवहेलना करने वालों और हुड़दंगियों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी. वहीं पकड़े जाने पर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई भी की जायेगी. सीओ श्री प्रकाश ने कहा कि होली का पर्व भाईचारे का पर्व है. वहीं रमजान का पवित्र महिना भी चल रहा है. इसमें दोनों समुदाय के लोगों को संयम से अपना पर्व मनाना चाहिए. इस अवसर पर दर्जनों मुखिया, सरपंच सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

महिलाओं के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार के लिए ऐपवा ने निकाला जुलूस

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर/समस्तीपुर : - - अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन (ऐपवा) के बैनर तले महिलाओं ने गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार के लिए जुलूस निकालकर महिला दिवस मनाया। शनिवार को बड़ी संख्या में ऐपवा कार्यकर्ता स्थानीय मोतीपुर वार्ड 26 रामलखन कुंआ के पास ईकट्ठा होकर अपने-अपने हाथों में झंडे, बैनर लेकर जुलूस निकाला।जुलूस विभिन्न मांगों से नारे लगाकर गुजरते हुए पैक्स चौक पहुंचकर जुलूस सभा में तब्दील हो गया। सभा को संबोधित करते हुए अपने अध्यक्षीय संबोधन में ऐपवा जिला अध्यक्ष बंदना सिंह ने कहा कि बिहार में कहीं भी कोई महिला सुरक्षित नहीं है।स्कूल, खेती, खोला, सड़क, घर, कार्यस्थल पर भाजपा-जद यू के राज में यौन हिंसा, बलात्कार, हत्या, लूट की घटनाओं में काफी वृद्धि हुई है। नीतीश राज में अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। अपराधी बेलगाम है। विधी-व्यवस्था में काफी गिरावट आई है। रोजी- रोजगार एक बड़ी समस्या बनी हुई है। महिलाएं आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रही हैं और आत्महत्या करने को मजबूर हैं। अभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा में एक महिला को बर्बर तरीके से हत्या कर फेंक दिया गया है।मृत महिला के तलवे में 9-9 कीलें ठोंकी हुई थी।

इसलिए बिहार में महिलाओं के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार के लिए आवाज उठाना समय की मांग है। आइए! हम सभी महिलाएं एकजुट हों और सरकार से महिलाओं को रोजगार और सम्मानजनक वेतन की गारंटी करने, सभी महिलाओं को 2500 रुपए मासिक सहायता देने, महिला हिंसा पर रोक लगाने, 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने, सभी गरीबों को 5 डिसमील जमीन व पक्का मकान देने, विधि-व्यवस्था में ठीक करने, राशन के चावल- गेहूं के साथ चीनी, चना, तेल, दाल देने, वृद्धावस्था-मोसमाती- दिव्यांग पेंशन 3 हजार रूपए देने, स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं को रोजगार देने, माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के अत्याचार पर रोक लगाने, कर्ज के फंदे से महिलाओं को मुक्ति दिलाने, हिंसा, बलात्कार, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैक मेल करने की घटनाओं के खिलाफ समुचित कार्रवाई करने को लेकर आंदोलन तेज करने का आह्वान किया गया। अंत में"अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस जिन्दाबाद", "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का ढोंग बंद करो", "महिला हिंसा पर रोक लगाओ", "सभी महिलाओं को 2500 रुपए मासिक सहायता दो", "200 यूनिट बिजली मुफ्त दो" "महिला एकता जिंदाबाद", "ऐपवा जिन्दाबाद", "महिला एकता जिंदाबाद" आदि गगनभेदी नारे लगाकर कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।

बिहार सरकार की आम बजट को भाकपा माले ने जनविरोधी बताया, निकाले जुलूस

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड मुख्यालय के प्रांगण में माले नेता प्रदीप कुशवाहा के अध्यक्षता मे भाकपा माले के कार्यकर्ता और महिलाओं ने जुलूस निकाल कर बिहार सरकार द्वारा पेश किया गया बजट के जनविरोधी बताते हुए पुतला दहन तथा सभा किया गया. सभा को संबोधित करते हुए माले के प्रखंड सचिव जयनाथ यादव ने कहा भाजपा जदयू सरकार के बजट आम लोगों के हित में नहीं है.महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, कृषि संकट, महिलाओं तथा अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा पर बजट में कोई चर्चा नही है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा नरेंद्र मोदी की सरकार किसानों की आय एवं कृषि बाजार, फसलों के समर्थन मूल्य एवं बटाईदार को पंजीकृत कर सरकारी अनुदान के लाभ देने के लिए कोई योजना नहीं है. श्री यादव ने

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शहीद ए आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच से जिला स्तरीय जुड़े महिलाओं की बैठक हुई संपन्न

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

● जिला स्तरीय महिलाओं की बैठक के उपरांत महिलाओं ने निकाली महिला अधिकार मार्च, आयोजित किया गया सभा

,ताजपुर / समस्तीपुरः प्रखंड के रामापुर महेशपुर पंचायत अंतर्गत ग्राम चकमधौल वार्ड 13 गंगापुर गोपालपुर अवस्थित मदन चौधरी के निवास स्थान पर शहीद ए आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच से जुड़े जिला स्तरीय महिलाओं की बैठक जिला कमिटी सदस्य व महिला नेता अनिता देवी के अध्यक्षता तथा महिला नेत्री सोनिया देवी के संचालन और शहीद ए आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच के जिला संयोजक कॉमरेड राम कुमार के आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक के उपरांत बैठक स्थल महिलाओं ने महिला अधिकार मार्च निकाला जो विभिन्न मार्गो से गुजरते हुए ठूंठा बड़ चौक पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया।सभा को संबोधित करते हुए शहीद ए आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच के जिला संयोजक कॉमरेड राम कुमार ने कहा कि सर्व प्रथम ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्वीटजरलैंड में 1911 ईस्वी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया । लेकिन 1975 ईस्वी में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस का मान्यता उस वक्त मिली जब संयुक्त राष्ट्र ने भी ये जश्न मनाना शुरू कर दिया। संयुक्त राष्ट्र ने महिला दिवस के लिए पहली थीम 1996 में चुनी गई। सभा को शहीद ए आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच के जिला संयोजक कॉमरेड राम कुमार, महिला नेत्री अनिता देवी, सोनिया देवी, शीला देवी, पानवती देवी, माया देवी, रामसखी देवी, पार्वती देवी, जगतरण देवी, बबीता देवी, शिव कुमारी देवी, रंजू देवी,सोनी कुमारी, शिवानी कुमारी मोती लाल साह, किसान नेता मदन चौधरी और राज नारायण सिंह ने संबोधित किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी में हुए कई कार्यक्रम

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा। 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए ,इस अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी की स्पोर्ट्स इंचार्ज सलमा खातून ने सभी खिलाड़ियों के साथ केक काटकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया ।इस अवसर पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों को मोमेंटो, अंग वस्त्र तथा माला पहना कर स्वागत किया गया ।वही स्पोर्ट्स अकादमी के निर्देशक संजय पाठक ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय जगत में महिलाओं के सहभागिता को नकारा नहीं जा सकता है आधी आबादी के बिना विश्व विकास की कल्पना नहीं की जा सकती,

अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर उच्छृंखलता नामंजूर

ललित गर्ग

यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है कि एक सरकारी कर्मचारी के खिलाफ इस्तेमाल इन 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' जैसे शब्दों से जुड़े मुकदमे को निचली अदालत से सर्वोच्च न्यायालय तक का सफर तय करने में लगभग चार साल लगे, मगर दोनों पक्षों ने किसी पड़ाव पर यह समझदारी दिखाने की कोशिश नहीं की कि यह सिर्फ अहं की लड़ाई है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की एक कविता पर गुजरात पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों की सुनवाई के दौरान जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वही एक संतुलित एवं आदर्श समाज व्यवस्था का आधार भी है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े इन मामलों में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझने की आवश्यकता है। मंगलवार को 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' शब्दों के इस्तेमाल से जुड़ी याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस मुकदमे के आरोपी को इस आधार पर आरोप-मुक्त कर दिया कि यह भारतीय दंड संहिता की धारा 298 के तहत धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के अपराध के बराबर नहीं है। वैसे, अदालत ने इन शब्दों के प्रयोग को गैर-मुनासिब माना। एक दूसरे रणवीर इलाहाबादिया से जुड़े मामले में अश्लीलता के आरोपों पर भी सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित लेकिन धारदार-सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि न तो अश्लीलता के लिए कोई गुंजाइश छोड़ी जानी चाहिए और न ही इसे अभिव्यक्ति की आजादी की राह में आने देना चाहिए। रणवीर इलाहाबादिया को पॉडकास्ट जारी रखने की इजाजत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह नैतिकता और अश्लीलता की सीमा को लांघने की गलती न करें। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। सर्वोच्च न्यायालय के इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए।

यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है कि एक सरकारी कर्मचारी के खिलाफ इस्तेमाल इन 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' जैसे शब्दों से जुड़े मुकदमे को निचली अदालत से सर्वोच्च न्यायालय तक का सफर तय करने में लगभग चार साल लगे, मगर दोनों पक्षों ने किसी पड़ाव पर यह समझदारी दिखाने की कोशिश नहीं की कि यह सिर्फ अहं की लड़ाई है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की एक कविता पर गुजरात पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। गुजरात हाईकोर्ट ने भी इस मामले में जांच की जरूरत बताते हुए पुलिस कार्रवाई की पुष्टि की थी। इसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी मायने रखती है कि एफआईआर दर्ज करने से पहले संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस को कविता पढ़नी चाहिए थी। कविता नफरत और हिंसा की नहीं, इंसाफ और इश्क की बात करती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आजादी के 75 साल हो गए हैं। कम से कम अब तो पुलिस को स्वतंत्र

अभिव्यक्ति का मर्म समझना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस बात का संदेश बिल्कुल स्पष्ट एवं न्यायसंगत है। हालांकि यह छिपी बात नहीं है कि पुलिस स्वायत्त तरीके से काम नहीं करती। अनेक कार्रवाइयां उसे सत्ता पक्ष के दबाव में करनी पड़ती हैं। इसलिए विपक्षी दलों एवं समुदाय विशेष के मामले में अगर अभिव्यक्ति की आजादी के कानून को हाशिये पर धकेल दिया या नजरअंदाज कर दिया जाता है, तो हैरानी की बात नहीं। यह कम बड़ी विडंबना नहीं कि साहित्य और कलाओं में अभिव्यक्त विचारों की व्याख्या भी अदालतों को करनी पड़ रही है। सत्ताएं सदा से अपनी आलोचना से तल्ख हो जाती रही है, ऐसी जटिल स्थितियों में आखिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा कौन करेगा? ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, इससे पहले भी कई मौकों पर वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लम्बी बहसें हो चुकी हैं, आन्दोलन तक हुए, हिंसा एवं अराजकता का माहौल बना। हर बार अदालतें पुलिस को नसीहत देती हैं, अपने दखल से समझ एवं सीख भी देती है ताकि संतुलित वातावरण बना रहे। मगर शायद उस पर संजीदगी एवं संवेदनशीलता से अमल की जरूरत न तो पुलिस ने समझी और न उग्र एवं विध्वंसक शक्तियों ने। इसी का नतीजा है कि अब भी जब तब ऐसे मामले अदालतों में पहुंच जाते हैं, जिनसे किसी की भावना के आहत होने एवं विभिन्न समुदायों के आपसी सौहार्द-सद्भावना के खण्डित होने के आरोप लगते रहते हैं, जबकि वास्तव में उनमें ऐसा कुछ नहीं होता। बेवजह नफरत, द्वेष एवं घृणा का माहौल बनता रहा है, चाहे वह फिल्मों के दृश्यों-संवादों, किसी राजनेता के बयानों, धर्मगुरुओं के बोलों या साहित्य के किसी अंश को लेकर भावनाएं आहत करने या भड़काने के आरोप किसी ऐतिहासिक-मिथकीय प्रसंग को लेकर की गई टिप्पणी पर लगते रहे हों।

आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों पर ऐसी सामग्री परोसी जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी ओछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया से जुड़े मंचों के दुरुपयोग पर चिंता से सहमति जताते हुए भी सेंसरशिप और नॉर्म (मानदंड) के बीच के फर्क को रेखांकित किया। उसका कहना था कि सरकार को इस संबंध में गाइडलाइंस लानी चाहिए, लेकिन ऐसा करते हुए यह भी ध्यान में रखना जरूरी है कि वे अभिव्यक्ति की आजादी पर गैरजरूरी पाबंदियों का रूप न ले लें।

सुप्रीम कोर्ट के इस सख्त रुख की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि यह ऐसे समय सामने आया है जब देश में अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर विभिन्न समुदायों का विचलन, द्वेष एवं नफरत काफी बढ़ी हुई दिख रही है। शासन प्रशासन की ओर से इन्हें रोकने की कोशिशों में भी अक्सर अति-उत्साह की झलक देखने को मिलती है। हालांकि सोशल मीडिया के ये मंच स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक भूमिका भी निभाते देखे जाते रहे हैं। उन पर कड़ाई से बहुत सारे ऐसे लोगों के अधिकार भी बाधित होने का खतरा है, जो स्वस्थ तरीके से अपने विचार रखते और कई विचारणीय मुद्दों की तरफ ध्यान दिलाते हैं। मगर जिस तरह बड़ी संख्या में वहां उपद्रवी, हिंसक, राष्ट्रीय और सामाजिक समरसता को छिन्न-भिन्न करने वाले तत्त्व सक्रिय हो गए हैं, उससे चिंता होना स्वाभाविक है। इससे जहां नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन होता है, वहीं इसके गलत इस्तेमाल की बेजा स्थितियां भी देखने को मिलती है। शीर्ष अदालत ने याद दिलाया है कि इस अधिकार का ख्याल रखा जाए। उन पर अंकुश लगाने एवं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान करना जरूरी है। भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, विदेशी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, न्यायालय की अवमानना, मानहानि या किसी अपराध के लिए उकसाने के विरुद्ध वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती है। सरकार इनकी रक्षा के लिए भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के साथ-साथ सेंसरशिप के प्रति अपनी अनिच्छा को दोहराया। लेकिन यह भी कहा कि ऐसा विचार 'घटिया विचारों' और 'गंदी बातों' का लाइसेंस नहीं है। दरअसल, इन दिनों सोशल मीडिया में जिस पैमाने पर विष-वमन हो रहा है, उसने पुलिस की चुनौतियां बढ़ा दी हैं। मगर उसकी कार्रवाइयां इसलिए प्रभावी नहीं होतीं, क्योंकि राज्य-दर-राज्य उनके पीछे के राजनीतिक पक्षपात भी स्पष्ट हो जाते हैं। राज्य पुलिस अक्सर सरकार विरोधी पोस्ट के मामले में तो तत्परता दिखाती है, मगर सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोगों की वैसी ही गतिविधियां वह नजरअंदाज कर देती है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने उचित ही गुजरात पुलिस को एहसास कराया है कि उसे असामाजिक तत्वों से निपटते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बुनियादी लोकतांत्रिक मूल्य की रक्षा भी करनी है। जाहिर है, उच्छृंखल हुए बिना आजादी के उपयोग में ही नागरिक का भी भला है और समाज का भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

पीओके के लिए वैश्विक समर्थन

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को लंदन में चैथम हाउस थिंक टैंक के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर समस्या का समाधान जम्मू-कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद होगा जो अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे में है। यह याद रखना चाहिए कि 22 फरवरी, 1994 को भारत की संसद में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसमें दोहराया गया था कि पाक अधिकृत कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है, और रहेगा। पाकिस्तान को वह हिस्सा छोड़ना होगा जिस पर उसने कब्जा जमा रखा है। वास्तव में जयशंकर की टिप्पणी संसद के इसी प्रस्ताव की प्रतिध्वनि है। जयशंकर ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करना भारत का पहला प्राथमिक कदम था। सूबे में विकास, आर्थिक गतिविधियां और सामाजिक न्याय की बहाली दूसरा कदम और यहां निष्पक्ष चुनाव कराना तीसरा कदम था। वास्तव में भारत अच्छी तरह से जानता है कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर उसके लंबे समय से चले आ रहे दावे के अलावा पाकिस्तान का भी दावा है और स्वयं उन कश्मीरियों का अपना दावा है जो उस हिस्से की आजादी की मांग कर रहे हैं या भारत में विलय के लिए मांग कर रहे हैं। चौथा दावा चीन का भी है जिसने वहां भारी निवेश किया है। इस अर्थ में जयशंकर का कहना जायज है कि पीओके भारत के नियंत्रण में आ जाए तो वह भी भारतीय जम्मू-कश्मीर की तरह विकास के रास्ते पर बढ़ सकता है। परंतु व्यवहार में यह काम इतना आसान नहीं है। हाल-फिलहाल यह हो सकता है कि पीओके में पाकिस्तानी सरकार के जो जुल्म बढ़ रहे हैं और जिनसे वहां के निवासी आक्रांत रहे हैं, उनके लिए वैश्विक समर्थन जुटाया जाए और स्वयं भारत भी उन्हें स्पष्टतः आश्वासन दे कि वह उनकी जायज मांगों का समर्थक है। गिलगिट-बलूचिस्तान में रहने वाले लोगों ने अपने क्षेत्र पर पाकिस्तान के बलात कब्जे को कभी स्वीकारा नहीं है। यहां राजनीतिक अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक आवाजें उठ रही हैं। पाकिस्तान की कुल भूमि का 40 फीसद हिस्सा यहीं है, लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब एक करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस इलाके में सर्वाधिक बलूच हैं। इसलिए इसे गिलगिट-बलूचिस्तान भी कहा जाता है। भारत को पीओके के निवासियों की पूरी चिंता है। लेकिन भारत का यह पक्ष केवल बातों में ही नहीं, व्यवहार में भी सामने आना चाहिए। पाकिस्तान के

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी।

परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता।

तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

अमेरिकी आर्थिक संकट का भारतीय एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

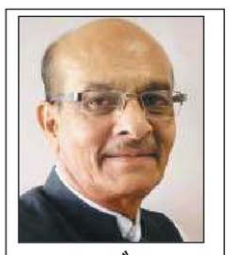

सनत जैन

अमेरिकी अर्थव्यवस्था उपभोक्ताओं और सेन्य कारोबार पर निर्भर रही है। हाल के वर्षों में यह संतुलन बिगड़ता हुआ दिख रहा है। बढ़ती महंगाई, रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा क्रेडिट कार्ड कर्ज, उच्च ब्याज दरें, अमेरिकी उपभोक्ताओं के क्रय शक्ति को प्रभावित कर रही हैं। इसका सीधा असर खुदरा बिक्री और प्रमुख कंपनियों के राजस्व पर पड़ रहा है। जिससे अमेरिका में आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका की आर्थिक स्थिति बिगड़ने का प्रभाव केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा। भारत, चीन और यूरोप जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भी इससे अछूती नहीं रहेंगी। वैश्विक वित्तीय बाजारों में तेजी के साथ वित्तीय अनिश्चितता बढ़ेगी। निवेशकों का रुझान डॉलर की ओर जाएगा। इससे भारतीय रुपये की कमजोरी और भी बढ़ना तय है। इस कारण भारत में महंगाई अधिक बढ़ने की संभावनाएं हैं। भारत में कच्चे तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य आयातित वस्तुओं की कीमतें 10 से 15 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। जिससे आम नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरतें महंगी हो जाएंगी। अमेरिकी मंदी का असर भारतीय निर्यात कारोबार पर भी पड़ना तय है। भारत के आईटी सैक्टर, दवा उद्योग, कपड़ा और आभूषण क्षेत्र अमेरिकी बाजारों पर निर्भर है। यदि वहां मांग कम होती है, तो इन क्षेत्रों में उत्पादन और रोजगार पर संकट भारत में भी गहरा सकता है। इसी तरह, विदेशी निवेश में भी कमी आना तय है। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक लगातार अपना निवेश निकाल रहे हैं। जिसके कारण भारत में शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली है। यह स्थिति टैरिफ वार के पहले की है। जब टेरिफ वार शुरू होगा, तो उसके बाद क्या स्थिति होगी। इसका आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। भारतीय स्टार्टअप और छोटे व्यवसायों को आने वाले समय में फंडिंग मिलना मुश्किल हो सकता है। अमेरिका का यह संकट भारत के लिए एक अवसर भी बन सकता है। भारत सरकार घरेलू उद्योग और बाजार को मजबूत करने के सुनियोजित प्रयास युद्ध स्तर पर किए जाएं, तो भारत के लिए सुनहरा अवसर भी हो सकता है। भारत की आबादी उसके लिए बड़ी पूंजी बन सकती है। चीन की तर्ज पर भारत के बाजार को वैश्विक मांग के अनुसार विकसित किया जा सकता है। सरकार को निर्यात मे विविधता देने के लिये घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और रुपये को वैश्विक बाजार में स्थिर बनाये रखने के लिए नई रणनीति बनानी होगी।

अमेरिका की आसन्न मंदी का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इसकी गंभीरता इस पर निर्भर करेगी, विभिन्न देश कितनी कुशलता से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को संतुलित कर पाते हैं। भारत को इस संकट के प्रति सतर्क रहकर दीर्घकालिक नीतियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत सरकार को इस तरह से अपनी नीतियां बनानी होंगी, जिससे भारत में स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़े, निर्यात व्यापार के लिए छोटे उत्पादकों और कारोबारियों को मौका मिले, इसका ध्यान रखना जरूरी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह की नीतियां लागू करने की कोशिश की है इसका असर भारत सहित दुनिया के सभी देशों में पडने जा रहा है। चीन और यूरोप के देशों ने अमेरिका की इस नई नीति के विरोध में अपनी कमर कस ली है। अमेरिका को वह बराबरी से जवाब देने की तैयारी कर रहे हैं। भारत सरकार ने अपनी किसी नीति का खुलासा नहीं किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दो महीने में भारत को लेकर जो नीति बनाई है और कार्रवाई की है, उसके बारे में भारत सरकार का मौन साध लेना भारत के साथ-साथ वैश्विक कूटनीतिक एवं सामरिक संबंधों को भी प्रभावित कर रहा है। भारत सरकार दो पाटों के बीच में फंसकर रह गई है। भारत सरकार अभी तक समझ ही नहीं पा रही है, उसे स्थिति का मुकाबला किस तरह से करना है। आर्थिक क्षेत्र में भारत सरकार की जो नीतियां हैं। वह लगातार भारतीय अर्थव्यवस्था को नीचे की ओर ले जा रही हैं। ऐसी स्थिति में सरकार को अच्छे आर्थिक विशेषज्ञों की सलाह अर्थव्यवस्था को लेकर लेनी होगी। भारत की अर्थव्यवस्था में ब्यूरोक्रेट काम कर रहे हैं। ब्यूरोक्रेट के स्थान पर जल्द से जल्द अर्थशास्त्रियों की तैनाती करनी होगी। जो सरकार को समय-समय पर सही सलाह दे सकें। जिस तरह की स्थिति वैश्विक स्तर पर बन रही है, उस पर काफी गंभीरता के साथ चिंतन मनन करते हुए सरकार को दीर्घकालिक नीतियां बनानी होंगी। अमेरिका की अर्थव्यवस्था का असर भारत सहित दुनिया के सभी देशों में होने जा रहा है। इसलिए भारत सरकार को और भी सजग रहने की जरूरत है।

अब महिलाओं के प्रति बदलना होगा नजरिया

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत वह देश है जहां महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी बराबर की भागीदार है। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम है कार्रवाई में तेजी लाना। वर्ष की 2025 थीम में सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता, सशक्तिकरण होगी। जो वैश्विक स्तर पर महिलाओं और लड़कियों की प्रगति को रोकने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के लिए समावेशन और तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालती।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4,05,861 अपराध दर्ज किए गए। इन अपराधों में बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध, और अपहरण जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के सामने आए हैं। जो समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी उदासीनता को दशार्ते हैं। इससे पहले 2022 में 4,45,256 मामले, 2021 में 4,28,278 मामले 2020 में 3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक प्रति एक लाख आबादी पर महिला अपराध की दर 66.4 फीसदी रिकॉर्ड की गई। ऐसे मामलों में आरोप पत्र दायर करने की दर 75.8 फीसदी रही। एनसीआरबी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा 31.4 फीसदी जुर्म पति या उसके रिश्तेदारों की क्रूरता किए जाने के थे। इसके बाद अपहरण के 19.2 फीसदी, शील भंग करने के इरादे से महिलाओं पर हमले के 18.7 फीसदी और दुष्कर्म के 7.1 फीसदी मामले रहे। एनसीआरबी के मुताबिक पिछले साल देश में जितने मामले सामने आए उनमें से 2,23,635 यानी 50 फीसदी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश में 2021 में महिला अपराध के 56,083 और और 2020 में 49,385 मामले दर्ज किए थे। इसके बाद राजस्थान (40,738 और 34,535), महाराष्ट्र (39,526 और 31,954), पश्चिम बंगाल (35,884 और 36,439) और मध्य प्रदेश (30,673 और 25,640) रहे थे।

भारत में वर्षो से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने है। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874,चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं। 2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274, दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349,और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए।

2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30,864 मामले दर्ज किए गए थे। जबकि 2023 में यह संख्या घटकर 28,278 हो गई। यह एक सकारात्मक संकेत है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साल 2022 के बाद से शिकायतों की संख्या में कमी देखी गई है। जब 30,864 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जो 2014 के बाद से सर्वाधिक आंकड़ा था। जहां तक बात महिलाओं की सुरक्षा की आती है तो पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व निर्णयों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रबंध किये हैं। आज भारत में महिलायें पहले की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित है।

हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है। ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तिकरण के अभियान को धक्का लगता हैं। देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। तभी समाज में उनके प्रति सोच बदल पायेगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया |सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

वेट इश्यू पर सुम्बुल तौकीर को सपोर्ट करती दिखीं रुपाली

टीवी सीरियल 'इमली' के जरिए सुम्बुल तौकीर एक जाना-पहचाना नाम बन गई। एक्टिंग के अलावा वह डांसिंग में भी काफी माहिर है। काफी फिट भी नजर आती थीं लेकिन पिछले कुछ समय से उनका वजन अचानक बढ़ गया, जिसे लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। ऐसे में सोशल मीडिया ट्रोल्स को सुम्बुल ने जवाब दिया। इस जवाब को टीवी एक्ट्रेस रुपाली गांगुली ने भी सराहा है।

रुपाली गांगुली ने री-शेयर की सुम्बुल की पोस्ट

सुम्बुल ने अपने बढ़ते वजन के बारे में बताया कि उन्हें साइकेट्रिस्ट ने, न्यूरोलॉजिस्ट ने कुछ मेडिसिन दी हैं, जो सूट नहीं की। इसलिए वजन बढ़ा है। साथ ही वह ट्रोलिंग करने वालों को भी चुप रहने की बात अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में कहती हैं। सुम्बुल की इस पोस्ट को रुपाली गांगुली ने भी अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में लगाया है। वह इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए, सुम्बुल पर गर्व करने की बात भी लिखती हैं। सुम्बुल भी रुपाली को इस बात के लिए थैंक्स लिखती हैं।

रुपाली गांगुली भी हुई ट्रोलिंग का शिकार

टीवी एक्ट्रेस सुम्बुल अकेली नहीं है जो सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हुई। खुद रुपाली गांगुली भी सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हुई। जब रुपाली गांगुली का अपनी सौतेली बेटी ईशा वर्मा से विवाद हुआ था तो एक्ट्रेस को काफी ट्रोल किया गया था। उनके बारे में काफी कुछ उल्टा-सीधा कहा गया। रुपाली ने भी ट्रोल करने वालों को सोशल मीडिया के जरिए ही जवाब दिया।

स्टार्स की मेंटल हेल्थ पर असर

जिस तरह से बात-बात पर स्टार्स, एक्टर्स को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता है, उससे उनकी मेंटल हेल्थ पर बुरा असर पड़ता है। कई एक्टर्स इस बारे में बात कर चुके हैं कि ट्रोलिंग से वह काफी परेशान हो जाते हैं।

शिबानी को कहां से आया सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' का आइडिया?

शबाना आजमी के अलावा ज्योतिका, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी उम्दा एक्ट्रेस ने वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में ऐसी महिलाओं का रोल किया है, जो ड्रग, क्राइम के जाल में फंस जाती हैं। फिर ड्रग्स का बिजनेस करने लगती हैं। इस कहानी का आइडिया वेब सीरीज की क्रिएटर शिबानी दांडेकर को कैसे आया? इस सीक्रेट के बारे में शिबानी ने हाल ही में बताया है।

देखती रही हैं खूब क्राइम ड्रामा

शिबानी दांडेकर ने फर्स्टपोस्ट को दिए हालिया इंटरव्यू में बताया कि वह एक समय में बहुत ज्यादा क्राइम ड्रामा देखा करती थीं। ऐसे में अचानक उन्हें ख्याल आया कि क्राइम ड्रामा में महिलाओं की कहानी को दिखाया जाए। इस तरह वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' का आइडिया शिबानी दांडेकर को आया।

शबाना आजमी ने क्यों किया सीरीज में काम

शबाना आजमी इस सीरीज का हिस्सा इसलिए बनी हैं क्योंकि यह उनके लिए फैमिली प्रोजेक्ट की तरह है। वह रिश्ते में शिबानी की सास लगती हैं। शबाना आजमी ने जावेद अख्तर से शादी की है। फरहान अख्तर, जावेद अख्तर के बेटे हैं, वह उनकी पहली शादी से हुए हैं। शिबानी, फरहान की पत्नी हैं। ऐसे में शिबानी और शबाना रिश्ते में सास-बहू हैं। पिछले दिनों शबाना ने कहा था कि शिबानी ने इस वेब सीरीज को क्रिएट किया। वह कहती हैं, 'उसने मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। मैं बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा (फरहान) तो प्रोड्यूसर ही है।'

काफी यूनीक है सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' की स्टोरी

डिब्बा कार्टेल की स्टोरी काफी यूनीक नजर आती है। इसमें कुछ महिलाएं एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। वेब सीरीज में शबाना आजमी, ज्योतिका, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन ने अहम किरदार निभाए हैं। लेकिन शबाना आजमी सीरीज में छा जाती हैं। साथ ही ज्योतिका की एक्टिंग की भी सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है।

सेक्रेड गेम्स में नयनतारा-मंजू वारियर को लेना चाहते थे अनुराग कश्यप, फिर क्यों नहीं बनी बात?

फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने हाल ही में साझा किया है कि उन्होंने नेटफ्लिक्स को हिट वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स के लिए लेडी सुपरस्टार नयनतारा और मंजू वारियर का नाम सुझाया था। साथ ही निर्देशक ने इस बारे में खुलासा किया कि दोनों अभिनेत्रियों ने सैफ अली खान अभिनीत इस सीरीज में अभिनय क्यों नहीं किया।

अनुराग ने पहले इन अभिनेत्रियों से किया था संपर्क

निर्देशक ने खुलासा किया कि उन्होंने सेक्रेड गेम्स में रॉ एजेंट कुसुम देवी यादव की भूमिका के लिए सबसे पहले मंजू वारियर से संपर्क किया था। उन्होंने नेटफ्लिक्स के लिए नयनतारा का नाम भी पेश किया, लेकिन सीजन 2 (2019) में यह हिस्सा अमृता सुभाष के पास चला गया। मंजू रानी पद्मिनी, एन्नम एपोजहुम और ओडियान के लिए जानी जाती हैं। अब अनुराग कश्यप उनकी 2024 मलयालम फिल्म फुटेज को हिंदी प्रस्तुतकर्ता के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

अनुराग ने तीन अभिनेत्रियों को चुना था

अनुराग कश्यप ने कहा कि हम अमृता सुभाष की भूमिका के लिए मंजू को लेने की कोशिश कर रहे थे। हम अलग भाषा की अभिनेत्री की तलाश में थे। हम सेक्रेड गेम्स के लिए ऑडिशन ले रहे थे। हमने नेटफ्लिक्स को तीन ऑप्शन दिए। हमने उन्हें मंजू, नयनतारा और एक और व्यक्ति का नाम सुझाया था।

नेटफ्लिक्स ने पीछे खींच लिए थे हाथ

उन्होंने कहा कि उस समय नेटफ्लिक्स का भारत में कोई ऑफिस नहीं था, इसलिए सब कुछ अमेरिका जा रहा था और उस समय ओटीटी वास्तव में दक्षिण की फिल्मों को नहीं देख रहे थे। वे दक्षिण के बाजार को नहीं देख रहे थे। वे चाहते थे कि अभिनेत्री को वहीं से चुना जाए, जहां उनका बाजार है। यह महाराष्ट्र या कहीं भी सीमित था। उनकी पसंद हमेशा एल्गोरिदम पर आधारित होती है, जहां से उन्हें ग्राहक मिल रहे हैं।

कैंसर के दर्द के बीच हिना का पोस्ट

हिना खान सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी पर्सनल प्रोफेशनल लाइफ पर बात करती दिखती हैं अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में वे सेहत के महत्व पर बात करती दिखी हैं हिना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक मैसेज शेयर किया है, इसमें लिखा है, सबकुछ बहुत महत्वपूर्ण है, सिर्फ तब तक, जब तक आप बीमार नहीं हो जाते आगे लिखा है, बीमार होने के बाद आपको एहसास होता है कि सिर्फ एक ही चीज महत्वपूर्ण थी और वह है आपकी सेहत हिना खान ब्रेस्ट कैंसर का उपचार करा रही हैं बीते दिनों हेल्थ अपडेट शेयर करते हुए उन्होंने बताया था कि उनकी कीमौथेरेपी और सर्जरी पूरी हो चुकी हैं

मैंने हर नारी में अपने किरदार को देखा है

एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा इन दिनों अपनी फिल्म मिसेज को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में फिल्म सान्या मल्होत्रा ने फिल्म और अपने किरदार को लेकर खास बातचीत की -

आपने जब इस किरदार को किया तो आपके मन भी ऐसा कुछ चलता था कि आपने इस रोल को अपने परिवार में कहीं देखा है?

मैंने अपने आस-पास कई औरतों को इन चीजों से गुजरता हुआ देखा है। मम्मी को देखा है कि लोग बोल देते थे कि घर का काम, काम थोड़ी होता है, सिर्फ बैठे रहना होता है। ये बहुत कॉमन था, जब मैं बड़ी हो रही थी। मेरी एक बहुत ही करीबी दोस्त के साथ ऐसा हुआ, हमने उनका इंटरव्यू किया। उनसे जाना कि उस रिश्ते में उनके साथ क्या चुनौतियां थीं। मैंने कई बार अपने घर में देखा कि मम्मी कुछ बनाती थी तो पापा कह देते थे कि ये नहीं मुझे वो खाना है या घर में पार्टी चल रही होती थी, तो लेडिज बाद में खाती थीं। आदमी और बच्चों के बाद जो बचता था वो घर की औरतें खाती थीं। ये बहुत ही सामान्य चीजें अपने घर में होते हुए देखी हैं।

आपकी फिल्म कई फिल्म फेस्टिवल में गई। मूवी को देखने के बाद आपको लोगों की तरफ से कुछ फीडबैक भी मिला होगा, उसके बारे में कुछ बताएं।

मेलबर्न में जब फिल्म की स्क्रीनिंग होनी थी तो मुझे लगता था कि पता नहीं लोगों को कैसा रिएक्शन होगा। फिर मैंने दर्शकों के साथ फिल्म को देखा तो लोगों का रिएक्शन काफी अच्छा था। जिन-जिन सींस पर मुझे लगता कि पता नहीं लोग कैसे रिएक्ट करेंगे, उन सभी पर लोगों ने अच्छे रिएक्शंस दिए। बहुत सारे लोग तालियां, सीटियां बजा रहे थे। बहुत सारी महिलाएं फिल्म देखने के दौरान ही बोल रही थीं कि उसके साथ ऐसा मत करो। तो लोग कम्युनिकेशन कर रहे थे फिल्म के साथ। जिन आदमियों ने फिल्म देखी उनका कहना था कि हमें अंदाजा नहीं था, जिन छोटी-छोटी चीजों को हम नजरअंदाज कर देते हैं, वो एक औरत पर कैसा प्रभाव छोड़ती हैं। एक अंकल तो बोल रहे थे कि आपने तो आदमियों की सही क्लास लगा दी।

फिल्म में रसोई एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है, तो क्या आपके जहन में पहले से ही रसोई से जुड़ी कुछ यादें थीं?

मुझे बचपन से ही खाना बनाना बहुत पसंद था। जब मैं बड़ी हो रही थी तो मैं अपनी मम्मी को इंप्रेस करने के लिए खाना बनाती थी, क्योंकि वो काफी बीमार रहती थीं। तो मुझे लगता था कि मैं उनको रोज नई-नई चीजें बनकर खिलाऊं। इसी वजह से मुझे रोटी बनाना अच्छे से आता है। मम्मी जब हॉस्पिटल से आती थीं, मैं सोचती थी कि उन्हें घर का बना क्या कुछ खिलाऊं।

आगे खिसकेगी धनुष की इडली कढ़ाई? अभिनेता के निर्देशन में बनी फिल्म!

साउथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपने व्यस्त प्रोफेशनल शेड्यूल के कारण चर्चा में हैं। अभिनेता के पास न केवल कई प्रोजेक्ट हैं, बल्कि वह अपने निर्देशन पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सुपरस्टार ने हाल ही में अपनी निर्देशित फिल्म नीक के साथ एक धमाकेदार हिट फिल्म दी है। अब, उनकी अगली निर्देशित फिल्म इडली कढ़ाई के बारे में कुछ नई जानकारी सामने आई है।

इस दिन बड़े पर्दे पर आएगी फिल्म

इडली कढ़ाई में धनुष अभिनय भी कर रहे हैं। फिल्म में वह अभिनेत्री नित्या मेनन के साथ नजर आएंगे। वहीं, अब इस फिल्म को लेकर खबरें हैं कि इसकी रिलीज की तारीखों में बदलाव होने की संभावना है। इडली कढ़ाई को पहले 10 अप्रैल, 2025 को रिलीज किया जाना था। हालांकि, अब चर्चा है कि फिल्म को स्थगित किया जा सकता है और अगस्त और सितंबर 2025 के बीच कभी भी बड़े पर्दे पर आने की संभावना है।

फिल्म में देरी की वजह?

रिपोर्ट्स के अनुसार, देरी की वजह धनुष निर्देशित फिल्म के कुछ हिस्से अभी भी अधूरे रह जाना हो सकता है। यह प्रोजेक्ट फिलहाल रुका हुआ है, क्योंकि अभिनेता आनंद एल राय द्वारा निर्देशित अपनी हिंदी फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग में व्यस्त हैं। हालांकि, इस मामले में निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

धनुष का वर्कफंट

वहीं, अभिनेता को लेकर और भी कई चर्चाएं हो रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, धनुष ने एक और प्रोजेक्ट निर्देशन के लिए साइन किया है। इस बार उनके साथ कोई और नहीं, बल्कि तमिल सुपरस्टार अजित कुमार होंगे। यहां तक कि फिल्म में अनिरुद्ध रविचंदर को संगीतकार के रूप में शामिल किए जाने की चर्चा है। हालांकि, इन खबरों पर भी आधिकारिक मुहर लगनी बाकी है। वहीं, बात करें धनुष के वर्कफंट की तो अभिनेता के पास शेखर कम्मुला की कुबेर भी है । निर्माताओं ने हाल ही में घोषणा की कि मल्टी-स्टारर यह फिल्म 20 जून, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।

विदेश में अभिनय से जुड़ी स्पेशल ट्रेनिंग ले रहे अल्लू अर्जुन

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा 2 द रूल की दमदार सफलता का जश्न मना रहे हैं। वहीं, इस बीच अब अभिनेता अपनी अगली फिल्मों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अब उनके पास एटली, त्रिविक्रम श्रीनिवास और संदीप रेड्डी वांगा के साथ फिल्में हैं। शुरुआत में अल्लू अर्जुन ने त्रिविक्रम की फिल्म शुरू करने की योजना बनाई थी, लेकिन अब उन्होंने अपना मन बदल लिया है और एटली के प्रोजेक्ट को प्राथमिकता दी है।

विदेश में ट्रेनिंग ले रहे अल्लू अर्जुन

पिछले कुछ दिनों से अल्लू अर्जुन भारत से दूर हैं। बीते कुछ दिनों से प्रशंसकों और दर्शकों को लग रहा था कि वह छुट्टी मना रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। अभिनेता विदेश छुट्टियां मनाने नहीं, बल्किन स्पेशल ट्रेनिंग लेने गए हैं। इस बात का खुलासा अभिनेता के करीबी सहयोगी और तंडेल के निर्माता बनी वास ने किया है। दरअसल, उन्होंने अल्लू अर्जुन की ट्रेनिंग लेने की जानकारी छावा के तेलुगु प्रचार के दौरान साझा की।

बनी वास ने साझा की ये जानकारी

बनी वास ने कहा, अल्लू अर्जुन गारू एक महीने की ट्रेनिंग के लिए गए थे। बनी गारू हमेशा अपने खाली समय में अभिनय और अन्य कला-संबंधित क्षेत्रों के बारे में शोध करते हैं। उसी के तहत उन्होंने पिछले एक महीने में एक वेलनेस सेंटर में प्रशिक्षण लिया और आज शहर में उतरे। मैं अभी तक उनसे नहीं मिला हूं, लेकिन उनकी टीम जल्द ही उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट देगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्लू अर्जुन एटली की आने वाली फिल्म में एक योद्धा की भूमिका निभाएंगे, जिसे 600 करोड़ रुपये के बजट पर बनाया जा रहा है।

चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट में आज होगा भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट के फाइनल में रविवार को भारतीय टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। इसमें दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। भारतीय टीम ने इस बार सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनायी है। भारतीय टीम ने अब तक इस टूर्नामेंट में अपने सभी मुकाबले जीते हैं। वहीं न्यूजीलैंड को लीग स्तर पर भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो कीवी टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि उसे इसके पहले हुए तीन आईसीसी नॉकआउट मुकाबलों में जीत मिली है। दोनों टीमों का पिछले कुछ साल में आईसीसी टूर्नामेंट में प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। न्यूजीलैंड की टीम में निरंतरता रही है। वहीं भारतीय टीम ने अपना दबदबा दिखते हुए साल 2011 से अब तक आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा मैच जीते हैं।

भारतीय टीम इस एक दशक से अधिक समय में 86 में से 70 मुकाबले जीते हैं, जबकि न्यूजीलैंड ने 77 मैचों में 49 मुकाबले जीते हैं। इससे साफ है कि , मैच जीतने के मामले में भारतीय टीम अपनी विरोधी से कहीं आगे है पर जब बात ट्रॉफी जीतने की आती है, तो टीम इंडिया और न्यूजीलैंड दोनों के पास ही उम्मीद के अनुसार सफल नहीं रही हैं। साल 2011 से अब तक 14 आईसीसी प्रतियोगिताएं हो चुकी हैं, जिसमें भारत सिर्फ दो बार ही नॉकआउट स्टेज में नहीं पहुंच पाया है। भारत ने इस दौरान चार सेमीफाइनल खेले हैं और पांच बार टीम उपविजेता रही है। तीन बार भारत ने ट्रॉफी जीतने में सफलता हासिल की है।

वहीं न्यूजीलैंड ने भी निरंतरता दिखाते हुए इस दौरान आठ बार नॉकआउट स्तर पर प्रवेश किया है। उसने चार सेमीफाइनल खेले हैं और तीन बार वह उपविजेता रही है। उसने साल 2021 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत को हराया भी है। दोनों टीमों के ये आंकड़े बेहतरीन हैं। इस अवधि में कोई अन्य टीम इतनी बार सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई है। साल 2011 से अब तक सबसे ज्यादा नॉकआउट खेलने वाली टीमों में भारतीय टीम अब तक 12 मैचों के साथ शीर्ष पर है। वहीं न्यूजीलैंड ने इस अवधि में

8 बार आईसीसी नॉकआउट मैच खेले और भारत के बाद वह इस मामले में दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं जबकि ट्रॉफी जीतने के मामले में पहले नंबर पर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस अवधि में सिर्फ 6 ही नॉकआउट मैच खेले हैं। एकदिवसीय प्रारुप की बात करें तो भारत ने साल 2011 से अब तक 38 ग्रुप स्टेज मैच खेले हैं, जिसमें वह केवल तीन बार ही हारी है और एक मैच टाई रहा है। यह आंकड़ा बाकी सभी टीमों से कही बेहतर है। साल 2019 एकदिवसीय विश्वकप में भारत को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने ही हराया था। इसलिए न्यूजीलैंड के खिलाफ नॉकआउट में भारतीय टीम को सावधान रहते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दोनो ही टीमों के पास बेहतर बल्लेबाज और स्पिनर हैं, ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड- मिशेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विलियम ओरोर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग, जैकब डफी, काइल जेमिसन।

रोहित शर्मा के आगे नई मुसीबत तैयार, जसप्रीत बुमराह की फिटनेस रिपोर्ट ने लाए पसीने

मुंबई (एजेंसी)। भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह जनवरी 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान लगी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे हैं। ताजा खबर है कि उन्हें चोट से पूरी तरह उभरने में अभी समय लग सकता है। इस कारण वह आईपीएल के पहले दो सप्ताह चूक सकते हैं। यह खबर सीधे तौर पर रोहित शर्मा को परेशान करने वाली हो सकती है। भले ही मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या है लेकिन टीम पर अभी भी रोहित का प्रभाव है। ऐसे में मुख्य तेज गेंदबाज के ऐसे बाहर होने से टीम की परफार्मेंस पर सीधा असर पड़ सकता है। मुंबई पिछले सत्र में 10वें स्थान पर रही थी। अगर इस बार भी उनका मुख्य गेंदबाज न हुआ तो मुसीबत और भी बढ़ सकती है।

सिडनी में पांचवें टेस्ट मैच के दौरान बुमराह को पीठ के निचले हिस्से में चोट लगी थी। कहा गया कि उन्हें पीठ में ऐंठन है। इस चोट के कारण उन्हें पहली पारी में 10 ओवर गेंदबाजी करने के बाद बाहर होना पड़ा। वह दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए। नतीजतन वह इंग्लैंड के खिलाफ बाद की सफेद गेंद की श्रृंखला से चूक गए और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए, जो भारतीय टीम के लिए एक बड़ा झटका था।

बहरहाल, बुमराह बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (पूर्व में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में पुनर्वास से गुजर रहे हैं। चोट लगने के तुरंत बाद उन्होंने जिम वर्कआउट और हल्के

गेंदबाजी सत्रों सहित शुरुआती गतिविधियों के साथ अपना पुनर्वास शुरू कर दिया। उनपर बीसीसीआई की मेडिकल टीम द्वारा बारीकी से निगरानी की जा रही है।

हालिया अपडेट से पता चलता है कि बुमराह ने गेंदबाजी फिर से शुरू कर दी है, लेकिन वह अभी भी पूरी तीव्रता से गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बीते सप्ताह सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वह नेट्स पर गेंदबाजी करते दिख रहे थे। हालांकि, रिपोर्ट्स बताती हैं कि उनके मेडिकल स्कैन साफ हैं लेकिन मेडिकल टीम उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट के लिए मंजूरी देने से पहले यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वह बिना किसी परेशानी के पूरी क्षमता से गेंदबाजी कर सकें। बुमराह साल 2022 में भी पीठ में फ्रैक्चर से परेशान रहे जिस कारण वह खेल से एक साल बाहर रहे थे। माना जा रहा है कि बुमराह 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2025 सीजन के पहले दो सप्ताह चूक सकते हैं। यही नहीं, आईपीएल के बाद इंग्लैंड का महत्वपूर्ण दौरा है जहां भारत ने 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।

चैम्पियंस ट्रॉफी : न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में बड़ी पारी खेलना चाहते हैं शुभमन

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का लक्ष्य रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबले में विकेट पर रुककर बल्लेबाजी करते हुए बड़ी पारी खेलना है। शुभमन अपना दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट फाइनल खेलने जा रहे हैं। वहीं इससे पहले साल 2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में शुभमन बड़ स्कोर नहीं बना पाये थे और केवल चार रन बनाकर आउट हो गये थे। शुभमन अब एकदिवसीयस बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंच गये हैं और दबाव को बेहतर तरीके से संभालने तैयार हैं।

शुभमन ने कहा, तब एकदिवसीय मैच के फाइनल में मेरे मन में कुछ घबराहट थी। शुभमन ने कहा, मैंने बहुत सी चीजें सीखीं। यह मेरा पहला आईसीसी फाइनल था। मैं बहुत उत्साहित था इसलिए उस मैच में संयम नहीं रख पाया। मुझे लगता है कि बड़े आईसीसी नॉकआउट मैचों में, आप जितना सोचते हैं, उससे थोड़ा ज्यादा समय अपने को दे सकते हैं।÷

इस क्रिकेटर ने कहा, हम 2023 में विश्व कप फाइनल हार गए और फिर टी20 विश्व कप 2024 में में जीते। इसलिए मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में हमारे पास अच्छी गति है। यह हमारे लिए वाकई रोमांचक मैच होगा और निश्चित रूप से, अगर हम इसे जीतने में सफल रहेंगे। जिससे हम इस साल इस प्रारूप का शानदार तरीके से समापन कर सकेंगे। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए एक बहुत बड़ा अवसर है हालांकि इस दौरान प्रशंसकों का भी भारी दबाव रहता है।

आईपीएल ट्रॉफी के बिना अधूरा रहेगा विराट कोहली का करियर: एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली का शानदार करियर तब और खास हो जाएगा जब वह आरसीबी को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जिताएंगे। यह मानना है दक्षिण अफ्रीका और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का। विराट कोहली 2008 में आईपीएल की शुरुआत से ही आरसीबी से जुड़े हुए हैं और उन्होंने 140 मैचों में टीम की कप्तानी भी की है। हालांकि, अब तक वह एक भी आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं, जिससे उनकी उपलब्धियों की सूची में यह एक अधूरा सपना बना हुआ है। विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 252 मैचों में 38.67 की औसत से 8,004 रन बनाए हैं, जिसमें 8 शतक और 55 अर्धशतक शामिल हैं। वह इस टूर्नामेंट में 6,769 रनों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद शिखर धवन से काफी आगे हैं। बावजूद इसके, आरसीबी 17 सीजन में एक भी बार चैंपियन नहीं बन सकी है। टीम 2009, 2011 और 2016 में तीन बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन हर बार उसे हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल 2025 की शुरुआत से पहले, डिविलियर्स ने उम्मीद जताई है कि इस बार विराट अपनी टीम के लिए खिताब जीत सकते हैं। उन्होंने एक इवेंट में कहा, ÷विराट के खेल में नयापन और निडरता साफ दिखती है। वह अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर नए शॉट्स आजमा रहे हैं और

अपनी बल्लेबाजी को लगातार बेहतर कर रहे हैं। आरसीबी के साथ आईपीएल जीतना उनके पहले से ही शानदार करियर के लिए परफेक्ट फिनिशिंग टच होगा।÷ डिविलियर्स ने पिछले सीजन में कोहली के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनका स्ट्राइक रेट कोई समस्या नहीं थी, बल्कि उन्होंने वही भूमिका निभाई जो टीम को उनसे चाहिए थी। उन्होंने कोहली की तुलना दिल्ली कैपिटल्स के फ्रेजर मैकगर्क से करते हुए कहा कि विराट को पारी को संभालने की जिम्मेदारी दी गई थी और उन्होंने इसे बखूबी निभाया। आरसीबी आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 22 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ करेगी।

डब्ल्यूपीएल : हरमनप्रीत पर मैच फीस का दस फीसदी जुर्माना लगा

लखनऊ । मुम्बई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर पर यहां के एकाना स्टेडियम में यूपी वॉरियर्स के खिलाफ हुए डब्ल्यूपीएल मुकाबले में आचार संहिता उल्लंघन के लिए जुर्माना लगा है। हरमनप्रीत पर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। हरमनप्रीत ने यूपी के खिलाफ मुकाबले में फील्डिंग नियमों को लेकर अंपायर के फैसले पर असहमति जतायी थी। इस मैच में अंपायर ने धीमी ओवर गति के कारण मुंबई इंडियंस को अंतिम ओवर के लिए अंदरुनी घेरे में केवल तीन फील्डर रखने का आदेश दिया था, इससे हरमनप्रीत सहमत नहीं थीं। हरमनप्रीत के अलावा गेंदबाज कर रही अमेलिया केर ने भी अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। ये दोनों जब अंपायर से बात कर रही थीं तो यूपी वॉरियर्स की बल्लेबाज सोफी एक्लेस्टोन भी अंपायर के पास पहुंच गई। इससे हरमनप्रीत भड़क गयीं। बहस बढ़ी तो यूपी वॉरियर्स की कप्तान दीप्ति शर्मा ने किसी प्रकार मामला शांत करवाया। इस मामले में डब्ल्यूपीएल ने आधिकारिक बयान जारी कर लिखा, हरमनप्रीत ने अनुच्छेद 2.8 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया है, जो मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : फाइनल में दिखेगा गोल्डन बॉल की रेस रोमांचक

नई दिल्ली । रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस महामुकाबले में दोनों टीमें ट्रॉफी पर कब्जा जमाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह मैच बेहद खास होने वाला है, जहां हर रन और हर विकेट की कीमत होगी। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में रही है, वहीं न्यूजीलैंड की टीम भी अपने दमदार प्रदर्शन के साथ फाइनल तक पहुंची है। इस खिताबी मुकाबले में जहां एक तरफ टीम इंडिया अपने मजबूत बल्लेबाजी क्रम के दम पर खिताब जीतने की कोशिश करेगी, वहीं न्यूजीलैंड अपनी घातक गेंदबाजी से भारतीय टीम को रोकने की रणनीति बनाएगा। इस मुकाबले में टीमों की जीत के साथ व्यक्तिगत उपलब्धियां भी दांव पर लगी होंगी।

खासतौर पर गोल्डन बैट और गोल्डन बॉल अवॉर्ड की रेस में कुछ खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है। गोल्डन बॉल अवॉर्ड उस गेंदबाज को दिया जाता है, जिसने पूरे टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट चटकाए हों। इस समय न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी गोल्डन बॉल की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। उन्होंने अब तक चार मैचों में 10 विकेट झटके हैं। उनके बाद भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी हैं, जिन्होंने चार मैचों में आठ विकेट लिए हैं। वहीं, भारतीय टीम के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने सिर्फ दो मैचों में सात विकेट लेकर सभी को चौंका दिया है। न्यूजीलैंड के कप्तान और ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर भी इस रेस में बने हुए हैं, जिन्होंने अब तक चार मैचों में सात विकेट अपने नाम किए हैं।

कैसे माही की एक सलाह ने मुझे आत्मविश्वास दिलाया: राहुल त्रिपाठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर राहुल त्रिपाठी ने बताया कि कैसे पूर्व कप्तान एमएस धोनी की सलाह ने उन्हें 2017 में आईपीएल में पदार्पण के दौरान मदद की। फ्रैंचाइजी के लिए अपने पहले मैच से पहले माही ने त्रिपाठी को शांत करने में मदद की।

उन्होंने कहा, अपना पहला मैच खेलने से दो दिन पहले, मैं ड्रेसिंग रूम में उन्हें देख रहा था। उन्होंने मुझे बुलाकर कहा कि मैं कुछ भी अतिरिक्त करने या सोचने की कोशिश न करूं और मुझे प्रशिक्षण के दौरान जिस तरह से खेल रहा था, उसी तरह खेलने के लिए माही ने कहा। यह देखते हुए कि यह सलाह उस कद के क्रिकेटर से आई थी और यह तथ्य कि मैं अपना पहला मैच खेलने जा रहा था, इससे मुझे बहुत आत्मविश्वास मिला। माही की इस सलाह ने वास्तव में मेरी घबराहट को शांत किया। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला।

क्रिकेट जगत में कई लोगों का सपना होता है कि वे उनके साथ क्रिकेट के अनुभव साझा करें और उनके साथ खेलें। उनके साथ रहकर मैंने देखा है कि वे कितने सरल हैं। लंबे इंतजार के बाद राहुल ने आखिरकार 31 साल की उम्र में जनवरी 2023 में श्रीलंका के खिलाफ टी201 सीरीज के दौरान भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। राहुल ने कहा, मैंने कभी हार नहीं मानी। कई बार यह कठिन था और ऐसा लगा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना सपना ही रह जाएगा है। लेकिन मैंने कोशिश करते रहने का फैसला किया और हमेशा विश्वास किया कि एक दिन मुझे वह मौका मिलेगा जिसका मैं इंतजार कर रहा था। और मुझे लगता है कि यह विश्वास ही एक कारण था कि मुझे आखिरकार मौका मिला। यह बहुत ही भावुक क्षण था। टीम के साथ 6-7 घंटे की यात्रा करने के बाद मैं आखिरकार अपना टी20आई डेब्यू करने में सक्षम हो गया। संयोग से, मैंने अपना डेब्यू पुणे में अपने घरेलू मैदान पर किया, जहां मैं बचपन से क्रिकेट खेल रहा हूं। इसलिए मुझे लगता है कि यह सब लिखा हुआ था।

राहुल ने अपनी सफलता का श्रेय पूर्व भारतीय क्रिकेटर और भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर को दिया। कोलकाता नाइट राइडर्स कैंप में नायर के साथ काम करने के अनुभव पर त्रिपाठी ने कहा, मुझे लगता है कि नायर ने मेरी यात्रा में सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मैं उन्हें अपना बड़ा भाई मानता हूं। उनसे मिलना मेरे जीवन का बदलाव था।

सभी प्रारूपों में खेलने के लिए तैयार हूं, लेकिन क्लासिकल शतरंज हमेशा राज करेगा : गुकेश

नयी दिल्ली । शतरंज के बदलते परिदृश्य से बेफिक्र मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश सभी प्रारूपों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि फ्रीस्टाइल शतरंज जहां रोमांच पैदा करता है वहीं अपने समृद्ध इतिहास के साथ क्लासिकल शतरंज हमेशा सबसे महत्वपूर्ण बना रहेगा। शतरंज में अभी दो वर्ग सामने आ रहे हैं। इनमें एक वर्ग जहां फ्रीस्टाइल का समर्थक है तो दूसरा वर्ग क्लासिकल शतरंज के प्रति वफादार बना हुआ है। इससे शतरंज में विभाजन की संभावना बन गई है। पिछले साल चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व चैंपियन बनने वाले गुकेश को नहीं लगता है की शतरंज दो गुट में बंट जाएगा। गुकेश ने यहां इंडिया टुडे कॉन्क्लेव 2025 में कहा, ''मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता। फ्रीस्टाइल काफी रोमांचक है और मैं इसमें खेल कर खुश हूं। लेकिन यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह तेजी से आगे बढ़ रहा है। फ्रीस्टाइल में अभी तक केवल दो ही बड़े टूर्नामेंट हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं चाहता हूं कि फ्रीस्टाइल सशक्त हो जाए लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह शतरंज के मूल प्रारूप पर हावी हो जाएगा। क्लासिकल शतरंज का इतिहास और विरासत इसे और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है।'' गुकेश ने कहा, ''क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज़ के साथ फ्रीस्टाइल का जुड़ना खेल के लिए अच्छा है लेकिन यह देखना बाकी है कि यह प्रारूप कैसे आगे बढ़ता है। मैं सभी प्रारूपों में खेलने के लिए तैयार हूं।'' गुकेश ने इसके साथ ही सात से 14 अप्रैल तक होने वाले फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर के पेरिस चरण के लिए अपनी भागीदारी की पुष्टि की। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और गुकेश उन चोटी के 12 ग्रैंडमास्टर में शामिल है जिन्होंने 750,000 डॉलर की पुरस्कार राशि वाले पेरिस चरण में भाग लेने की पुष्टि की है। इस भारतीय खिलाड़ी के लिए विश्व चैंपियन बनने तक की राह आसान नहीं रही और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने के लिए उन्हें अपने करीबी लोगों से भी पैसा जुटाना पड़ता था। गुकेश ने कहा, ''मुझे याद है कि मेरे माता-पिता के दोस्त मुझे विदेश में टूर्नामेंट खेलने के लिए प्रायोजित कर रहे थे। उस समय यह काफी मुश्किल था और हमें बहुत-बहुत अच्छे और निस्वार्थ लोगों से बहुत मदद मिली। पिछला साल हमारे लिए आर्थिक रूप से बहुत अच्छा था।'' उन्होंने कहा कि परिस्थितियों में बदलाव से न केवल उन्हें बल्कि उनके परिवार को भी राहत मिली है। गुकेश ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है कि मेरे माता-पिता को अब पैसे के बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं है। अब हमें पहले की तरह संघर्ष नहीं करना पड़ रहा है और हम आरामदायक जिंदगी जी सकते हैं।

3 मैच बारिश से धुले, सुरक्षा घेरा टूटा, पर पाक विशेषज्ञ बोले- सफल रहा चैम्पियंस ट्रॉफी आयोजन

कराची (एजेंसी)। बारिश के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी के 3 मैच रद्द होने, टीम के बाहर होने के बाद स्थानीय दर्शकों की दिलचस्पी खत्म होने, स्टेडियम तैयार करने पर पानी की तरह पैसा बहाने, हाइब्रिड मॉडल, सुरक्षा के कड़े उपायों के बावजूद पाकिस्तान में विशेषज्ञों का मानना है कि चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन सफल रहा और भविष्य में यहां और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट हो सकेंगे। सुरक्षा कारणों से भारत के पाकिस्तान में खेलने से इनकार के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल पर हुआ जिसमें भारत ने सारे मैच दुबई में खेले। पाकिस्तान की टीम नॉकआउट चरण में भी नहीं पहुंच सकी। क्रिकेट विश्लेषक ओमेर अलावी ने कहा कि लाहौर में सेमीफाइनल से एक दिन पहले बन्नू में आतंकी हमले की घटना हुई जिसे देखते हुए हमें शुक्र मनाना चाहिए कि इतने बड़े टूर्नामेंट में एक भी अप्रिय घटना नहीं हुई। पाकिस्तान ने कराची, लाहौर और रावलपिंडी में 16000 के करीब पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात कर रखे थे। आस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ, दक्षिण अफ्रीका के तेम्बा बावुमा और न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनेर बोल ही चुके हैं कि पाकिस्तान में कड़े सुरक्षा उपायों के बाद दुबई में खेलकर वह कितनी राहत महसूस कर रहे थे। आईसीसी के सुरक्षा मैनेजर डेव मस्कर ने हालांकि टूर्नामेंट को सफल बताया। उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मियों का समन्वय और पेशेवरपन बहुत अच्छा था। मैं कहूंगा कि यह सफल आयोजन था। सुरक्षा विश्लेषक सोहेल खान ने कहा कि पाकिस्तान ने अच्छी मेजबानी की और एक भी अप्रिय घटना नहीं घटी। सभी की नजरें हमारे सुरक्षाकर्मियों पर थीं जिन्होंने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया।

अगर कोई एक टीम भारत को हरा सकती है, तो वह न्यूजीलैंड है: शास्त्री

दुबई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल से पहले, भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के लिए चेतावनी जारी की, जो टूर्नामेंट में अपने तीसरे खिताब की तलाश में है। भारत के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप स्टेज की जीत सहित अब तक चार मैचों में अपराजित रिकॉर्ड होने के बावजूद, शास्त्री को लगता है कि ब्लैककैप्स एकमात्र टीम है जो उन्हें हरा सकती है।

अनुभवी खिलाड़ी का आकलन गलत नहीं है क्योंकि न्यूजीलैंड ने पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी नॉकआउट में भारत पर जीत हासिल की है, उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में उनके बीच खेले गए चार में से तीन मैच जीते हैं।

शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, 'अगर कोई एक टीम भारत को हरा सकती है, तो वह न्यूजीलैंड है। इसलिए भारत पसंदीदा के रूप में शुरू होता है, लेकिन केवल थोड़ा सा। शास्त्री ने

फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच के लिए तीन ऑलराउंडर - रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और ग्लेन फिलिप्स को चुना। 'प्लेयर ऑफ द मैच, मैं किसी ऑलराउंडर को चुनूंगा। मैं भारत से अक्षर पटेल या रवींद्र जडेजा को चुनूंगा। न्यूजीलैंड से, मुझे लगता है कि ग्लेन फिलिप्स में कुछ खास है। वह मैदान में शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'वह 40, 50 रन की पारी खेल सकते हैं और शायद एक या दो विकेट लेकर आपको चौंका सकते हैं।'

शास्त्री ने भविष्यवाणी की कि अगर उनकी टीमें खिताब जीतती हैं तो विराट कोहली, केन विलियमसन और रचिन रवींद्र रविवार को अहम भूमिका निभाएंगे। विलियमसन और कोहली दोनों ही शानदार फॉर्म में हैं, दोनों ने अपने चार मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक लगाया है। रवींद्र भी असाधारण रहे हैं, उन्होंने दो शतक बनाए हैं, जिसमें सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच की जीत शामिल है।

शास्त्री ने कहा, ÷अब मौजूदा फॉर्म की बात करें तो कोहली। जब ये खिलाड़ी शानदार फॉर्म में होते हैं और आप उन्हें अपने पहले 10 रन बनाने देते हैं, तो वे मुसीबत बन जाते हैं। चाहे वह विलियमसन हों या कोहली।इसलिए, न्यूजीलैंड से मैं विलियमसन का नाम लूंगा। एक हद तक रचिन रवींद्र, वह एक शानदार युवा खिलाड़ी हैं। लेकिन जब ये खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं और आप उन्हें फाइनल में 10-15 रन बनाने देते हैं, तो वे दोगुने खतरनाक हो जाते हैं।'

दुबई में होने वाले फाइनल मैच के साथ - एक ऐसा मैदान जो पूरे टूर्नामेंट में स्पिनरों के लिए मददगार रहा है - शास्त्री से पूछा गया कि क्या कोई भी टीम अपनी प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकती है, खासकर न्यूजीलैंड, जो इसी मैदान पर भारत के खिलाफ ग्रुप-स्टेज मैच हार गया था। शास्त्री ने कहा, 'मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर पिच के आधार पर दोनों में से किसी भी टीम के लिए कोई बदलाव हो। क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमने जो पिच देखी थी, वह टूर्नामेंट में अब तक की सबसे अच्छी पिच थी।' उन्होंने कहा, ÷इसलिए ग्राउंड्समैन के पास पिछले मैच के बाद से सतह तैयार करने के लिए पांच दिन और हैं और अगर यह पिछली बार की तरह 280-300 की सतह है, तो आप इसके बारे में सोचना चाहेंगे। लेकिन आप तब तक टीम में बदलाव नहीं करेंगे जब तक कि जरूरी न हो।'

रॉयल्स ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पिंक प्रॉमिस जर्सी लॉन्च की

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को पिंक प्रॉमिस जर्सी लांच की है। रॉयल्स ने आईपीएल 2025 में होने वाले अपने मुकाबले के लिए ये गुलाबी जर्सी लांच की। रॉयल्स का लक्ष्य इस जर्सी को लांच कर राजस्थान में महिलाओं के नेतृत्व वाले परिवर्तन का समर्थन करना है। इस प्रतिबद्धता को सबसे बड़े मंच पर ले जाते हुए रॉयल्स की टीम एक मई को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिंक प्रॉमिस मैच की मेजबानी भी करेगी। रॉयल्स ने इसी को लेकर कहा, रॉयल्स की सीएसआर शाखा रॉयल राजस्थान फाउंडेशन (आरआरएफ) ने भी एक शक्तिशाली पिंक प्रॉमिस अभियान फिल्म, औरत है तो भारत है के लॉन्च के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। गौरतलब है कि पिछले साल, पिंक प्रॉमिस अभियान ने ल्यूमिनस कंपनी के समर्थन से 250 से अधिक घरों में रोशनी लाकर हजारों लोगों के जीवन को रोशन किया था।

संक्षिप्त समाचार

चीनी वैज्ञानिकों ने हासिल की बड़ी सफलता

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विज्ञान अकादमी के थ्येनचिन औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी संस्थान ने हाल ही में एंजाइम उत्प्रेरक तंत्र के विश्लेषण में बड़ी सफलता हासिल की। यह सफलता गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक पत्रिका नेचर में प्रकाशित की गई। बताया जाता है कि रिएक्टिव ऑक्सीजन सुपरऑक्साइड आयन औषधि अणुओं के संश्लेषण का उत्प्रेरक है। इससे कृत्रिम रूप से कुशल जैव उत्प्रेरकों का डिजाइन करने के लिए नया रास्ता खोला गया। बायो फार्मास्युटिकल्स, हरित रसायन और नवीन ऊर्जा विकास आदि क्षेत्रों में इसके प्रयोग की बड़ी निहित शक्ति है। लंबे समय से रिएक्टिव ऑक्सीजन सुपरऑक्साइड आयन को स्वास्थ्य हत्यारा कहा जाता है। कोशिका चयापचय में पैदा रिएक्टिव ऑक्सीजन कण मनमाने ढंग से डीएनए को काटते हैं और प्रोटीन को नष्ट करते हैं। पुष्टि की गई है कि रिएक्टिव ऑक्सीजन सुपरऑक्साइड आयन कैंसर और बुढ़ापे में होने वाली बीमारियों से भी घनिष्ठ रूप से संबंधित है, इसीलिए विश्वव्यापी वैज्ञानिक इसे साफ करने की ढाल का अनुसंधान करने का प्रयास कर रहे हैं।

पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर, वेटिकन शनिवार को देगा अगला अपडेट

रोम, एजेंसी। सांस लेने से जुड़े गंभीर संक्रमण डबल निमोनिया से पीड़ित पोप फ्रांसिस की तबीयत स्थिर है। वेटिकन की तरफ से जारी बयान के मुताबिक उन्हें सांस लेने का कोई नया संकट या बुखार नहीं हुआ है। चिकित्सकों ने कहा कि पोप की सेहत से जुड़ी अगली जानकारी या स्वास्थ्य पर अपडेट शनिवार को जारी किया जाएगा। हालांकि, पूर्वानुमान के मुताबिक पोप अब भी खतरे से बाहर नहीं हैं।

ईरान में सैन्य स्थल पर विस्फोट में 1 की मौत, 10 अग्निशमनकर्मी घायल

तेहरान, एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान में एक सैन्य अड्डे पर धमाके में एक शख्स की मौत होने की खबर है। इस हादसे में 10 अग्निशमन कर्मी घायल हो गए। ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर समाचार एजेंसी ने कहा कि आग पहले कंटेनर के अंदर लगी। जब अग्निशमन कर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास किया तो विस्फोट हो गया। चार अग्निशमन कर्मियों को अस्पताल ले जाया गया तथा छह अन्य को मामूली चोटों के कारण घटनास्थल पर ही उपचार दिया गया। फिलहाल आग लगने और विस्फोट के कारणों का पता नहीं लगा है।

लंदन क्रॉसबो हत्या : 26 वर्षीय हत्यारोपी पूर्व पार्टनर के साथ दुष्कर्म का भी दोषी, तीन महिलाओं की हुई थी मौत

लंदन, एजेंसी। लंदन में एक 26 साल के शख्स को महिला और उसकी दो बेटियों की हत्या का दोषी पाया गया था। हत्या के दौरान धनुष जैसी आकृति वाले हथियार क्रॉसबो का इस्तेमाल किया गया, जिसके कारण इसे लंदन क्रॉसबो कांड भी कहा जाता है। इस शख्स को कोर्ट ने अब अपनी पूर्व पार्टनर के साथ दुष्कर्म का भी दोषी पाया है। लगभग 45 मिनट की जिरह के बाद कैम्ब्रिज क्राउन कोर्ट में जूरी ने काइल क्लिफोर्ड को 25 वर्षीय पूर्व प्रेमिका लुईस हंट के साथ दुष्कर्म का दोषी ठहराया। हत्या के लिए महिला और उसकी बेटियों पर काइल ने क्रॉसबो और चाकू से हमला किया था। पिछली बार की पेशी में लुईस ने दुष्कर्म के आरोपों से इनकार किया था। जिन तीन लोगों की हत्या की गई, उसमें लुईस हंट, बड़ी बहन हन्नाह हंट (28 साल) और दोनों की मां कैरोल हंट (61) शामिल हैं। दोनों बहनों की क्रॉसबो से हत्या की गई, जबकि मां को चाकू घोंपकर मौत की नींद सुला दिया गया। महिलाएं बीबीसी से जुड़े कमेंटेटर जॉन हंट की पत्नी और बेटियां थीं।

अमेरिका और यूक्रेन अगले सप्ताह सऊदी अरब में करेंगे शांति वार्ता : जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और यूक्रेन अगले सप्ताह सऊदी अरब में वार्ता शुरू करेंगे। उन्होंने गुरुवार सोशल मीडिया पर कई पोस्ट में यह घोषणा की। जेलेंस्की ने कहा, 卐अगले सप्ताह, सोमवार को, क्राउन प्रिंस से मिलने के लिए मेरी सऊदी अरब यात्रा की योजना है। उसके बाद, मेरी टीम हमारे अमेरिकी साझेदारों के साथ काम करने के लिए सऊदी अरब में रहेगी। यूक्रेन शांति में सबसे अधिक रुचि रखता है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि अगले सप्ताह सऊदी अरब में यूक्रेन के साथ बैठक की योजना बनाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति समझौते की रूपरेखा और शुरुआती युद्धविराम के लिए कीव के साथ चर्चा चल रही है। विटकॉफ ने कहा कि पिछले शुक्रवार को व्हाइट हाउस में हुई दुर्भाग्यपूर्ण बैठक के बाद जेलेंस्की के पत्र से ट्रंप खुश हैं। उन्होंने कहा, 卐उन्हें (ट्रंप को) लगा कि जेलेंस्की का पत्र एक बहुत ही सकारात्मक कदम था। इसमें माफी मांगी गई। इसमें यह स्वीकृति थी कि अमेरिका ने यूक्रेन के लिए बहुत कुछ किया है। साथ ही इसमें कृतज्ञता की भावना थी। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह संभवत: अगले डेढ़ महीने में सऊदी अरब का दौरा करेंगे, लेकिन उन्होंने तारीख का ऐलान नहीं किया। बता दें पिछले शुक्रवार को व्हाइट में जेलेंस्की की ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ सार्वजनिक रूप से तीखी बहस हो गई थी जिसे पूरी दुनिया ने देखा। जेलेंस्की की संभावित सऊदी अरब यात्रा इस बात का संकेत है कि ओवल ऑफिस में तीखी बहस से पैदा हुआ तनाव कम हो रहा है। इस घटनाक्रम के बाद अमेरिका ने यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता देना और यूक्रेनी सशस्त्र बलों के साथ खुफिया जानकारी साझा करना बंद कर दिया। बता दें कि रियाद में ही वाशिंगटन और मॉस्को की रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति वार्ता हुई थी जिसमें कीव या किसी भी यूरोपीय देश को नहीं बुलाया गया था।

ट्रंप ने मेक्सिको और कनाडा को दी राहत, टैरिफ को कुछ दिनों के लिए टाला, कहा 2 अप्रैल से लागू होगा बड़ा टैरिफ

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से बड़े टैरिफ से पहले कुछ उत्पादों के लिए मेक्सिको और कनाडा पर टैरिफ में कुछ समय के लिए छूट देने की घोषणा की है. उन्होंने कहा कि मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ सार्थक बातचीत के बाद उन्होंने यह फैसला लिया. उन्होंने कनाडा को उच्च टैरिफ राष्ट्र होने के लिए फटकार लगाई. एक अधिकारी के अनुसार, कनाडा और मेक्सिको के खिलाफ टैरिफ में संशोधन अमेरिकी कार निर्माताओं और अमेरिकी किसानों की रक्षा के लिए लाया जा रहा है. यह नोट किया गया कि इस तरह से अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते योग्य वस्तुओं को मौजूदा टैरिफ से बाहर रखा जाएगा. सीएनएन के अनुसार, यूएसएमसीए पर ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान बातचीत की थी, जो तीन उत्तरी अमेरिकी देशों को एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाता है. संशोधनों के बारे में बताते हुए, ट्रंप ने कहा कि इस अंतरिम अवधि के दौरान, अब से 2 अप्रैल के बीच, यह हमारे अमेरिकी कार निर्माताओं के लिए बहुत अधिक अनुकूल है. मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ अपनी बातचीत के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मैंने आज मेक्सिको की राष्ट्रपति, एक अद्भुत महिला से बात की, और हमने उन्हें अल्पकालिक टैरिफ से जुड़ी एक समस्या से निपटने में मदद की. हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही. साथ ही, हमने दवाओं पर भी चर्चा की, और वे हाल ही में बहुत मेहनत कर रहे हैं. हमने दोनों पर बहुत प्रगति की है. ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में बातचीत का विवरण भी साझा किया. उन्होंने लिखा कि मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम से बात करने के बाद, मैं इस बात पर सहमत हो गया हूं कि मेक्सिको को यूएसएमसीए समझौते के तहत आने वाली किसी भी चीज पर टैरिफ का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी. यह समझौता 2 अप्रैल तक है. उन्होंने कहा कि मैंने यह एक समझौते के रूप में और राष्ट्रपति शिनबाम के प्रति सम्मान के कारण किया. हमारे संबंध बहुत अच्छे रहे हैं. हम सीमा पर, अवैध विदेशियों को संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने से रोकने के लिए साथ मिलकर कड़ी मेहनत कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम फेंटेनाइल (प्रतिबंधित ड्रग) को रोकने के मामले में भी साथ में काम कर रहे हैं. टैरिफ और कनाडा के बारे में बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि वे अगले सप्ताह होने वाले हैं और सबसे बड़ा टैरिफ 2 अप्रैल को होगा. कनाडा एक उच्च टैरिफ वाला देश है. कनाडा हमारे दूध उत्पादों और अन्य उत्पादों के लिए हमसे 250 प्रतिशत शुल्क लेता है. लकड़ी और ऐसी ही अन्य चीजों पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाता है. हमें उनकी लकड़ी की जरूरत नहीं है. हमारे पास उनकी तुलना में ज्यादा लकड़ी है. हमें कनाडा की लकड़ी की जरूरत नहीं है. अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इसलिए मैं जो करने जा रहा हूं, वह यह है कि मैं अपने जंगलों को मुक्त करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करूंगा ताकि हमें पेड़ों को काटने और बहुत सारा पैसा कमाने और फिर पेड़ों की कटाई करने की अनुमति मिल सके... हमें कनाडा से पेड़ों की जरूरत नहीं है. हमें कनाडा से कारों की जरूरत नहीं है. हमें कनाडा से ऊर्जा की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि हमें कनाडा से कुछ भी नहीं चाहिए... हम आत्मनिर्भर हो सकते हैं, जो कि ज्यादातर चीजों में है... मैं बहुत जल्द ही इसे मुक्त करने जा रहा हूं ताकि हमें लकड़ी खरीदने के लिए दूसरे देशों में न जाना पड़े. आप जानते हैं, हमें दूसरे देशों से लकड़ी क्यों खरीदनी चाहिए? इससे पहले गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जस्टिन ट्रूडो पर आरोप लगाया था कि वे कनाडा के लिए बहुत खराब काम करने के बावजूद अमेरिका के साथ टैरिफ समस्या का उपयोग करके प्रधानमंत्री पद के लिए फिर से चुनाव लड़ रहे हैं.

चीन के विदेश मंत्री ने अमेरिकी शुल्क की आलोचना की

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने शुक्रवार को अमेरिका पर 'अच्छाई का जवाब बुराई से देने' का आरोप लगाया। उन्होंने देश के वार्षिक संसदीय सत्र के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि चीन अमेरिका के 'मनमाने शुल्क' का जवाब देगा। वांग ने कहा कि अमेरिका को फेंटानिल संकट से निपटने में मदद करने के चीन के प्रयासों का जवाब दंडात्मक शुल्कों के रूप में दिया गया है, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो रहा है। वांग ने कहा, किसी भी देश को यह कल्पना नहीं करनी चाहिए कि वह चीन को दबा सकता है और साथ ही साथ चीन के साथ अच्छे संबंध भी बनाए रख सकता है। इस तरह के दोहरे कृत्य द्विपक्षीय संबंधों की स्थिरता या आपसी विश्वास के निर्माण के लिए अच्छे नहीं हैं।

असद समर्थकों ने घात लगाकर हमला किया, 13 पुलिस अधिकारियों की हत्या : दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में बंदूकधारियों ने गुरुवार को एक तटीय शहर में सीरियाई पुलिस गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया। इसमें कम से कम 13 सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। हमला ऐसे समय में हुआ है जब सीरिया के तटीय क्षेत्र में पूर्व राष्ट्रपति बशर असद के अल्पसंख्यक अलावी संप्रदाय और इस्लामी समूहों के सदस्यों के बीच तनाव बढ़ गया है। ब्रिटेन की संस्था- सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा, लाताकिया शहर के पास जबलेह कस्बे में हुए हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए।

अमेरिका के निजी मून मिशन की क्रैश लैंडिंग, चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना था

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक निजी कंपनी के चंद्रमा मिशन की चांद की सतह पर क्रैश लैंडिंग की आशंका जताई जा रही है। मिशन के लैंडर को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना था, लेकिन आखिरी समय पर लैंडर की क्रैश लैंडिंग हुई। हालांकि कंपनी ने अभी क्रैश लैंडिंग की पुष्टि नहीं की है और कहा है कि वे अभी तक इस बात को लेकर सुनिश्चित नहीं हैं कि लैंडिंग सही हुई या फिर गलत। उन्होंने कहा कि वे हालात का जायजा ले रहे हैं और स्थिति का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। चंद्रमा मिशन भेजने वाली कंपनी इनश्युटिव मशीन ने बयान में कहा है कि वे अभी तक अनिश्चित हैं कि क्या उनके लैंडर ने चांद की सतह पर सही लैंडिग की है या फिर वह टेढ़ा होकर गिर गया है। गौरतलब है कि एक साल पहले भी कंपनी का लैंडर सही लैंडिंग नहीं कर पाया था। मिशन के कंट्रोलर्स ने लैंडर के कुछ उपकरण बंद किए हैं ताकि उसकी ऊर्जा को बचाया जा सके और फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि लैंडिग के वक्त क्या गलत हुआ। टेक्सास की कंपनी इनश्युटिव मशीन नासा के व्यवसायिक चंद्रमा मिशन के तहत काम कर रही है। इससे पहले रविवार को भी कंपनी ने चांद की सतह पर सफल लैंडिंग की थी। कंपनी ने बताया कि उसका एथेना लैंडर तय योजना के तहत चांद की कक्षा में पहुंचा। चांद की कक्षा से सतह पर उतरने तक भी सब कुछ तय योजना के अनुसार हो रहा था। मिशन के निदेशक और कंपनी के सह-संस्थापक टिम क्रेन ने बताया कि हम सतह पर थे और हमे लगा कि हम सफलतापूर्वक सतह पर उतर गए हैं।

चीन और मेक्सिको से अमेरिका में आने वाले फेंटानिल ड्रग को रोकने की तैयारी, सीनेट में नया विधेयक पेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में एक नया विधेयक पेश किया गया है, जिसमें फेंटानिल ड्रग के खतरे से निपटने के उपायों बताए गए हैं। विधेयक में कहा गया है कि चीन और मेक्सिको से अमेरिका में फेंटानिल ड्रग की तस्करी होती है। गौरतलब है कि इसी वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन और मेक्सिको पर टैरिफ लगाया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन और मेक्सिको से फेंटानिल के मुद्दे पर कार्रवाई करने की मांग की थी।

चीन पर लगाए गंभीर आरोप : विधेयक में मांग की गई है कि चीन द्वारा नियंत्रित निकाय, जैसे बैंक आदि, जो फेंटानिल ड्रग की तस्करी में शामिल पाए जाते हैं, उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही विधेयक में अमेरिकी सरकार से मांग की गई है कि वह ड्रग बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों को ट्रैक करे। यह विधेयक सीनेटर जिम रीस और सीनेटर जीन शाहीन ने पेश किया। रीस ने कहा कि अमेरिका में फेंटानिल की तस्करी का सबसे बड़ा स्त्रोत चीन है और मेक्सिको के ड्रग कार्टेल के जरिए यह ड्रग अमेरिका में सप्लाई की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन की सरकार के इशारे पर यह सब हो रहा है। रीस ने कहा कि अमेरिका में हर साल एक लाख अमेरिकी लोग फेंटानिल की वजह से मर रहे हैं और अमेरिका की दक्षिणी सीमा से इसकी तस्करी बड़े पैमाने पर हो रही है।

लगभग 5 फीसदी का वृद्धि लक्ष्य : चीन की अर्थव्यवस्था के लिए एक व्यावहारिक कदम

बीजिंग, एजेंसी। चीन सरकार द्वारा समीक्षा के लिए चीनी राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा (एनपीसी) को सौंपी गई सरकारी कार्य रिपोर्ट-2025 ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। जिस बात ने सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया है वह यह है कि चीन ने इस वर्ष के लिए अपना जीडीपी विकास पूर्वानुमान लक्ष्य लगभग 5 फीसदी निर्धारित किया है। कुछ विदेशी मीडिया ने बताया कि यह लक्ष्य बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप है। यह न केवल चीन सरकार के व्यावहारिक रवैये को दर्शाता है, बल्कि चीनी अर्थव्यवस्था के आत्मविश्वास और ताकत को भी दर्शाता है। यह विकास दर पिछले दो वर्षों के अनुरूप बनी हुई है, जो रोजगार को स्थिर करने, जोखिमों को रोकने और लोगों की आजीविका में सुधार करने के चीन के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करती है।

इस लगभग 5 फीसदी विकास लक्ष्य का वास्तविक मूल्य बहुत अधिक है। यह सिर्फ एक संख्या नहीं है, बल्कि चीन के उच्च गुणवत्ता वाले विकास को बढ़ावा देने की एक ठोस अभिव्यक्ति भी है। उपभोग को बढ़ावा देने और घरेलू मांग के विस्तार के संदर्भ में चीन सरकार ने अपने नागरिकों की आय बढ़ाने, उच्च गुणवत्ता वाली आपूर्ति बढ़ाने और उपभोग वातावरण में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए उपभोग को बढ़ावा देने के लिए विशेष कदम उठाने का प्रस्ताव दिया है। उपायों की इस श्रृंखला से जीडीपी में उपभोग और सेवा उद्योगों के अनुपात में और वृद्धि होने और निरंतर आर्थिक विकास में नई गति आने की उम्मीद है।

साथ ही, लगभग 5 फीसदी विकास लक्ष्य का वास्तविक मूल्य तकनीकी नवाचार में भी परिलक्षित होता है। चीन सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उच्च तकनीक उद्योगों के विकास का पुरजोर समर्थन करती है और सरकारी कार्य रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सरकार बड़े मॉडलों के व्यापक अनुप्रयोग का समर्थन करेगी और बुद्धिमान जुड़े नई ऊर्जा वाहनों और बुद्धिमान रोबोट जैसे उभरते उद्योगों का विकास करेगी। ये उपाय न केवल वैश्विक औद्योगिक नवाचार परिदृश्य को नया आकार देंगे, बल्कि दुनिया को चीन की वैज्ञानिक और तकनीकी विकास उपलब्धियों को साझा करने की भी अनुमति देंगे।

साथ ही, चीन सरकार की खुली मानसिकता भी प्रभावशाली है। कई क्षेत्रों में खुलेपन पायलटों को बढ़ावा देने से लेकर बेल्ट एंड रोड के उच्च-गुणवत्ता वाले संयुक्त निर्माण तक और उच्च-मानक मुक्त व्यापार क्षेत्रों के वैश्विक नेटवर्क का विस्तार करने तक, ये खुलेपन के उपाय दुनियाभर के देशों के साथ साझी जीत वाले सहयोग के लिए चीन की ईमानदारी और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करते हैं।

चीन के लिए 2025 एक महत्वपूर्ण वर्ष है, यानी 14वीं पंचवर्षीय योजना समाप्त हो जाएगी और 15वीं पंचवर्षीय योजना तैयार की जाएगी। यह कार्य बहुत कठिन है। विभिन्न विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना आसान नहीं है और इसके लिए बहुत मुश्किल प्रयासों की आवश्यकता होती है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रक्रिया में चीन विश्व अर्थव्यवस्था की बहाली में अधिक आत्मविश्वास और ताकत लाएगा और दुनिया के लिए और अधिक नए अवसर भी प्रदान करेगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सुनीता विलियम्स के बालों की तारीफ की, बोले- जल्द ही उन्हें धरती पर लाएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरिक्ष में फंसी अंतरिक्षयात्री सुनीता विलियम्स की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही उन्हें वापस धरती पर लाने के लिए अंतरिक्षयान भेजेंगे। इस दौरान ट्रंप ने सुनीता विलियम्स के बालों की भी तारीफ की और कहा कि उनके बाल काफी मजबूत हैं। ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने और उनकी सरकार ने सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर को अंतरिक्ष में बेसहारा छोड़ दिया और दोनों आठ दिनों के अंतरिक्ष मिशन पर गए थे और अब दोनों को नौ महीने से ज्यादा का वक्त बीत गया है।

गुरुवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि हमारे दो अंतरिक्षयात्री स्पेस में फंसे हुए हैं। बाइडन ने उन्हें ऊपर ही छोड़ दिया। मैंने मस्क (एलन मस्क) से कहा है कि क्या वे दोनों को धरती पर ला सकते हैं? जिस पर मस्क ने भी सहमति दे दी है और वे दो हफ्ते में अपने अंतरिक्षयान को स्पेस में भेजने की तैयारियों में जुट गए हैं। इसके बाद मजाकिया अंदाज में ट्रंप ने कहा कि मैंने बड़े और मजबूत बालों वाली महिला (सुनीता विलियम्स) को देखा है। उनके बाल बहुत मजबूत हैं। अब हम उन्हें वापस लाने की तैयारी कर रहे हैं और हम उनसे प्यार करते हैं।

ट्रंप ने कहा कि जो बाइडन इस देश के इतिहास के सबसे खराब राष्ट्रपति रहे हैं और उन्होंने दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में फंसने दिया और कुछ नहीं किया। एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि अंतरिक्षयात्रियों को अब आठ दिन और अंतरिक्ष में रहना पड़ेगा।

स्पेसएक्स का ड्रैगन अंतरिक्षयान छह महीने पहले ही उन्हें वापस ला चुका होता, लेकिन बाइडन और व्हाइट हाउस ने ऐसा नहीं करने दिया। उल्लेखनीय है कि बुच विल्मोर और सुनीता विलियम जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर विमान पर सवार होकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे थे, लेकिन स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी और हीलियम गैस के लीक के चलते यान को दोनों अंतरिक्षयात्रियों की वापसी के लिए अनफिट घोषित कर दिया गया, जिसके बाद सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर बीते कई महीनों से अंतरिक्ष में फंसे रह गए।

इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन से एक की मौत, सात लापता

बेकासी, एजेंसी। इंडोनेशिया के कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन के बीच जावा द्वीप में एक की जान चली गई और 7 लोग लापता हो गए. ये तबाही बीते एक सप्ताह से राजधानी जकार्ता और आसपास के इलाकों में हो रही भारी बारिश की वजह से हुई है. आपदा प्रबंधन से जुड़े एक अधिकारी के हवाले से ये बताया गया कि बीते एक सप्ताह से रह-रहकर हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से जकार्ता और आसपास के शहरों में तबाही मची हुई है. बाढ़ और पानी में फंसे हजारों लोगों को मुसीबत से बचाकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है. इस बचाव कार्य में अत्याधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है. बाढ़ की विनाश लीला के बीच गुरुवार को वेस्ट जावा प्रदेश और उसके आसपास के इलाकों में भारी बारिश से सुकाभूमि जिले के अधिकांश हिस्से में घरों, अस्पतालों और स्कूलों को भारी नुकसान पहुंचा है. लोकल डिजैस्टर एजेंसी के मुताबिक भारी बारिश से एक बच्चे की मौत हो गई और तीन अलग-अलग जिलों में 7 लोगों के लापता होने की खबर है. स्थानीय आपदा एजेंसी के प्रवक्ता एंड्री सेतियावन ने एएफपी न्यूज एजेंसी को बताया कि लंबे समय से खराब मौसम और मूसलाधार बारिश के कारण ये विकराल समस्या खड़ी हुई है. भारी बारिश की इस विभीषिका से जिले के डेढ़ दर्जन कस्बों में बाढ़ और

भूस्खलन की कई घटनाएं सामने आई हैं. इस आपदा के बीच फंसे 200 से अधिक लोगों को बाढ़ग्रस्त इलाकों से निकाल कर ऊंचाई वाले स्थानों पर भी पहुंचाया गया है. गौर करें तो इंडोनेशिया में नवंबर से अप्रैल महीने के बीच बारिश की मौसम रहता है. इस दौरान भारी बारिश होती है। तूफान आते हैं. बाढ़ आती है और जगह-जगह लैंड स्लाइड का की घटनाएं होती हैं. इतना ही नहीं जलवायु परिवर्तन की वजह से इस साल भारी बारिश हो रही है। तूफान की गति भी तेज हो गई है. आंकड़ों पर गौर करें तो मध्य जावा में अकेले जनवरी माह में बाढ़ और भूस्खलन से 25 लोगों की जान चली गई. इसके पहले मई 2024 में वेस्ट सुमात्रा में बाढ़, बारिश और भूस्खलन और मलबे की वजह से 70 लोगों ने दम तोड़ दिया था.

दक्षिण कोरिया चिकित्सा सुरक्षा बढ़ाने और इलाज के दौरान होने वाली गलतियों को कम करने के लिए उठाएगा कदम

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि सरकार चिकित्सा सुरक्षा को बढ़ाने और इलाज के दौरान होने वाली गलतियों को कम करने के लिए कदम उठाएगी। इसमें सरकार की तरफ से ज्यादा मुआवजा देने की जिम्मेदारी भी शामिल है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संसदीय नीति मंच में एक योजना पेश की गई है। इसके अनुसार, जरूरी इलाज के दौरान अगर किसी की मौत हो जाती है, तो इच्छा के विरुद्ध कोई सजा नहीं का नियम लागू किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इलाज के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं के लिए बीमा कवरेज भी बढ़ाया जाएगा।

योजना के तहत, सरकार सोच रही है कि अगर जरूरी इलाज के दौरान किसी मरीज की मौत हो जाती है, और परिवार वाले सहमत हैं, तो इलाज करने वाले डॉक्टर या मेडिकल स्टाफ पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। इससे मेडिकल स्टाफ पर काम का बोझ कम होगा। सरकार एक नई समिति बनाएगी जो अस्पतालों में होने वाली दुर्घटनाओं की जांच करेगी। यह समिति 150 दिनों के अंदर यह तय करेगी कि डॉक्टरों से कोई गलती हुई है या नहीं। अब, ऐसे मामलों में, पुलिस यह नहीं देखेगी कि कितना नुकसान हुआ, बल्कि यह देखेगी कि डॉक्टरों ने अपनी ड्यूटी ठीक से की या नहीं। इस योजना में चिकित्सा संस्थानों के लिए चिकित्सा दुर्घटनाओं के विरुद्ध बीमा खरीदना अनिवार्य करना भी शामिल है, जबकि बीमा शुल्क का एक हिस्सा सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सरकार विभिन्न चिकित्सा सेवाओं, जैसे आपातकालीन चिकित्सा उपचार और शिशुओं के लिए गहन देखभाल के लिए

राज्य सब्सिडी बढ़ाने की समीक्षा करेगी। इस बीच, प्रशिक्षु डॉक्टरों के साथ लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच, मामले से परिचित सूत्रों के अनुसार, दक्षिण कोरियाई सरकार ने अगले साल के लिए मेडिकल स्कूल में प्रवेश में विवादास्पद वृद्धि को खत्म करने की संभावना जताई है। सरकारी अधिकारियों और चिकित्सा सूत्रों के अनुसार, शिक्षा मंत्री ली जु-हो ने पिछले महीने मेडिकल स्कूलों के डीन के साथ बैठक की थी और कहा था कि यदि वर्तमान में छुट्टी पर गए मेडिकल छात्र मार्च सेमेस्टर के लिए वापस लौटते हैं, तो वे 2026 के लिए 3,058 का वार्षिक प्रवेश कोटा निर्धारित करने पर विचार कर सकते हैं, जो इस वर्ष से 2,000 कम है।

एक वर्ष से अधिक समय से सरकार और प्रशिक्षु डॉक्टरों के बीच विवाद चल रहा है, क्योंकि सरकार ने इस वर्ष से मेडिकल स्कूलों में प्रवेश की संख्या में 2,000 की वृद्धि कर दी है। हालांकि, बैठक के दौरान कोई ठोस समझौता नहीं हो सका।

यूनुस पर भड़के भारत ने कहा- आतंकियों को रिहा कर बांग्लादेश को आग में झोंक दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भारत चिंतित है, जो गंभीर अपराधों के लिए सजा पाए हिंसक चरमपंथियों की रिहाई से और भी खराब हो गई है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार चरमपंथी तत्वों को बरी और दोषमुक्त करने के लिए कड़ी आलोचना का सामना कर रही है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, हम एक स्थिर, शांतिपूर्ण, और प्रगतिशील बांग्लादेश का समर्थन करते हैं जिसमें सभी मुद्दों का समाधान लोकतांत्रिक तरीकों से और भागीदारीपूर्ण चुनावों के माध्यम से किया जाता है। जायसवाल ने कहा, हम बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में चिंतित हैं, जो गंभीर अपराधों के लिए सजा पाए हिंसक चरमपंथियों की रिहाई से और भी खराब हो गई है ।जायसवाल ने कहा, जैसा कि अब तक देखा गया है, 5 अगस्त 2024 और 16 फरवरी 2025 के बीच रिपोर्ट की गई 2374 घटनाओं में से केवल 1254 की ही पुलिस द्वारा पुष्टि की गई है। इसके अलावा, इन 1254 घटनाओं में से 98 प्रतिशत राजनीतिक प्रकृति की मानी गईं। हम उम्मीद करते हैं कि बांग्लादेश पूरी तरह से जांच करेगा, हत्या, आगजनी और हिंसा के सभी अपराधियों को बिना किसी भेदभाव के न्याय के कटघरे में लाएगा।5 अगस्त 2024 को तत्कालीन पीएम शेख हसीना को अपनी सत्ता छोड़ भारत भागना पड़ा था।इसके बाद से बांग्लादेश में कानून व्यवस्था लगातार खराब होती जा रही है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू और अहमदिया समुदायों के सदस्यों पर हमलों का सिलसिला अभी भी जारी है, ऐसे में विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बार फिर इस गंभीर मुद्दे को उठाया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हमने बार-बार इस बात को रेखांकित किया है कि हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनकी संपत्तियों और धार्मिक संस्थानों की सुरक्षा करना बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है।

दिल्ली अयोध्या एक्सप्रेस में बम की सूचना, तलाशी के बाद की गई रवाना

बाराबंकी (एजेंसी)। इस ट्रेन को लखनऊ चारबाग स्टेशन पर बम से उड़ा दिया जाएगा। मिनी आरडीएक्स रखा है। संदेश को फेक न समझें। 7 मार्च दोस्त मैं मजबूर हूं, पुलिस को बता दो, हजारों जाने जा सकती हैं।अब्दुल्ला अंसारी मुरादाबाद, बम डबल बैग में रखा है। ये डरावनी पंक्तियां दिल्ली अयोध्या एक्सप्रेस के कोच एस 8 के टॉयलेट में लिखी हुई देखी गई थीं। इसके बाद हड़कंप मचा और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना की तलाशी के दौरान सभी डिब्बों को चेक किया गया। इस दौरान एस 5 में डबल बैग रखा मिला और उस पर तकिया भी रखा था। पर उसके साथ कोई था नहीं। इस पर पुलिस ने फिर से कवायद शुरू की और उसके आसपास सीट पर बैठे लोगों को तलाशा। एक यात्री ने बताया कि इस बैग पर सिर रखकर एक व्यक्ति सो रहा था। वह नीचे उतर गया है। इस पर उसकी तलाश की गई, तो वह व्यक्ति भी मिल गया।

पेट्रोल के लिए पैसा नहीं दिया तो विदेशी टूरिस्ट और होमस्टे मालकिन से किया दुष्कर्म

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हम्पी में एक इजरायली महिला टूरिस्ट और एक होमस्टे मालिकन के साथ तीन लोगों ने गैंगरेप किया। घटना 6 मार्च की रात करीब 11:30 बजे तुंगभद्रा नहर के किनारे हुई जब महिलाएं नहर के किनारे बैठीं थी। तभी तीन आरोपी बाइक पर वहां पहुंचे। पहले उन्होंने पूछा कि पेट्रोल कहां मिलेगा और फिर इजरायली महिला से 100 रुपए मांगने लगे। जब टूरिस्ट ने मना कर दिया, तो आरोपियों ने हमला कर दिया और महिलाओं के साथ रेप कर बाइक से फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक आरोपियों की तलाश जारी है कोप्पल के एसपी राम एल अरासिद्धी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी गई। दो विशेष टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने रेप और लूटपाट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। महिला के साथ मौजूद तीन अन्य टूरिस्ट भी मौजूद थे, इनमें से एक डेनियल अमेरिका से था, जबकि दो अन्य महाराष्ट्र और ओडिशा से थे। आरोपियों ने तीनों को नहर में धक्का दे दिया। जिसमें ओडिशा में रहने वाला शख्स की पानी में डूबकर मौत हो गई। होमस्टे की मालकिन ने शिकायत में बोलीं की वह और उसके चार मेहमान उस रात देर से खाना खाने के बाद तुंगभद्रा लेफ्ट बैंक नहर के किनारे तारों को देखने गए थे।

महिलाएं हो रही आर्थिक रूप से स्वतंत्र, केरल लिख रहा इसकी नई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज विश्व महिला दिवस के मौके पर ये कहने में कोई गुरेज नहीं हैं कि देश की महिलाएं अब पहले के मुकाबले अपने अधिकारों को लेकर ज्यादा सजग हैं। महिलाएं सशक्त होने के साथ आर्थिक रूप से भी स्वतंत्र हो रही हैं। हालांकि, इस मामले में केरल की महिलाएं सबसे आगे हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि नीति आयोग की एक रिपोर्ट कह रही है। नीति आयोग की रिपोर्ट में देश भर में महिलाओं के बीच बढ़ रही वित्तीय स्वतंत्रता पर प्रकाश डाला गया। रिपोर्ट में बताया गया कि किस तरह से केरल की महिलाएं बेहतर तरीके से अपने क्रेडिट प्रोफाइल को संभाल रही है। देश की महिला उधारकर्ताओं में इनकी हिस्सेदारी 6 प्रतिशत है। जबकि इस मामले में पूरे देश में ये छठवें स्थान पर हैं। वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दिखाता है, जबकि केरल की जनसंख्या अन्य कई बड़े राज्यों के मुकाबले अपेक्षाकृत कम है। इससे साफ है कि लोन बाजार में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ रही है। महिला कर्जदारों की संख्या महाराष्ट्र में सबसे अधिक 15 प्रतिशत है। इसके बाद 11 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तमिलनाडु दूसरे स्थान पर, 9 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ कर्नाटक तीसरे स्थान पर हैं। उत्तर प्रदेश और तेलंगाना की हिस्सेदारी 7 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि राज्य में 44 फीसदी महिलाओं ने छह महीने में अपने क्रेडिट स्कोर में सुधार देखा है।

महिला दिवस के मौके पर उनकी हिम्मत को सलाम

चार साल में पांच करीबियों की मौतें, फिर डिप्रेशन... लेकिन आठ साल बाद राष्ट्रपति बनी द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 1983, घने जंगलों के बीच बसे आदिवासी गांव की एक महिला सिंचाई विभाग में क्लर्क थीं और उनके पति निजी बैंक में जॉब करते थे। दोनों की नौकरी अलग-अलग राज्यों में थी। इसकारण नौकरी के साथ-साथ 3 साल की बेटी की देखभाल करना महिला के लिए परेशानी भरा काम था।

इसी बीच एक रोज निमोनिया से बेटी की जान चली गई। इसके बाद ससुराल वाले महिला पर लगातार नौकरी छोड़ने का दबाव बना रहे थे। ससुरालवालों के दबाव में आकर आखिरकार महिला ने सरकारी नौकरी छोड़कर पति के साथ रहने लगी। 27 साल बाद यानी 25 अक्टूबर 2010 की बात है। उस महिला का बड़ा बेटा रात को पार्टी से लौटा, सुबह उसकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचते-पहुंचते बेटे ने दम तोड़ दिया। करीब ढाई साल बाद जनवरी 2013 में महिला का छोटा बेटा भी सड़क हादसे में गुजर गया। कुछ महीने बाद महिला के मां और भाई भी मौत हो गई। 19 महीने

बाद यानी अगस्त 2014 में महिला के पति की मौत हो गई। चार साल के भीतर पांच मौतें होने से महिला डिप्रेशन में चली गईं, लेकिन आठ साल बाद यानी 25 जुलाई 2022 को वहीं महिला भारत के सबसे ऊंचे पद पर पहुंचीं। उस बुलंद हौसले वाली महिला कोई और नहीं हमारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू है।

ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर से करीब 25 किलोमीटर दूर गांव है उपरबेड़ा है। घने जंगलों के बीच बसे गांव की आबादी करीब 3 हजार होगी। 1958 की बात है। उपरबेड़ा और आसपास के इलाकों में मानसून ने दस्तक दे दी थी, लेकिन वहां कई दिनों से बारिश नहीं हो रही थी। संथाली परंपरा के मुताबिक बारिश के लिए बिरंची नारायण ने घर के पिछवाड़े बरगद के पेड़ के नीचे एक मिट्टी का बर्तन रखा। लोग उसे पुति कहते हैं। पुति रखने के ठीक एक हफ्ते बाद 20 जून 1958 को बिरंची टुडू को एक बेटी हुई। संयोग से बच्ची के जन्म के बाद इलाके में बारिश भी होने लगी। एक साथ बिरंची को दोहरी खुशी मिली। उन्होंने बेटी का नाम रखा पुति।

एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति मुर्मू बताती हैं कि संथाली परिवार में बेटी का नाम दादी के नाम पर रखा जाता है, ताकि दादी के मरने पर भी उनका नाम जिंदा रहे। इसलिए मेरा एक नाम दुर्गी भी था, लेकिन ये नाम मेरे शिक्षक को पसंद नहीं था, तब उन्होंने मेरा नाम द्रौपदी रख दिया।'

दिल्ली सरकार की महिला समृद्धि योजना को आतिशी ने पीएम मोदी का जुमला करार दिया

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी की रेखा गुप्ता सरकार ने दिल्ली में महिला समृद्धि योजना लागू करने का ऐलान किया है। इसके साथ लाखों पात्र महिलाओं को योजना के तहत हर माह 2500 रुपये मिलने है। लेकिन योजना पर अब आम आदमी पार्टी की प्रतिक्रिया आ गई है। नेता प्रतिपक्ष

आतिशी ने इस योजना को पीएम मोदी का जुमला करार दिया है।आतिशी का कहना है, दिल्ली चुनाव से पहले पीएम मोदी ने महिलाओं से वादा किया था कि 8 मार्च से हर महीने उनके बैंक खाते में 2500 रुपये आएंगे। उन्होंने कहा था कि यह मोदी की गारंटी है। 8 मार्च को महिलाएं फोन पर संदेश आने का इंतज़ार करती रहीं। बीजेपी सरकार ने साबित कर दिया कि वहां मोदी की गारंटी नहीं बल्कि एक जुमला था। सिर्फ पैसे नहीं बल्कि एक योजना तक नहीं मिली। रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल तक नहीं मिला। सिर्फ 4 सदस्यों की एक कमेटी मिली। बीजेपी पर हमलावार आतिशी ने कहा, एक कहावत है खोदा पहाड़ निकली चुहिया। आज दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने साबित कर दिया कि पीएम मोदी ने दिल्ली की महिलाओं से झूठ बोला था। शायद ये शुरुआत है। दिल्ली के लोगों को आगे ये पता चलेगा कि जिस घोषणापत्र के वादे पर लोगों ने बीजेपी को वोट दिया वहां सब झूठ निकलेगा। आतिशी ने कहा, दिल्ली की महिलाओं के साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ है। उन्हें झुनझुना पकड़ा दिया गया है।

औरंगज़ेब विवाद पर महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना एकजुट, बिहार में जदयू से तकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। औरंगज़ेब को लेकर उठा विवाद महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना को करीब ले आया है। जबकि बिहार में भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) के बीच तकरार पैदा कर रहा है। महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना ने समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अबू आजमी की टिप्पणी के खिलाफ एकजुटता दिखाई, वहीं बिहार में जेडी(यू) के कुछ नेताओं के बयान ने भाजपा की रणनीति पर सवाल खड़े कर दिए।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने औरंगजेब की प्रशंसा करने के लिए आज़मी के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग की। आज़मी ने अपनी सफाई में कहा कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया, लेकिन फिर भी अगर किसी को ठेस पहुंची हैं तब वे अपने बयान वापस लेते हैं। बावजूद इसके, भाजपा और शिवसेना इस मुद्दे को भुनाने में जुटी रही, जिससे हिंदुत्व समर्थकों में उनकी पकड़ मजबूत होती दिखी।

वहीं, बिहार में जेडी(यू) एमएलसी खालिद अनवर ने औरंगजेब को क्रूर शासक नहीं बताया, जिससे भाजपा नेताओं ने कड़ी आपत्ति जाहिर की। भाजपा विधायक हरि भूषण ठाकुर ने अनवर को देशद्रोही बताकर उन्हें सदन से निष्कासित करने और पाकिस्तान भेजने तक की मांग कर डाली। भाजपा के मंत्रियों ने भी मुद्दे को उठाकर शहरों के नाम बदलने तक की वकालत की। हालांकि, जेडी(यू) ने आधिकारिक रूप से अपने एमएलसी के बयान का समर्थन किया। प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा की हिंदुत्व राजनीति से दूरी बनाए रखना चाहते हैं और मुस्लिम वोट बैंक को सुरक्षित रखना उनकी प्राथमिकता है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना का गठबंधन हिंदुत्व के मुद्दे पर और मजबूत हो सकता है, जबकि बिहार में भाजपा और जेडी(यू) के बीच यह मतभेद आगामी विधानसभा चुनावों में नई रणनीति की ओर इशारा करता है। भाजपा हिंदुत्व की राजनीति को हवा देकर बिहार में अपने पैर जमाना चाहती है, जबकि जेडी(यू) सामाजिक समरसता को प्राथमिकता दे रही है। बिहार के मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए राजद और एआईएमआईएम जैसी पार्टियां भी विवाद में कूद पड़ी हैं। राजद नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी और एआईएमआईएम प्रमुख अख्तरुल ईमान ने भाजपा पर इतिहास के राजनीतिकरण का आरोप लगाया।

लालू अपने लाल तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए महारणनीति बनाने में जुटे

-युवाओं और महिलाओं को साधने में जुट गई राजद

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी तेज हो गई है। बिहार की मुख्य विरोधी पार्टी राजद ने भी जोर लगा दिया है। लालू यादव ने ऐलान कर दिया है कि उनके बेटे तेजस्वी यादव ही इस बार बिहार के मुख्यमंत्री जरुर बनने वाले है। खुद तेजस्वी ने भी दावा किया है कि आरजेडी की सरकार बनेगी और मैं सीएम बनूंगा। उन्होंने जनता से अपील भी की है। वहीं राजद ने महिला और युवा वोटरों को साधने का फॉर्मूला भी तैयार किया है।

दरअसल बिहार चुनाव में महिला वोटरों की बड़ी भूमिका रहती है। महिला वोटर यह तय करने

में निर्णायक होती हैं कि प्रदेश में सरकार किस गठबंधन की बनेगी। महिलाओं का वोट प्रतिशत पुरुष वोट से अधिक रहा था। राजद ने महिला वोटरों को साधने के लिए खुला ऐलान किया है कि अगर राजद की सरकार बनती है तब महिलाओं को 'माई-बहिन मान योजना' के अंतर्गत 2500 रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। इतना ही नहीं राजद इसका प्रचार जोर-शोर से कर रही है।

वहीं युवा वोटरों को साधने की भी पूरी तैयारी राजद में अंदर खाने चल रही है। तेजस्वी यादव ने रोजगार को शुरू से मुद्दा बनाया है। वे दावा करते रहे हैं कि बिहार में महागठबंधन सरकार में निकली बंपर बहाली और बांटे गए रोजगार उनके ही प्रयासों के देन हैं। हाल में बीपीएसी रीएग्जाम को भी उन्होंने मुद्दा बनाया है। तेजस्वी ने डोमिसाइल नीति को भी उठाया है। उन्होंने कहा है कि राजद सरकार में आते ही वे 100 प्रतिशत डोमिसाइल लागू कर दूंगा। इसी कड़ी में बुधवार को पटना में युवा चौपाल कार्यक्रम हुआ। इसमें अन्य जिलों से भी आए युवाओं का जुटान हुआ। दरअसल, 'माई-बहिन मान योजना' का कांसेप्ट झारखंड चुनाव में हेमंत सोरेन की 'मैया सम्मान योजना' के असर से आया है। झारखंड में सोरेन की सरकार ने भी महिलाओं को 2500 रुपए प्रति माह देने का ऐलान किया था जिसका असर भी दिखा है। झारखंड चुनाव परिणाम आने के बाद ही राजद ने बिहार में 'माई-बहिन मान योजना' का जिक्र शुरू किया। बिहार में 100 प्रतिशत डोमिसाइल की मांग ने तब जोर पकड़ा जब बिहार में बीपीएससी के जरिए शिक्षकों की बंपर वैकेंसी निकली। लेकिन इस परीक्षा में बड़ी संख्या में बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों ने भी अप्लाई किए। इसका विरोध भी दिखा। तेजस्वी यादव सहित राजद कुनबा युवाओं को 100 प्रतिशत डोमिसाइल का वादा करके अपने पक्ष में लाना चाहेगी।

भारत ने रावी नदी का पानी रोका, पाकिस्तान के किसान खेती को तरसे

नई दिल्ली। भारत ने रावी नदी का पानी रोका तो पाकिस्?तान में बचाव मच गया। भारत की तर्ज पर पाकिस्?तान भी एक कृषि प्रधान देश है। इंडो-वाटर ट्रीटी के तहत भारत के पास रावी नदी के पानी पर 100 फीसदी अधिकार है। अब पाकिस्?तान की तरफ से अपने देश के किसानों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में कहा गया है कि इस साल किसानों को फसलों को मिलने वाले पानी में 30 से 35 फीसदी की कमी आ सकती है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि कृषि क्षेत्र में जल संकट गहराने वाला है, क्योंकि देश के प्राथमिक जल नियामक, सिंधु नदी प्रणाली प्राधिकरण ने जल संकट की चेतावनी दी है। पाकिस्तान के दो सबसे बड़े जलाशय तरबेला और मंगला बांध सूख रहे हैं। इरसा ने पंजाब और सिंध में फसलों के लिए पानी की उपलब्धता में संभावित 30-35 फीसदी की कमी का अनुमान लगाया है। मुख्य फसल अपने अंतिम चरण के करीब है, जिसके लिए पर्याप्त सिंचाई की जरुरत है। इरसा के ताजा डेटा पाकिस्?तान में एक निराशाजनक तस्वीर पेश करते हैं, जिसमें पता चलता है कि 1,550 फीट की अधिकतम भंडारण क्षमता वाले तरबेला बांध में वर्तमान में मात्र 73,000 एकड़ फीट पानी बचा है, जिसका स्तर खतरनाक रूप से 1,409 फीट पर है, जो मृत स्तर से मात्र नौ फीट ऊपर है। इसी तरह 1,242 फीट के अधिकतम संरक्षण स्तर के साथ मंगला बांध वर्तमान में 1,088 फीट पर है, जिसमें 235,000 एकड़ फीट पानी है, जो इसके मृत स्तर से मात्र 28 फीट ऊपर है। इन महत्वपूर्ण जल स्रोतों के तेजी से खत्म होने से इरसा ने प्रांतों को चेतावनी जारी की गई है, जिसमें जलाशयों के कुछ ही दिनों में अपने मृत स्तर तक पहुंचने की आसन्न संभावना पर जोर दिया है। यह खतरनाक स्थिति गेहूं की फसल के महत्वपूर्ण अंतिम पानी के चरण से मेल खाती है, जो पहले से ही सरकारी नीतियों में बदलाव के कारण अनुमान से कम बुवाई से जूझ रही है।

वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ 13 मार्च को जंतर मंतर पर होगा हल्ला बोल प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने जा रहा है। पहले यह प्रदर्शन 10 मार्च को होना था जिसमें संशोधन कर इसे 13 मार्च कर दिया गया है। प्रदर्शन सुबह 10 बजे आयोजित किया जाएगा। बोर्ड के प्रवक्ता और प्रदर्शन के आयोजक डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने बताया कि तकनीकी कारणों के चलते तिथि में बदलाव किया गया है।

केंद्र सरकार वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को संसद के आगामी सत्र में पारित कराने की तैयारी में है। इसे लेकर मुस्लिम समाज में गहरी चिंता व्याप्त है। बोर्ड का मानना है कि यह विधेयक मुस्लिम समुदाय की वक्फ संपत्तियों, मस्जिदों, कब्रिस्तानों, दरगाहों, मठों और मदरसों पर कब्जा करने और उन्हें नष्ट करने के इरादे से लाया गया है। इसलिए इसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। बोर्ड और अन्य धार्मिक संगठनों ने इस विधेयक के खिलाफ संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को कई ईमेल भेजे और उनसे मुलाकात कर अपना विरोध दर्ज कराया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री से भी इस मुद्दे पर विस्तार

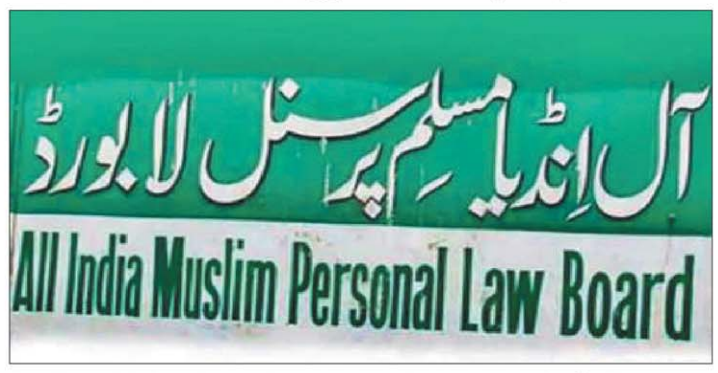

से चर्चा की गई, जिसमें स्पष्ट किया गया कि मुस्लिम समाज इस विधेयक को पूरी तरह अस्वीकार करता है।

बोर्ड की मजलिस (कार्यकारिणी समिति) ने निर्णय लिया है कि 13 मार्च को दिल्ली के जंतर-मंतर पर सुबह 10 बजे प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें बोर्ड का पूरा केंद्रीय नेतृत्व, धार्मिक संगठनों के नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और मुस्लिम समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इस प्रदर्शन में दलित, आदिवासी, ओबीसी समुदायों के सामाजिक-राजनीतिक नेताओं के साथ-साथ सिख और ईसाई धर्मगुरु भी शामिल होंगे। इसी के तहत 8 मार्च को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में भी विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मेवात के मुसलमानों से प्रदर्शन में भारी संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. इलियास ने कहा कि अगर यह संशोधन विधेयक पारित हुआ, तो मुस्लिम समाज की वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा पर गंभीर संकट आ सकता है।

पप्पू यादव का बड़ा दावा बोले- जेडीयू एमएलसी ने लॉरेंस के नाम पर दिलवाई थी धमकी

पूर्णिया (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बड़ा दावा करते हुए आरोप लगाया कि उन्हे लॉरेंस के नाम पर पिछले दिनों जो धमकी दी गई थी उसके पीछे जेडीयू एमएलसी का हाथ था। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) से एमएलसी नीरज कुमार पर गंभीर आरोप लगाया है। पप्पू यादव ने कहा कि जेडीयू एमएलसी ने ही उन्हें धमकी दिलवाई थी। इस मामले में पूर्व में आरा से गिरफ्तार हुए रामबाबू को नीरज कुमार ने ही पैसे देकर उन्हें धमकी देने के लिए कहा गया था। ताकि लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिल रहीं धमकियों के मुद्दे को डायवर्ट किया जाए।

पप्पू यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्हें धमकी देने के मामले में पूर्व में गिरफ्तार हुआ रामबाबू भी मौजूद रहा। सांसद ने आरोप लगाया कि जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार ने पूर्णिया के एसपी पर प्रेशर देकर पीसी करवाई थी। पप्पू यादव ने दावा किया कि रामबाबू को नीरज कुमार ने जेडीयू ऑफिस में बुलाया था। इसके

सीसीटीवी फुटेज भी मौजूद हैं। जेडीयू दफ्तर में रामबाबू को ट्रेनिंग दी गई। सिक्योरिटी हॉल में वीडियो बनाया गया और फिर वहीं से धमकी दी गई।पप्पू यादव ने दावा किया कि फर्जी धमकी देने की एवज में रामबाबू को जेडीयू एमएलसी ने चुनाव लड़वाने का भी ऑफर दिया था। सांसद ने दावा किया कि धमकी दिलवाकर रामबाबू को छोड़ दिया गया। पूर्णिया एसपी को फोन कर इनका मोबाइल नंबर दिया गया। वहां के पदाधिकारियों ने इनसे बातचीत की। फिर पटना आकर गाड़ी से रामबाबू को पूर्णिया लेकर गए। आधा घंटा लॉकअप में रखा गया। रामबाबू को कहा गया कि पप्पू यादव के किसी करीबी का नाम ले लो, नहीं तो जेल में बंद कर देंगे।

बरसाने की रंगीली गली में शुरू हुई होली: हेलिकॉप्टर से की गई पुष्प वर्षा

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा में बरसाने की रंगीली गलियों में जब हुरियारिन परंपरागत तरीके से सज-धजकर निकलती हैं तो होली की उमंग आसमान छूने लगती है। चेहरे में घूंघट लेकिन हाथों में तेल लगी लाठी इनके इरादों को उजागर करती हैं। इनकी लाठी से बचने और होली खेलने के लिए सभी हुरियारे भगवान कृष्ण के गांव नंदगांव से ढाल लेकर 50किमी दूर बरसाना पहुंचते हैं, तो नजारा देखने लायक हो जाता है। हेलिकॉप्टर से रंगीली गली के ऊपर पुष्प वर्षा करके हुरियारों के जोश को कई गुना बढ़ा दिया गया।

बरसाना में हुरियारिन नंदगांव से आए सखाओं पर लाठी बरसाती हैं और होली का आनंद लेती नजर आई हैं। ऐसे में हुरियारे गीत गाते हैं और अपनी ढाल से बचाव करते दिखे हैं। इस बार विश्वप्रसिद्ध बरसाने की होली देखने देश-विदेश से करीब 10 लाख लोग मथुरा पहुंचे हैं। होली के चलते बरसाने की तमाम गलियां भरी हुई हैं। सभी ओर अबीर-गुलाल उड़ता दिख रहा है। अलग-अलग टुकड़ियों में बंटी हुरियारिनों की टोलियां अलग-अलग जगहों पर लट्ठ लिए नजर आई हैं।

बरसाने की होली खेलने वालों का तो यही मानना है कि जब वो होली खेलते हैं, तो स्वयं राधा रंग-गुलाल खेलती प्रतीत होती हैं, फिर ठाकुरजी तो साक्षात हुरियारों के सामने बैठे होते हैं। लट्?ठमार होली हर कोई नहीं खेल सकता है, बल्कि बहुएं ही इसे खेलती हैं, यहां पर कुंवारी लड़कियां लट्ठमार होली नहीं खेल सकतीं हैं। यहां की मशहूर रंगीली गली की बहुएं तो श्रृंगार ही ऐसा करती हैं मानों उन्होंने श्रीजी की ही तरह अपने ठाकुरजी के लिए खुद को सजाया हो। इस श्रृंगार को ठाकुरजी के नाम किया जाता है।

होली के दौरान बरसाने में बढ़ती भीड़ को देखते हुए हर प्वाइंट पर पुलिस की तैनाती की गई है। भीड़ के चलते बरसाने में भारी वाहनों की एंट्री बंद है। प्रशासन ने बरसाने में गाड़ियों की आवा-जाही जहां बंद की वहीं भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग का इंतजाम किया गया है। पुलिस वाले ऊंचे-ऊंचे मचान से निगरानी कर रहे हैं।